रांची, बुधवार
29.01.2025
वर्ष : 10, अंक : 59 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज

रांची। झारखंड कैबिनेट की बैठक बुधवार, 29 जनवरी को होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से मंगलवार को सूचित किया गया है कि कैबिनेट की बैठक 29 जनवरी को अपराह्न 4:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन)स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

झारखंड में नगर निकाय चुनाव मई-जून में होने की संभावना

रांची : झारखंड में नगर निकाय चुनाव इस साल मई-जून में होने की संभावना है। झारखंड हाई कोर्ट के दिशानिर्देश को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग जल्द से जल्द नगर निकाय चुनाव कराने की तैयारी में जुट गई है। आयोग के द्वारा नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत के विभिन्न पदों के लिए होनेवाले चुनाव के लिए वार्डों के पुर्नगठन का काम किया जा रहा है।

महाकुम्भ : मौनी अमावस्या के पूर्व संगम में उमड़ा जन सैलाब, 4.83 करोड़ ने लगाई आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के महा अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के एक दिन पूर्व से ही संगम की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। जिधर भी नजर जा रही है उधर श्रद्धालु ही दिखाई पड़ रहे हैं। कंधे पर झोला और सिर पर गृहस्थी की गठरी लिए श्रद्धालुओं का जो रेला मंगलवार सुबह जारी हुआ वह थमने का नाम नहीं ले रहा है। श्रद्धालुओं के जत्थे ह्यगंगा मैया की जयह्व और ह्यहर-हर महादेवह्व के उद्घोष के साथ संगम की ओर बढ़ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम 8 बजे तक 4.83 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

स्नान का शुभ मुर्हूत शुरू हो चुका है : मेला प्रशासन द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से लगातार प्रसारित किया जा रहा है कि शाम 7.30 बजे से स्नान का शुभ मुर्हूत शुरू हो गया है। श्रद्धालुओं का अपार समूह यात्रा की थकावट और परेशानियों को भुलाकर आस्था की डुबकी लगाने के लिये उत्साह से त्रिवेणी की ओर बढ़ रहा है। मौनी अमावस्या के दिन सुबह 13 अखाड़े अमृत स्नान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने अबुआ बजट की निर्माण को लेकर बजट पूर्व संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संसाधनों के बेहतर से बेहतर इस्तेमाल करने पर दिया जोर

सतत एवं समावेशी विकास पर आधारित बजट हो : मुख्यमंत्री

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि बजट के जरिए एक ऐसा दस्तावेज तैयार हो, जिससे यहां की मूलभूत समस्याओं के समाधान के साथ सर्वांगीण विकास की राह पर राज्य आगे बढ़ सकें। इसके लिए जरूरी है कि संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल हो। मुख्यमंत्री आज झारखंड मंत्रालय में अबुआ बजट- 2025- 26 की तैयारियों के सिलसिले में बजट पूर्व संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि बजट आइडियल तथा सर्वोत्तम हो, इसके लिए विभिन्न विषयों के के विशेषज्ञों ने कई अहम तथा प्रभावी सुझाव दिए हैं। इन सुझावों पर गंभीरता के साथ अध्ययन कर उसे बजट में शामिल करने पर विचार होगा, ताकि सतत एवं समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ सकें।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि झारखंड को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए खुद राजस्व संग्रहण करना है और खर्च भी करना है। हमें अपने संसाधन खुद जुगाड़ करने हैं और आवश्यकता अनुसार विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए राशि भी खर्च करनी है। ऐसे में जब तक आर्थिक संसाधन से हम मजबूत नहीं होंगे राज्य के विकास का पहिया आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए सभी विभाग राजस्व संग्रहण के संभावनाओं को तलाशने के लिए ठोस कदम उठाएं।

मुख्यमंत्री ने इस बात को स्वीकार करते हुए कहा कि राज्य में संसाधन जरूर कम हैं, लेकिन हमारी सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, बिजली, पानी और सड़क समेत कई क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए हैं। ऐसे कार्य आज भी चल रहे हैं और आगे भी अनवरत चलते रहेंगे। हमारा प्रयास झारखंड को विकसित और समृद्ध राज्य बनाना है।

लंबी अवधि को ध्यान में रखकर कार्य योजना बननी चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि सतत विकास के लिए लंबी अवधि को ध्यान में रखकर योजनाएं बननी चाहिए। इसके लिए नींव मजबूत होना जरूरी है । अगर नींव मजबूत होगी तो भविष्य में बिल्डिंग में ऊंची बनाई जा सकती है। यही वजह है कि हमारी सरकार प्राथमिकताओं को तय कर बुनियाद को मजबूत करने पर विशेष जोर दे रही है ताकि भविष्य में भी उसकी ज्यादा से ज्यादा उपयोगिता सिद्ध हो सके।

कई उतार-चढ़ावों के साथ राज्य बढ़ रहा आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग राज्य बनने के बाद झारखंड ने कई उतार -चढ़ाव देखे हैं। लेकिन, इसके बाद भी राज्य ने कई नए आयाम गढ़े हैं। इस बार हेल्थ इंडेक्स में झारखंड ने बेहतरीन उपलब्धि हासिल की है। लेकिन, हमें सिर्फ यही तक सीमित नहीं रहना है बल्कि इससे प्रेरणा लेते हुए पूरे उत्साह के साथ अन्य क्षेत्र में उच्च मानक पर खरा उतरते हुए निरंतर आगे बढ़ें। इसके लिए सभी को मिलजुल कर कार्य करने की जरूरत है।

हमारी योजनाओं को देशभर में पहचान मिली है

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की आधी आबादी को सशक्त बनाने के इरादे से झारखंड मुख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना की जो शुरूआत की है, उससे देश भर में इस राज्य की अलग पहचान बनी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस योजना की वजह से किसी भी व्यक्ति विशेष पर किसी प्रकार का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। इसके लिए राशि आंतरिक संसाधन से जुटाए जाएंगे ।

बजट में रोजगार सृजन पर विशेष फोकस हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जिसके जरिए रोजगार सृजन को बढ़ावा मिले । रोजगार के साथ स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए व्यापक प्रबंध होने चाहिए। इसके लिए रोजगार से जुड़ी समस्याओं के निदान के साथ रोजगार सृजन के लिए ठोस कदम उठाई जाएं।

जो राशि खर्च होती है उसके आउटकम का आकलन हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में विभिन्न विभागों को जो राशि आवंटित की जाती है उसे खर्च करने के साथ उसके आउटकम का भी आकलन होना चाहिए । अभी तक देखा गया है कि खर्च हुई राशि का कितना लाभ मिल रहा है, इस पर विशेष जोर नहीं दिया गया। इस वजह से हमने जो एसेट बनाएं हैं, उसका उचित इस्तेमाल नहीं हो पता है ऐसे में एसेट तैयार करने के क्रम में उसके सकारात्मक एवं नकारात्मक पहलुओं का ध्यान रखना जरूरी है । इस दिशा में हमें नकरात्मक पहलुओं को दूर करने के लिए बेहतर प्रबंधन करना होगा।

झारखंड में 70 प्रतिशत लोगों के पास कोई बजट प्लानिंग नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी झारखंड में 70 प्रतिशत आबादी के पास अपना कोई बजट नहीं होता है। कहां से आय होगा और कहां खर्च होगा, उनके पास इसकी कोई योजना नहीं हो पाती है । इस वजह से वे पीछे रह जातें हैं। लेकिन, हमारी सरकार ने अपनी नीतियों और योजनाओं के माध्यम से उन्हें कई संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिनके जरिए वे सशक्त हो रहे हैं ।

अबुआ बजट पोर्टल पर सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वाले हुए पुरस्कृत

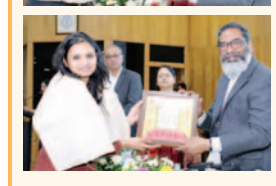

मुख्यमंत्री ने बजट पूर्व संगोष्ठी में अबुआ बजट पोर्टल के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वाले अनीश कुमार मुरारका, नीतीश कुमार और राम प्रवेश राम को पुरस्कृत किया। इसके अलावा बेहतर सुझाव देने वालों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

राज्य बनाना है।

बजट 2025- 26 में विभिन्न सेक्टर को मजबूत और उन्नत बनाने के लिए क्या-क्या प्रावधान किए जाने चाहिए, इसे लेकर देशभर से आए अलग-अलग विषयों के एक्सपर्ट्स ने कई अहम सुझाव रखे। इनमें यूनिसेफ के पूर्व एजुकेशन स्पेशलिस्ट विनोबा गौतम ने शिक्षा, इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च के प्रोफेसर एस चंद्रशेखर ने डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स, एनआईईपीए के प्रोफेसर सुधांशु भूषण ने उच्च शिक्षा, आईआईएम उदयपुर की डॉ निधि अग्रवाल ने कृषि तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली के प्रोफेसर वी एन आलोक ने पब्लिक फाइनेंस को लेकर कई सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने बजट निर्माण को लेकर अहम सुझाव देने वाले इन विशेषज्ञों को सम्मानित किया।

बजट पूर्व संगोष्ठी में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, सचिव प्रशांत कुमार, राज्य वित्त आयोग के सदस्य डॉ हरिश्वर दयाल के साथ विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव/ सचिव तथा अन्य अधिकारी एवं देशभर से आये विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शामिल थे।

पीएम मोदी ने 38वें राष्ट्रीय खेलों का किया उद्घाटन, कहा-

'देश के खिलाड़ी मुझे मानते हैं परममित्र'

एजेंसी

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी में मंगलवार को 38वें राष्ट्रीय खेलों का विभिन्न लेजर शो के बीच आगाज हो गया। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर स्थित राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने राष्ट्रीय खेलों की मशाल तेजस्विनी सौंपी। वहीं, देश भर से आई पैंतीस खिलाड़ी टीमों ने अपने ध्वजों के साथ मार्च पास्ट किया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की बहुत सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देशी और पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। इस बार के नेशनल गेम्स एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी हैं। इसमें एनवायरमेंट फ्रेंडली चीजों का इस्तेमाल हो रहा है। ट्रॉफी और मेडल भी ई-वेस्ट से बनी है। यहां एक पौधा भी लगाया जाएगा, ये एक अच्छी पहल है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बदरीनाथ जी, माँ गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है। इस युवा राज्य में देश के कोने-कोने से आए हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज खेलो इंडिया सीरीज में कई सारे नए टूनामेंट जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया से जुड़कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पहले लद्दाख में खेलो इंडिया गेम्स का पांचवां एडिशन शुरू हो चुका है।

मोदी ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैकड़ों सांसद टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए सांसद खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन करवा रहे हैं। काशी संसदीय क्षेत्र से सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से सैकड़ों खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा ,हम स्पोर्टस को सर्वांगीण विकास का माध्यम मानते हैं। जब खेल में कोई आगे बढ़ता है तो देश की साख और प्रोफाइल बढ़ता है इसलिए आज स्पोर्टस को भारत के विकास और आत्मविश्वास से जोड़ा जा रहा है। हम स्पोर्ट्स को भारत के सर्वांगीण विकास का एक प्रमुख माध्यम मानते हैं।

मोदी ने कहा,हमारा प्रयास है कि हम स्पोर्टस इकोनॉमी को भारत के विकास से जोड़ रहे हैं। खेल में सर्विस और मैन्यूफेक्चर के लिए भी स्कोप होता है। भारत आज क्वालिटी मैन्यूफैक्चर्र बन रहा है।

हथियार के साथ नक्सली दंपति गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस लगातार सर्च ऑपरेशन के जरिये प्रतिबंधित भाकपा माओवादियों के नक्सलियों को गिरफ्तार कर रही है। इसी क्रम में एक बार फिर सीआरपीएफ के साथ जिला पुलिस ने एसपी डॉक्टर विमल कुमार को मिले गुप्त सूचना पर दो नक्सली पति -पत्नी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को मधुबन थाना में प्रेसवार्ता कर एएसपी अभियान सुरजीत कुमार और एसडीपीओ सुमित प्रसाद ने संयुक्त रूप सेबताया कि जमुआ थाना इलाके के गनियाडीह गांव निवासी तालेश्वर हांसदा उर्फ सेरमा अपनी पत्नी मालती मुर्मू उर्फ गुडी उर्फ गुड़िया के साथ मधुबन थाना इलाके के टेसाफुली जंगल के पहाड़ी इलाके में किसी बड़े नक्सली दस्ते के शीर्ष नेताओं से मिलने जा रहे थे।

इस सूचना के आधार पर एएसपी सुरजीत कुमार और एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल की टीम ने सर्च ऑपरेशन के तहत हार्डकोर प्रयाग मांझी दस्ते के सक्रिय सदस्य रहे पति पत्नी नक्सली तालेश्वर हांसदा और मालती मुर्मू को गिरफ्तार करने में सफल रही। इनके पास से नाइन एमएम पिस्टल और दो गोली बरामद किया गया है।

पूछताछ के दौरान दोनो नक्सली पति-पत्नी ने कबूला कि वो दोनों नक्सली संगठन से जुड़े हुए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान एएसपी अभियान सुरजीत ने कहा कि दोनो के खिलाफ कोई नक्सली कांड का केस दर्ज है या नहीं। इसकी जांच की जा रही है।

जेजेएमपी का एरिया कमांडर गिरफ्तार

लातेहार। लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर सदर थाना क्षेत्र के सेमरियाताड़ गांव के पास से जेजेएमपी के एरिया कमांडर जितेंद्र सिंह को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सली सेमरियाताड़ गांव का रहने वाला है। पुलिस ने इसके पास से देसी रिवाल्वर और गोलियां भी बरामद की है। मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि उग्रवादी जितेंद्र सिंह किसी घटना को अंजाम देने के लिए सिमरियाताड़ गांव के आसपास अपने दस्ते के साथ भ्रमणशील है। इस सूचना के बाद डीएसपी और थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की गई। पुलिस ने चिन्हित स्थान पर पहुंचकर सर्च अभियान चलाया तो पुलिस को देखकर उग्रवादी जितेंद्र सिंह भागने लगा, परंतु पुलिस की टीम ने उसे पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी पर 13 अपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही जितेंद्र सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ एक पारा टीचर के घर में जाकर तोड़फोड़ की थी। पुलिस को इसकी कई दिनों से तलाश थी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली पर सरकार के के जरिये इनाम भी घोषित है।

मुख्यमंत्री से नेशनल स्कूल बैंड कॉम्पटीशन में पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल करने वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की बैंड टीम ने की मुलाकात

आप सभी ने अपने प्रदर्शन से देश में झारखंड का नाम किया है रौशन : हेमंत

मुख्यमंत्री ने बैंड टीम में शामिल सभी छात्राओं को शानदार उपलब्धि के लिए दी बधाई और शुभकामनाएं, किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज नई दिल्ली में 24-25 जनवरी को आयोजित नेशनल स्कूल बैंड कॉम्पटीशन-2025 में पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल करने वाली कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, पटमदा, पूर्वी सिंहभूम की बैंड टीम में शामिल छात्राओं ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय स्तर के इस बैंड कॉम्पटीशन के अनुभवों को साझा किया। मुख्यमंत्री ने बैंड टीम को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि एक सरकारी विद्यालय की छात्राओं ने बैंड कॉम्पटीशन के जरिए अपनी प्रतिभा को पूरे देश के समक्ष पेश कर झारखंड का नाम रौशन किया है। उन्होंने बैंड टीम के सभी सदस्यों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी।

नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह में भी बैंड डिस्प्ले का किया प्रदर्शन

विदित हो कि नेशनल स्कूल बैंड कॉम्पटीशन में प्रथम स्थान हासिल करने वाली इस टीम के द्वारा नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भी बैंड डिस्प्ले किया गया। झारखंड के लिए पहला मौका था जब नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में यहां की कोई बैंड टीम शामिल हुई हो। इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर शशि रंजन, स्टेट नोडल अफसर धीरसेन सोरेंग, फिजिकल एजुकेशन शिक्षक निशा पन्ना, प्रशिक्षक प्रेम राणा, पंजाब रेजिमेंटल सेंटर रामगढ़ के जरनैल सिंह और अमरवीर सिंह मौजूद थे।

बच्चे -बच्चियों की प्रतिभा निखारने और बेहतर प्लेटफॉर्म देने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। वे अलग-अलग क्षेत्र में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखार कर सामने ला सकें। यहां के बच्चे-बच्चियों को बेहतर प्लेटफार्म देने के लिए भी सरकार योजना पर तरीके से कार्य कर रही है। बच्चों के एक्सपोजर के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

ओडिशा नये भारत के आशावाद और मौलिकता का प्रतीक है: प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा नये भारत के आशावाद और मौलिकता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री भुवनेश्वर में 'उत्कर्ष ओडिशा, मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव' का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में यह ओडिशा की उनकी दूसरी यात्रा है। उन्होंने कहा कि उत्कर्ष ओडिशा राज्य में अब तक का सबसे बड़ा व्यापार सम्मेलन है। इसमें पांच से छह गुना अधिक निवेशक भाग ले रहे हैं। उन्होंने इस भव्य आयोजन के लिए राज्य के लोगों और ओडिशा सरकार को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पूर्वी भारत को देश के विकास का ग्रोथ इंजन मानते हैं और ओडिशा की इसमें बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि इतिहास साक्षी है, जब ग्लोबल ग्रोथ में भारत की बड़ी हिस्सेदारी थी, तब पूर्वी भारत का अहम योगदान था। पूर्वी भारत में देश के बड़े इंडस्ट्रियल हब थे, बड़े पोर्ट्स थे, ट्रेड हब थे। ओडिशा साउथ ईस्ट एशिया में होने वाले ट्रेड का प्रमुख सेंटर हुआ करता था। यहां के प्राचीन पोर्ट्स एक प्रकार से भारत के गेट-वे हुआ करते थे।

उन्होंने कहा कि ओडिशा असाधारण है। ओडिशा नए भारत के आशावाद और मौलिकता का प्रतीक है। ओडिशा में अवसर भी है और यहां के लोगों ने हमेशा आउटपरफॉर्म करने का जुनून दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में ओडिशा की बड़ी भूमिका है। ओडिशावासियों ने 'समृद्ध ओडिशा' के निर्माण का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग मिल रहा है। ओडिशा में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। आज भारत का फोकस है: भारत में शादी। आज भारत का मंत्र है: भारत में हीलिंग। इसके लिए ओडिशा की प्रकृति और यहां की प्राकृतिक सुंदरता बहुत उत्साहवर्धक है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से अंजिला गुप्ता ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार से जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय, जमशेदपुर की कुलपति प्रो० अंजिला गुप्ता ने राज भवन में भेंट की। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी तथा राज्यपाल को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आगामी द्वितीय दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

केशव महतो ने इंदौर में डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

रांची(बिभा) : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आज मध्य प्रदेश के इंदौर में आयोजित जय बापू, जय भीम, जय संविधान अभियान के तहत डॉ. अंबेडकर सम्मान रैली में भाग लिए । इसके पश्चात संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर साहब का जन्मस्थली मध्य प्रदेश के महू में अवस्थित भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। साथ ही वहां की जानकारियों से अवगत हुए। प्रदेश अध्यक्ष के साथ मार्केटिंग बोर्ड अध्यक्ष रविंद्र सिंह, अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान शामिल थे।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ने किया सेल टासरा व चासनाला परियोजना का दौरा

रांची(बिभा) : केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एक .डी. कुमार स्वामी एवं इस्पात एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा ने सेल की टासरा ओपन कास्ट परियोजना एवं चासनाला वाशरी का निरीक्षण किया। इस दौरान सेल के चैयरमेन अमरेंदु प्रकाश भी उनके साथ थे। टासरा परियोजना आगमन पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन एवं सेल के वरीय पदाधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया।

संस्कृत विभाग की दो छात्राओं को मिला प्रो. भगवती प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार

रांची(बिभा) : गणतंत्र दिवस के अवसर पर रांची वीमेंस कॉलेज के संस्कृत विभाग की दो प्रतिभावान छात्राओं को स्वर्गीय डॉ. प्रोफेसर भगवती प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार (2024-2025) प्रदान किया गया. कालेज की प्राचार्या डॉ. सुप्रिया ने श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता की उपस्थिति में यू.जी. सेमेस्टर-6 की छात्रा सोनी कुमारी और पी.जी. की छात्रा कमला देवी को बेस्ट स्टूडेंट्स सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट प्रदान किया? गया। अवार्ड के तहत दोनों छात्राओं को रजत पदक, 2500/- रुपया नगद और सर्टिफिकेट दिया गया, इस अवसर पर प्राचार्या ने कहा कि ऐसे पुरस्कारों से छात्राओं का मनोबल बढ़ता है और वे शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. उषा किरण ने जानकारी देते हुए बताया- विगत दो वर्षों से समाजसेवी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता के प्रयास से यह पुरस्कार संस्कृत-विभाग की टॉपर और बेस्ट स्टूडेंट्स को वित्तीय सहायता और पदक प्रदान किया जाता है। ज्ञातव्य है कि स्वर्गीय डॉ. भगवती प्रसाद रांची वीमेन्स कॉलेज के संस्कृत विभाग की भूतपूर्व विभागाध्यक्ष थी, जिनका स्वर्गवास 2023 में हो गया. उन्हीं की स्मृति में यह पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रोत्साहन के रूप में दिया जाता है।

नाबालिग के साथ ट्यूशन टीचर ने की गंदी हरकत, गया जेल

रांची(बिभा) : राजधानी रांची में एक 14 साल की बच्ची के साथ गलत हरकत करने का इल्जाम उसी के ट्यूशन टीचर पर लगा है। इल्जाम लगाने वाला कोई और नहीं, खुद 14 साल की छात्रा है। कोकर इलाके में रहने वाली छात्रा ने सदर थाना में टीचर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में उसने बताया है कि बीते 27 जनवरी की शाम वह रोज की तरह ट्यूशन के लिए अपने टीचर के घर गयी थी। उसके बैच में करीब 4-5 बच्चे पढ़ते हैं। टीचर ने एक-एक कर बाकी सभी बच्चों को घर भेज दिया। वहीं, छात्रा को रोक लिया। बोला- तुम रुको, तुम्हें मैथ्स पढ़ाना है। इल्जाम है कि पढ़ाने के दौरान छात्रा के साथ टीचर ने गलत हरकत की। वहीं, प्रतिरोध करने पर कहा कि ह्याइट्स ओके, यह सब नॉर्मल है, चलता है। इसके बाद बच्ची अपने घर चली गयी और मां-पापा को सबकुछ बताया। नाबालिग बिटिया के साथ छेड़छाड़ की बात सुन मां-बाप का पारा हाई हो गया। सभी पहुंच गये, ट्यूशन टीचर के घर। उसे जमकर कोसा, खरी-खोटी सुनायी, लप्पड़-थप्पड़ भी हुआ। मां-बाप ने टीचर से पूछा कि उसने बिटिया के साथ ऐसा क्यों किया? तो वह साफ मुकर गया। उसने कहा कि ह्याबच्ची झूट बोल रही है, मैंने ऐसा कुछ नहीं किया।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

ओवर स्पीडिंग पर करें कार्रवाई : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर उत्कर्ष कुमार, पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सुमित कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी उर्वशी पांडेय एवं सड़क सुरक्षा समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा पीपीटी में माध्यम से रांची जिला में वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी दी गई। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि 01.01.2024 से 31.12.2024 तक रांची जिला में कुल 746 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं। जिसमें 550 लोगों की जान गई जबकि गंभीर रूप से 392 लोग घायल हुए और 73 लोगों को हल्की चोटें आईं। उपायुक्त द्वारा किन कारणों से सड़क दुर्घटना हुई इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ओवर स्पीडिंग पर नियमानुसार कार्रवाई करें।

रांची में चार ब्लैक स्पॉट्स

जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बैठक में जानकारी दी गई कि रांची में चार स्थानों पर ब्लैक स्पॉट है। उन्होंने बताया कि खेलगांव, नगड़ी में 1-1 और नामकुम थाना क्षेत्र में 02 ब्लैक स्पॉट हैं, वर्ष 2020, 2021 और 2022 में रांची जिला में कुल 19 स्थानों पर ब्लैक स्पॉट्स थे, जो अब सिर्फ 04 ही रह गए हैं। उपायुक्त द्वारा इस संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया गया।

कार्य पूरा नहीं होने पर उपायुक्त गंभीर, दी चेतावनी

समिति द्वारा सड़क सुरक्षा की पूर्व की बैठक में लिए गये निर्णय की भी आज की बैठक में समीक्षा की गई। उपायुक्त द्वारा समिति के पूर्व के निर्णय पर कार्य पूरा नहीं होने को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को पत्र प्रेषित करने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी को दिया गया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि पदाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि इस तरह की पुनरावृत्ति ना हो।

स्कूल, बस, वैन एवं ऑटो की उचित जांच के निर्देश

बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर उपायुक्त, मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा स्कूल बसों, वैन एवं ऑटो के उचित जांच के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि ओवर स्पीड और ओवरलोडिंग के साथ-साथ वाहनों की स्थिति, दस्तावेज और ड्राइवर के लाइसेंस की प्रॉपर जांच करें। समिति द्वारा इस दिशा में अभिभावकों को जागरूक करने का भी निर्णय लिया गया कि वो अच्छी स्थिति के वाहन और लाइसेंस धारी ड्राइवर के साथ ही अपने बच्चों को स्कूल भेजें।

अवैध पार्किंग पर होगी फौरन कार्रवाई

रांची के प्रमुख चौक-चौराहों, सड़कों एवं स्थानों पर अवैध पार्किंग को लेकर उपायुक्त ने फौरन कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि यातायात व्यवस्था बाधित न हो यह सुनिश्चित करते हुए अवैध पार्किंग पर फौरन कार्रवाई करें। उपायुक्त द्वारा लोगों से भी अपील की गयी है कि सुगम यातायात व्यवस्था बनायें रखने के लिए प्रशासन का सहयोग करें, जहां-तहां पार्किंग न करें।

काठीटांड चौक पर गोल चक्कर बनाने के संबंध में समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि एनएचआई एवं जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा स्थल भ्रमण कर उचित निर्णय लिया जायेगा। बैठक में अन्य बिन्दुओं पर भी समिति द्वारा विचार-विमर्श करते हुए उचित निर्णय लिये गये।

डीजीपी ने एपीके एप्लिकेशन से संबंधित साइबर अपराध रोकने को लेकर की बैठक, दिये निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। एपीके एप्लिकेशन से संबंधित साइबर अपराध रोकने के लिए डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को समीक्षा बैठक की। डीजीपी ने झारखंड पुलिस मुख्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस ऐप से बचने और सुरक्षित रहने के लिए समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जिले के एसपी शामिल हुए। डीजीपी ने बैठक में कई दिशा-निर्देश भी दिये। साथ ही बैठक में अनजाने और धोखाधड़ी वाले एपीके ऐप से संबंधित विभिन्न सुरक्षा नीतियों की व्यापक रूप से समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान मे एसपी जामताड़ा द्वारा साइबर अपराध की रोकथाम से संबंधित पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुती दी गयी। साथ ही बताया गया कि साइबर अपराधी असली ऐप्स की तरह दिखने वाली नकली एपीके फाइल्स में मैलवेयर और वायरस छिपाकर यूजर्स के डिवाइस में इंस्टॉल करवाते हैं जिससे लोगों का निजी डाटा चोरी कर बैंकिंग जानकारी प्राप्त कर डिवाइस को रिमोट कंट्रोल में ले लेते हैं। इससे साइबर अपराधी अपराध करने में सफल हो जाते हैं।

डीजीपी ने जारी किए ये दिशा-निर्देश

-केवल आधिकारिक ऐप स्टोर से ऐप्स डाउनलोड करें।
-अपने फोन में विश्वसनीय एंटी वायरस ऐप इस्टॉल करें।
-अनजान स्रोतों से कोई भी ऐप डाउनलोड न करें।
- सिस्टम को हमेशा अपडेट रखना सुनिश्चित करें।
-सार्वजनिक स्थलों पर ब्लूटूथ और वाई-फाई प्रयोग करने पर विशेष ध्यान दें।
-संदिग्ध कॉल्स/विज्ञापनों/लिंक / गतिविधि/मुफ्त ऑफर आदि को नजरअंदाज करें।
-सिस्टम में ऑटोमैटिक डाउनलोड मोड को बद रखना सुनिश्चित करें।
-साइबर अपराध की रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान में निश्चित रूप से भाग लें।

रांची यूनिवर्सिटी प्लेसमेंट सेल ने पीरामल फाउंडेशन के साथ प्लेसमेंट सत्र शुरू किया

बिभा संवाददाता

रांची: रांची विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल ने पीरामल फाउंडेशन के लिए एक प्री-प्लेसमेंट टॉक की सफलतापूर्वक मेजबानी की, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र के विकास पहल के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध एक प्रसिद्ध संगठन है।

आईएमएस, रांची विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सत्र में सामाजिक कार्य, एमबीए, एमसीए, वाणिज्य और अन्य स्नातकोत्तर कार्यक्रमों सहित विभिन्न विषयों के 120 उत्साही छात्रों ने भाग लिया। पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित किया, जिसमें छात्रों को संगठन के प्रभावशाली कार्यों से परिचित कराया गया और उनके प्रमुख कार्यक्रम, गांधी फैलोशिप के तहत अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

सत्र के दौरान, छात्रों को गांधी फेलोशिप के उद्देश्यों, संरचना और महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों को हल करने के लिए युवा नेताओं को विकसित करने में इसकी परिवर्तनकारी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों ने फेलोशिप की आवेदन प्रक्रिया, कार्य वातावरण और विकास के अवसरों पर स्पष्टता प्रदान करते हुए छात्रों के प्रश्नों का भी समाधान किया।

रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा हमारे छात्रों को पीरामल फाउंडेशन जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सार्थक करियर अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। हमें उम्मीद है कि यह सत्र हमारे छात्रों को चेंजमेकर बनने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

इच्छुक छात्रों को गांधी फेलोशिप के लिए आवेदन करने के लिए आधिकारिक पंजीकरण लिंक प्रदान किया गया है। प्लेसमेंट सेल पूरी आवेदन प्रक्रिया के दौरान उनका मार्गदर्शन और समर्थन करना जारी रखेगा।

रिश्वत लेने के दो दोषियों को तीन-तीन साल का कारावास

रांची। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने रिश्वत लेने के आरोपित सीसीएल रामगढ़ के तत्कालीन अपर डिवीजन क्लर्क दिलीप कुमार और सेवानिवृत क्लर्क सुरेश कुमार को तीन-तीन वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ कोर्ट ने दोनों दोषियों पर 5-5 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि जुमार्ने की राशि नहीं देने पर दोषियों को दो माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सीबीआई की चार्जशीट के मुताबिक दोनों सीसीएल के एक कर्मचारी की एरियर देने की प्रक्रिया पूरी करने के एवज में 2500 रुपये रिश्वत की मांग की थी जिसकी शिकायत सीसीएलए के कर्मचारी विदेशिया घासी ने 21 फरवरी 2019 को की थी। इसकी शिकायत पर सीबीआई टीम ने दूसरे दिन रिश्वत की राशि के साथ गिरफ्तार किया था।

सीएमपीडीआई की सीएसआर पहल के अंतर्गत संस्थापित आरओ सिस्टम के साथ वाटर कूलरों का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची: सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची द्वारा निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत झारखंड के रांची जिले के कांके और बुढ़मू ब्लाक के बोरिया, मक्का, चकमे एवं मूरूपिरी सहित कुल 4 पंचायतों के विद्यालयों, आंगनबाड़ी, सामुदायिक एवं सार्वजनिक स्थलों में यथासंभव प्रयास सम्पूर्ण विकास संस्था के सहयोग से आर0ओ0 सिस्टम के साथ कुल 20 वाटर कूलरों की संस्थापना करवायी गयी। इस सिस्टम के माध्यम से सीएमपीडीआई के कमांड एरिया/परिचालन क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीण और उसके आसपास के स्थानीय समुदायों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में आज बोरिया स्थित बिरसा मध्य विद्यालय में आज वाटर कूलर सिस्टम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। मौके पर सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के महाप्रबंधक सैकत चटर्जी, उप प्रबंधक शैलेश चंद्र, बोरिया के मुखिया सोमा उरांव, यथासंभव प्रयास सम्पूर्ण विकास संस्था के सचिव इंद्रजीत सहित स्थानीय निवासी एवं सामुदायिक हितधारक उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री चटर्जी ने कहा कि अपने कमांड एरिया/परिचालन क्षेत्रों में स्थानीय निवासी एवं समुदायों के लिए सतत विकास, स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार करना सीएमपीडीआई की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। स्थानीय निवासियों ने इस पहल के लिए सीएमपीडीआई के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि इससे स्कूलों के विद्यार्थियों तथा स्थानीय निवासियों दोनों लाभप्रद होंगे।

सेल के वार्षिक खेल का समापन, विजेता पुरस्कृत

बिभा संवाददाता

रांची : रांची में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) इकाई ने अपने बहुप्रतीक्षित मेगा वार्षिक खेल आयोजन का समापन किया, जो सामुदायिक भावना का एक प्रेरक उत्सव था। पिछले पखवाड़े से आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में 78 प्रभावशाली कार्यक्रम हुए, जिसमें कर्मचारियों, उनके जीवनसाथी और बच्चों ने हिस्सा लिया। बाहरी कार्यक्रम समारोह का मुख्य आकर्षण थे, जिसमें दौड़ (100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर), डिस्कस थ्रो, शॉट-पुट, बॉल थ्रो और लोकप्रिय सुई धागा प्रतियोगिता जैसी गतिविधियाँ शामिल थीं, जिसमें सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी शामिल हुए। जोड़ों के लिए विशेष बैलून गेम भी थे। जीवंत और प्रतिस्पर्धी माहौल ने सेल समुदाय के बीच टीम वर्क और खेल भावना को प्रदर्शित किया। पुरस्कार वितरण और समापन समारोह में हमारे सम्मानित मुख्य अतिथि, वेद प्रकाश, ईडी, संजय धर सीजीएम, एमटीआई, एस के गुप्ता सीजीएम, एसपी दास सीजीएम इस कार्यक्रम का समन्वयन और निगरानी सेल रांची इकाई के मुख्य महाप्रबंधक और अध्यक्ष एस जे जाचुक द्वारा की गई तथा पुरस्कार वितरण समारोह के माध्यम से इसके सुचारू क्रियान्वयन और सफलता को सुनिश्चित किया गया। हमारे सम्मानित अतिथि और आयोजन समिति को धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक एवं उपाध्यक्ष संजीव कुमार ने दिया।

खाली पड़े स्कूल बन रहे महिला सशक्तिकरण के केन्द्र

बिभा संवाददाता

रांची : महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, राज्य में खाली सरकारी स्कूल भवन जो कि 2018 से अनुपयोगी पड़े थे उनको सामुदायिक लाभ के लिए पुनः उपयोग में लाया जा रहा है। ऐसे भवनों को एफपीओ और सामुदायिक स्तर की फेडरेशन (सीएलएफ) को सौंपा जा रहा है। रामगढ के दुलमी प्रखंड में ऐसे ही एक भवन को दुलमी महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को सौंपा गया। गौरतलब है कि इस एफपीओ में 500 से अधिक महिलाएं हैं जो इस भवन का प्रयोग स्टोरेज के रूप में कर रही हैं जिससे इनके खेतों से निकले उत्पाद के संरक्षण में मदद मिल रही है ताकि बाद में उसे उचित दाम मिलने पर वो बेच सकें।

तकरीबन साल भर पहले हजारीबाग के कटकमसांडी ब्लॉक में सीग्रांट थॉर्नटन भारतसी की पहल से इस योजना की शुरूवात हुई थी । अब तक ग्रामीण विकास विभाग, खरछढर और शिक्षा विभाग के सहयोग से 45 से अधिक खाली स्कूल भवन , विभिन्न सामुदायिक नेतृत्व वाले संस्थानों को सौंपे गए हैं, जिससे झारखंड के पांच जिलों में 35,000 महिलाओं से अधिक को लाभ पहुंचाया गया है।

सरकारी स्कूल भवन, जो प्राथमिक स्कूलों के विलय के परिणामस्वरूप बेकार हो गए थे, अब महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सामुदायिक आधारित संगठनों की सेवा के रूप में परिवर्तित किए जा रहे हैं। इन सामुदायिक आधारित संगठनों के 70-80% लाभार्थी महिलाएं हैं, जो पहले से अनुत्पादित संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करके उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सहायक है।

राजश्री, ग्रांट थॉर्नटन की सहायक प्रबंधक, ने इस पहल के सकारात्मक परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए कहा, अब तक, हम इन खाली स्कूल भवनों का आवंटन कर 35,000 से अधिक महिलाओं को सशक्त बनाने में सफल रहे हैं। ये भवन अब प्रशिक्षण, बैठकों, भंडारण, प्रसंस्करण इकाइयों, और अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए प्रयोग की जा रही हैं। यह परिवर्तन केवल सामुदायिक कार्यों के लिए आवश्यक स्थान प्रदान नहीं करता, बल्कि यह एक सहकारी वातावरण भी तैयार करता है जो महिलाओं को उद्यमिता गतिविधियों और कौशल-निर्माण के अवसरों की खोज के लिए प्रेरित करता है।

इस कार्यक्रम के विकास को जारी रखते हुए, अगले वर्ष में 100,000 से अधिक लाभार्थियों तक पहुँचने का लक्ष्य है, जिसके लिए राज्य एसआरएलएम और शिक्षा विभाग का समर्थन प्राप्त है। यह पहल सामुदायिक संसाधनों के पुनर्प्रयोजन द्वारा सामाजिक उन्नति की संभावनाओं का प्रतीक है।

खाली पड़े भवन महिलाओं के लिए सशक्तिकरण के रूप में बदल जाएंगे, संभवतः ऐसा किसी ने सोचा भी नहीं था! यह परिवर्तन की कहानी केवल भवनों की नहीं है; यह उन जीवन की कहानी है, जो लाभान्वित हुए हैं, उन अभिलाषाओं की कहानी है, जो जागृत हुई हैं।

हर्षोल्लास के साथ मना गणतंत्र दिवस

रांची: आदित्य प्रकाश जालान टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में श्री कृष्ण चंद्र गांधी शैक्षिक नगर, कुदलुम, राँची में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। झंडोत्तोलन भारत माता पूजन के साथ आरंभ किया गया। मुख्य अतिथि विद्या विकास समिति के सह-सचिव मा. नकुल शर्मा जी ने कहा कि भारत सर्वे सन्तु निरामया की भावना को रखते हुए शिक्षा में क्रिया आधारित शिक्षण को अपनाने पर जोर दिया। कमलेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को अच्छुण रखने के लिए हमें सबकुछ त्याग करने में संकोच नहीं करना चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हरीश पाण्डेय जी द्वारा दिया गया। इस अवसर पर बी.एड. सत्र 2023-25 एवं 2024-26 के विद्यार्थियों द्वारा कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें भाषण, नृत्य, गीत एवं झाँकी सम्मिलित थे। कार्यक्रम में मोहित तिवारी, वागीश दुबे, ओम प्रकाश, प्रमोद कुमार, सुरेंद्र प्रताप, मिनी कुजुर, नीकिता मेहता, विवेक कुमार सहित पूरा महाविद्यालय परिवार उपस्थित था।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री को मिला शिव बारात में शामिल होने का न्योता, देवघर के सदस्यों ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शिवरात्रि महोत्सव समिति, बाबा वैद्यनाथधाम, देवघर के सदस्यों ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को 26 फरवरी को बाबा बाबा मंदिर, देवघर में आयोजित होने वाले शिव बारात में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में शिवरात्रि महोत्सव समिति देवघर के अध्यक्ष अभिषेक आनंद, पंडा धर्मरक्षिणी सभा देवघर के पूर्व महासचिव कार्तिक नाथ ठाकुर, मंत्री अरुणानंद झा, चंद्रशेखर खवाड़े, अपूवानंद झा और धर्मेंद्र सिंह शामिल थे।

मुख्यमंत्री से झारखंड जिमनास्टिक एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने की भेंट

रांची(बिभा) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड जिमनास्टिक एसोसिएशन के खिलाड़ियों ने भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इस वर्ष 10 से 13 जनवरी तक जम्मू में आयोजित राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में झारखंड के जिमनास्टों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक हासिल किए। उन्होंने मुख्यमंत्री को यह भी बताया कि उत्तराखंड में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स के ऐरो डांस इवेंट के लिए झारखंड के पांच खिलाड़ियों की टीम ने क्वालीफाई किया है। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को पदक जीतने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दें। इस मौके पर झारखंड जिमनास्टिक एसोसिएशन के एडमिन सेक्रेटरी श्री दीपक कुमार साहू के साथ जिमनास्ट श्री विकास कुमार गोप, श्री चाहत कुमार केरकेट्टा, सुश्री दीपिका लामा, श्री आयुष, श्री टोनू गोपाल, श्री अमित गोप, श्री अनुराग कुमार, सुश्री हेमा कुमारी तथा सुश्री प्रिया यादव शामिल थीं।

हेमंत सरकार में छात्र अनिश्चितता के शिकार : बाबूलाल मरांडी

रांची(बिभा) : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया। श्री मरांडी ने कहा कि राज्य में सरकार ने 8वीं बोर्ड की होनेवाली परीक्षा को स्थगित कर दिया है।अब 10वीं बोर्ड की परीक्षा पर भी अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे। कहा कि जैक अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण लाखों छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। करीब 21 लाख छात्र, जिनकी मैट्रिक-इंटर और अन्य बोर्ड परीक्षाएं तय समय पर होनी चाहिए थीं, वो जैक अध्यक्ष का पद रिक्त होने की वजह से बाधित हो सकती है। यदि समय पर परीक्षाएं नहीं हुईं, तो छात्रों को अगले शिक्षण सत्र में नामांकन लेने में भी काफी परेशानी होगी। श्री मरांडी ने कहा कि इसी तरह जेपीएससी अध्यक्ष का पद भी पिछले वर्ष अगस्त से रिक्त है, जिससे कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं लंबित हैं। हजारों अभ्यर्थी मानसिक और आर्थिक दबाव में हैं। वर्षों की मेहनत और तैयारी के बावजूद ये अभ्यर्थी अपने भविष्य को लेकर असमंजस में हैं। छात्रहित और रोजगार सृजन किसी भी सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। लेकिन, यह झारखंड का दुर्भाग्य है कि राज्य के छात्रों को ऐसी अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह किया है कि वे छात्रहित में इन रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित करें।

चैंबर ने महाकुंभ स्पेशल अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की मांग की

रांची(बिभा) : प्रयागराज और वाराणसी जानेवाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग के कारण यात्रियों को होनेवाली असुविधा को देखते हुए झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने दक्षिण पूर्व रेलवे से रांची और टाटानगर से अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का परिचालन करने की मांग की। चैंबर भवन में संपन्न हुई एक बैठक में कहा गया कि ट्रेनों में आरक्षित सीट उपलब्ध नहीं होने के कारण यात्रियों को भारी कठिनाई हो रही है। सह सचिव नवजोत अलंग ने कहा कि एक तरफ ट्रेनों में सीट नहीं है दूसरी तरफ फ्लाईट के किराये में बेतहाशा वृद्धि हुई है, जिसका भुगतान करना सामान्य लोगों के लिए आसान नहीं है। डीआरयूसीसी सदस्य संजय अखौरी ने कहा कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुए स्पेशल ट्रेनें जरूर चलाई गईं थीं किंतु वह पर्याप्त नहीं है। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने संयुक्त रूप से कहा कि ट्रेनों की कमी के कारण सडक मार्ग से यात्रियों को किराये के रूप में अधिक खर्च करना पड रहा है। रांची से प्रयागराज और बनारस जानेवाली बसों में भी सीटें नहीं मिल रही हैं जिससे लोग परेशान हैं। यात्रियों की असुविधा को देखते हुए जरूरी है कि महाकुंभ मेला चलने तक रांची और टाटानगर से नियमित रूप से ट्रेनों का परिचालन किया जाय। बैठक में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलंग, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, आस्था किरण, सदस्य अरूण जोशी, राजीव चौधरी समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

रिश्वत लेने का आरोपित दोषी करार, फैसला 31 को

रांची(बिभा)। एसीबी के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की स्पेशल कोर्ट ने जल संसाधन विभाग के तत्कालीन सहायक अभियंता बृज बिहारी सिंह को रिश्वत लेने के जुर्म में दोषी करार दिया है। अदालत ने फैसले की तिथि 31 जनवरी निर्धारित की है। फिलहाल दोषी करार देने के बाद सहायक अभियंता को जेल भेज दिया गया है। सहायक सहायक अभियंता बृज बिहारी सिंह को एसीबी की टीम ने 15 हजार रुपये रिश्वत लेते 24 जुलाई 2014 को गिरफ्तार किया था। एसीबी के मुताबिक यह रिश्वत वह चेक डैम के निर्माण का बकाया राशि का आवंटन के लिए ठेकेदार कालेश्वर महतो से ले रहे थे। बृज बिहारी ने ठेकेदार से 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। इसके बाद दोनों के बीच 15 हजार रुपये में सौदा तय हुआ था। एसीबी ने बृज बिहारी को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा था।

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग मंत्री ने शिक्षा कैलेंडर जारी किया

शिक्षा व स्वास्थ्य के स्तर में गुणात्मक सुधार लाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : चमरा लिंडा

बिभा संवाददाता

रांची : अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में गुणात्मक सुधार हेतु प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। मंत्री चमरा लिंडा आज मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्प्लेक्स पहुंचकर आदिवासी कल्याण राज्य अन्तर्गत एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में नामांकन तथा विद्यार्थियों के अध्ययन से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। मंत्री चमरा लिंडा ने आदिवासी कल्याण आयुक्त को निर्देश दिया कि 1 मई 2025 से राज्य में कुल 59 एकलव्य मॉडल विद्यालयों में वर्ग 6 से 8 तक के जनजातीय बच्चों का नामांकन कार्य पूर्ण करते हुए अध्यापन कार्य सुनिश्चित करें।

मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि पूर्व में राज्य के भीतर मात्र 7 एकलव्य मॉडल विद्यालय ही संचालित थे, जिसमें पूरे राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का नामांकन किया जाता था, ऐसी व्यवस्था से हजारों की संख्या में जनजातीय वर्ग के बच्चे शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते थे। मंत्री चमरा लिंडा ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी एकलव्य मॉडल एवं आश्रम विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के तर्ज पर संचालित किया जाना सुनिश्चित करें। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय बच्चे-बच्चियों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता से कार्य कर रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाना सरकार का लक्ष्य है।

मंत्री चमरा लिंडा ने पूर्व के नामांकित छात्र-छात्राओं जो अपने गृह जिला से दूर के विद्यालय में अध्ययनरत हैं, (वर्ग-09 एवं 10 को छोड़कर) को उनके गृह जिला के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में स्थानांतरित करने का विकल्प देने का निर्देश दिए हैं। मंत्री चमरा लिंडा ने यह विकल्प 15 से 25 फरवरी 2025 तक प्राप्त कर लिया जाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने विकल्प के आधार पर उत्पन्न होने वाली रिक्तियों का समायोजन कक्षावार अप्रैल, 2025 हेतु नामांकन के क्रम में पूर कर लिए जाने का निर्देश दिया है।

बैठक में ये निर्देश भी दिए गए

1. नामांकन की प्रक्रिया शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नामांकन की प्रक्रिया की पूर्ण जिम्मेवारी सभी प्रमण्डलीय उप-निदेशक, कल्याण, झारखण्ड की होगी।
2. चयन प्रक्रिया सभी चयनित छात्र/छात्रा यथा सम्भव प्राथमिकता के आधार पर अपने प्रखण्ड, जिला तत्पश्चात मूल / निकटवर्ती जिलों के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में नामांकित किए जाए।
3. वैसे जिले जो एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय से आच्छादित नहीं हैं वहाँ के चयनित छात्र/छात्रा निकटतम जिला के (विद्यार्थियों के इच्छा के अनुकुल) एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में नामांकन ले सकेंगे। सभी चयनित विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में Preference के अनुसार नामांकन किया जाए।
4. सभी एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएँ अविलम्ब सुनिश्चित कराई जाए। New EMRS Scheme द्वारा निर्मित विद्यालयों में आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु सम्बंधित निर्माण एजेंसियों से सम्पर्क करते हुए उन विद्यालयों के निर्माण कार्य पूर्ण होने की स्पष्ट तिथि प्राप्त की गई ।

मुख्यमंत्री पशुधन योजना का 80 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें अधिकारी : शिल्पी नेहा

बिभा संवाददाता

रांची : कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मुख्यमंत्री पशुधन योजना की सुस्ती पर नाराजगी जाहिर की है . रांची के हेसाग स्थित पशुपालन भवन में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों को 20 फरवरी तक लक्ष्य का 80 प्रतिशत पशु वितरण का निर्देश दिया है . ये आंकड़ा जिला स्तर पर हर हाल में हासिल करने को कहा गया है . पशुपालन विभाग के निदेशालय के साथ समीक्षा बैठक के क्रम में मुख्यमंत्री पशुधन योजना के जिलावार रिपोर्ट से विभागीय मंत्री असंतुष्ट दिखी . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि समय पर लाभुकों का चयन और सूची तैयार नहीं होने से विभाग अपने तय लक्ष्य को हासिल नहीं कर पा रही है . इसके लिए जरूरी है कि समय सीमा के अंदर योग्य लाभुक का चयन प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए .मुख्यमंत्री पशुधन योजना में त्रुटियों को समय रहते दूर करने पर भी चर्चा की गई है . इसके लिए राज्यादेश में सुधार किया जाएगा . ताकि लाभुकों को पशुधन योजना का लाभ देने को कोई अड़चन पैदा ना हो . इसके साथ ही पशुपालन विभाग के द्वारा संचालित फार्म्स के अगले 5 साल के विजन डॉक्यूमेंट्स की को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के समक्ष रखा गया .

उपायुक्त से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने मुलाकात की। समिति द्वारा कांटाटोली से सिरम टोली कनेक्टिंग फ्लाईओवर निर्माण लिए भूमि अधिग्रहण से केंद्रीय सरना स्थल पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई।

उपायुक्त, रांची श्री मंजूनाथ भजंत्री द्वारा समिति के अध्यक्ष श्री अजय तिर्की एवं अन्य सदस्यों को आश्वश्त किया गया कि पूरा मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में है, एवं अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि इस मामले को लेकर स्थानीय समन्वय समिति का गठन कर दिया गया है। उन्होंने तत्काल अपने कक्ष में समिति से संबंधित पदाधिकारियों को बुलाकर स्थल भ्रमण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त के निर्देश के बाद समिति द्वारा सिरमटोली स्थित केंद्रीय सरना स्थल का निरीक्षण भी किया गया।

उपायुक्त ने केंद्रीय सरना समिति से अपील की गई कि वो किसी के बहकावे में ना आएं, जिला प्रशासन द्वारा इस पूरे मामले में उचित समाधान निकाला जाएगा ताकि केंद्रीय सरना स्थल का अस्तित्व एवं धार्मिक पहचान किसी भी तरीके से प्रभावित न हो।

सीएमपीडीआई में कार्यशाला-सह-आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांचीः सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक तथा नराकास रांची के अध्यक्ष मनोज कुमार की अध्यक्षता में एवं निदेशक शंकर नागाचारी, एचपीसीएल के मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक-रांची, कपिल कुमार राय की उपस्थिति में एचपीसीएल, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रांची के सदस्य कार्यालयों के लिए कार्यशाला-सह-आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीसीएल, मेकन, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, भारतीय खाद्य निगम, एमएसटीसी, एनपीपीसीसी, रेलटेल, पावर ग्रिड सहित विभिन्न उपक्रमों से 44 अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मनोज कुमार ने सभी को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया और प्रतिभागियों को प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए शुभकामनाएं दीं।

सर्वप्रथम आयोजक कार्यालय के रूप में मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक-रांची, कपिल कुमार राय ने सभी का स्वागत किया और नराकास सदस्य सचिव रास विहारी ने कार्यक्रम की भूमिका के बारे में सभी को अवगत कराया।

प्रथम पुरस्कार सीसीएल के ज्ञानेन्दु चौबे , द्वितीय पुरस्कार भारतीय खाद्य निगम की पूजा गुप्ता एवं तृतीय पुरस्कार एमएसटीसी के शाखा प्रबंधक मयूरी डिमरी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में एचपीसीएल की ओर से प्रबंधक-रांची जगदीप मुर्मु ने एचपीसीएल-एक परिचय विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और एचपीसीएल के व्यावसायिक तथा राजभाषा संबंधी गतिविधियों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। तत्पश्चात प्रतियोगिता का आरंभ किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में नराकास सदस्य सचिव रास विहारी और उप प्रबंधक अभय मिश्र ने सभी का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम का संचालन एचपीसीएल के प्रबंधक अतनु चट्टोपाध्याय ने किया।

राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति 62 वर्ष करने की मांग

बिभा संवाददाता

रांची : नेपाल हाउस सचिवालय परिसर में सचिवालय सेवा संघ, झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ, झारखंड वित्त सेवा संघ, अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक हुई ।बैठक में हेमंत सोरेन सरकार द्वारा किए गए कर्मचारी हित एवं राज्यहित के कार्यों की सराहना करते हुए स्वागत किया गया और एक स्वर से एकजुट और एकताबद्ध होकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड सरकार से राज्य कर्मियों (सरकारी कर्मियों) की सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष करने की मांग की गई एवं कर्मचारी संघ/महासंघ के नेताओं ने झारखंड सरकार से गुहार लगाते हुए कहा कि रोज-रोज हो रहे राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति और राज्य में सरकारी कर्मियों की कमी को देखते हुए प्राथमिकता के आधार पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए सेवानिवृत्ति की उम्र सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाए। हम सभी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड सरकार से अपार आशाएं और विश्वास है कि वे हमारी मांगों को पूरा करेंगे। आज की इस संयुक्त बैठक में सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद, महासचिव सिद्धार्थ शंकर बेसरा, उपाध्यक्ष विनय कुमार बरनवाल, अमित कुमार झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर, महासचिव साहेब राम भोक्ता, उपाध्यक्ष मृत्युंजय झा, राज्य सचिव रामसेवक महतो, जयराम प्रसाद झारखंड वित्त सेवा संघ के अध्यक्ष रतन कुमार, महासचिव आमोद कुमार अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनूप केसरी, महासचिव राम मूर्ति ठाकुर एवं अब्दुल्ला, संतोष कुमार, सलीन साहाय तिग्गा, संजय कंडुलना एवं बालेश्वर पासवान उपस्थित थे।

अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर रोक सुनिश्चित करें : उपायुक्त

433 अभियुक्तों के विरुद्ध 120 एफआईआर, 84.45 लाख का वसूला गया जुमार्ना

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में अवैध खनन के रोकथाम हेतु जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री सुमित कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर श्री उत्कर्ष कुमार, जिला खनन पदाधिकारी एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु की गई कार्रवाई की समीक्षा की गयी। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि रांची जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिनांक 27.01.2025 तक अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण को लेकर विभिन्न थानों में 433 अभियुक्तों के विरुद्ध कुल 120 प्राथमिकी दर्ज की गई है, साथ ही 84.45 लाख का जुमार्ना भी वसूला गया है। डीएमओ ने बताया कि अवैध उत्खनन में प्रयुक्त 421 वाहनों को भी जब्त किया गया और 122 के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा बालू खनिज के अवैध खनन, भण्डारण, परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने संबंधित अंचलाधिकारियों को अपने क्षेत्र के थाना प्रभारी के सहयोग से अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर रोक लगाने को कहा। पुलिस उपाधीक्षक (ग्रामीण) श्री सुमित कुमार ने सभी सीओ से कहा कि कार्रवाई हेतु पुलिस बल की आवश्यकता हो तो ससमय जानकारी दें।

हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे और ओलंपियन निक्की प्रधान को हरमू में जमीन देगी सरकार

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य सरकार भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान और ओलंपियन सलीमा टेटे, और ओलंपियन निक्की प्रधान को हरमू में भूखंड आवंटित करने जा रही है। बुधवार को प्रोजेक्ट भवन के एनेक्सी भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन दोनों खिलाड़ियों को भूखंड के कागजात सौंपेंगे। इस मौके पर राज्य सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

इस मौके पर खेल मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने सोमवार को विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम के आयोजन पर दिशा-निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, झारखंड राज्य आवास बोर्ड ने 14 अगस्त 2024 को अपनी 74वीं बैठक में यह फैसला लिया था कि सलीमा टेटे और निक्की प्रधान को 3750 वर्ग फीट जमीन आवंटित की जाएगी। सलीमा टेटे को प्लॉट संख्या 10 बी और निक्की प्रधान को प्लॉट संख्या 10 ए आवंटित किया जाएगा।

कार्यक्रम में दोनों खिलाड़ियों के परिजन और प्रशिक्षकों को भी सम्मानित करने की योजना है। इसके लिए खेल निदेशालय के अधिकारी अपनी तैयारी में जुट गए हैं। सलीमा के पहले कोच को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति बनी हुई है। हॉकी झारखंड से जुड़े एक पदाधिकारी ने सलीमा के पहले कोच होने का दावा किया है, जबकि हॉकी झारखंड ने 5 सितंबर 2021 को आयोजित अपनी एजीएम के दौरान एक प्रशिक्षक को सलीमा टेटे का पहला कोच बताते हुए पुरस्कृत किया था।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने ओल चिकि लिपि के समर्थन में की बैठक, उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

बिभा संवाददाता

बोकारो। आदिवासी सेंगेल अभियान की ओर से जरीडीह प्रखंड के खुटरी पंचायत ठाकुरटांड़ (रंगाघुटू) में गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर में एक बैठक हुआ। इस बैठक का मुख्य मुद्दा 20-21 जनवरी 2025 को झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, रांची में भारतीय भाषा समिति द्वारा उच्च शिक्षा के संदर्भ में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के शिक्षक शामिल हुए थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षा के सभी विषयों की पुस्तकों को संताली भाषा में अनुवादित और प्रकाशित करना था। इस कार्यशाला में सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका से प्रतिभागी के रुप में स्नातकोत्तर संताली विभाग अध्यक्ष डॉ. सुशील टुडू, डॉ शार्मिला सोरेन, डॉ सुमित्रा हेम्ब्रम, डॉ अंजुला मुर्मू, निर्मल मुर्मू, डॉ स्वपन मुर्मू , डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी रांची के असिस्टेंट प्रोफेसर संतोष मुर्मू, रांची विश्वविद्यालय रांची के संताली विभाग अध्यक्ष डॉ प्रेम मुर्मू और मनोज मुर्मू थे। इन सभी ने ओल चिकि को लेकर विरोध जताया। इन लोगों ने संताली भाषा के लिए ओल चिकि लिपि को अव्यावहारिक बताया और कहा कि यह लिपि ओड़िया भाषा की विकृत संताली बोली पर आधारित है और इससे संताली भाषा की शुद्धता एवं मानक रुप नष्ट हो सकता है। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों ने देवनागरी लिपि में संताली पुस्तकें प्रकाशित करने का ज्ञापन नोडल प्रतिनिधि को सौंपा जिससे संताल के लोग ख़ासा नाराज हुए है और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य हैं।

इस बैठक के मुख्य वक्ता आदिवासी सेंगेल अभियान के बोकारो जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुमका कालेज के शिक्षकों द्वारा ओल चिकि का विरोध समझ से परे है। प्रत्येक भाषा को अपनी अपनी लिपि में लिखा और पढ़ा जाता है,तो फिर ओल चिकि का विरोध क्यों? उन्होंने आगे कहा कि दूमका कालेज के अधिकांश शिक्षक ईसाई धर्म से संबंधित हैं। चूंकि,वे ईसाई संस्कृति का पालन करते हैं इसलिए ओल चिकि का अनर्गल विरोध करते हैं।ओल चिकि लिपि में संताली समाज-संस्कृति एवं साहित्य के दर्शन को बढ़ावा देता है इसलिए ईसाई धर्मांतरित संतालों व प्रोफेसरों को पेट में दर्द होता है।

सेंगेल के झारखंड प्रदेश संयोजक करमचंद हांसदा ने कहा कि ओलचिकी लिपि को आदिवासी समाज की पहचान है ओर गौरव बताते हुए इसे लिपियों में श्रेष्ठ और आदिवासी समाज के लिए अनिवार्य है। उन्होंने ने कहा कि क्लास एक से पीजी तक के सभी पाठ्य-पुस्तकों ओल चिकि लिपि प्रकाशित किया जाना चाहिए। हेमंत सोरेन सरकार अविलंब संताली को झारखंड में प्रथम राजभाषा लागू करना चाहिए अगर झारखंड सरकार ऐसा नहीं करती है तो पूरे झारखंड और झारखंड से बाहर दूसरे राज्य के आदिवासी संताल समाज ओल चिकि समर्थक और संताली भाषा के आत्मसम्मान बचाने के लिए ज़रुरत पड़े तो उग्र आंदोलन से पीछे नहीं हटेगा।

इस बैठक में सेंगेल झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन, जिला संयोजक गोपीनाथ मुर्मू, भीम मुर्मू, पेटरवार प्रखण्ड सेंगेल बी डी ओ विजय मार्डी, सरवन मार्डी आदि लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

जदयू जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रियों का स्वागत

बोकारो/बिभा संवाददाता। जनता दल (यूनाइटेड) बोकारो जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में बोकारो निवास में केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा और हमारे धनबाद के लोकप्रिय सांसद ढुलू महतो को पुष्पगुछ और सोल देकर स्वागत किया जिसमे जिला उपाध्यक्ष राजा पांडे शशिभूषण जिला कार्यसमिति सदस्य विजय सिंह तोमर कृष्णा कुमार रजवार जितेन्द्र कुमार चण्डी कुमार प्रजापति बोकारो इस्पात संयंत्र एवं यहाँ के विस्थापितों आश्रित कर्मचारियों अप्रेंटिसशिप विस्थापित भाइयों नगर वासियों झुग्गी झोपड़ी में निवास करने वाले सभी भाइयों फुटपाट दुकानदार भाइयों के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया उन्होंने आश्वासन दीया है कि उचित कार्रवाई की जाएगी।

शहीद निर्मल महतो स्मारक समिति की बैठक, कमिटी का हुआ गठन

बोकारो/बिभा संवाददाता। शहीद निर्मल महतो स्मारक समिति अलकुशा की बैठक निर्मल महतो चौक के समीप अरुण कुमार महतो की अध्यक्षता में हुआ, संचालन जगन्नाथ राजवार ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से कमिटी का गठन किया गया। अध्यक्ष ज्योतिलाल महतो, सचिव इस्लाम अंसारी, कोषाध्यक्ष अजय कुमार महतो को चुनाव किया गया।कार्यकारिणी सदस्य राम चरण महतो, आनन्द कुमार महतो, मनोज कुमार दास, मनोज कुमार महतो, जय प्रकाश महतो, युधिष्ठिर हाजरा, परवेज अंसारी, अरुण महतो, बहादुर महतो, कालु साईं, समाजसेवी जगन्नाथ रजवार, राधेश्याम सिंह सहित इक्कीस सदस्यीय कमेटी गठन किया गया। मौके पर गौरा चांद महतो, समाजसेवी सनाउल्ला अंसारी, नईम साईं, प्रदीप कुमार दास, रजाउल अंसारी, शब्बीर हुसैन, परशुराम महतो, दिनेश कुमार महतो, भागीरथ महतो अर्जुन महतो, करीम शाह, प्रदीप महतो आदि ग्रामीण मौजूद थे।

उपायुक्त से ग्रामीणों ने चयनित स्थल पर बोरिंग नहीं करने का किया शिकायत

बोकारो/बिभा संवाददाता। चास प्रखण्ड पंचायत बेलुंजा के गाँव पैलाडीह के ग्रामीणों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त कर पीएचडी ठीकेदार व जेई की मनमानी के विरोध में उपायुक्त बोकारो को लिखित आवेदन देकर करवाई करने का शिकायत किया है। ग्रामीणों ने आवेदन पर शिकायत किया है कि पैलाडीह गाँव दास टोला में पेयजल की समस्या को देखते हुए एक चापानल बोरिंग करने की स्वीकृति किया गया था। ठीकेदार व पीएचडी जेई की मनमानी से दास टोला में चयनित स्थल पर बोरिंग नहीं कर चयनित स्थल से एक किलो मीटर की दूरी पर जबरन चापानल की बोरिंग कर दिया। ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के विरोध के बाद भी जेई एवं ठीकेदार ने दलालो के सांठगांठ से अन्यत्र चापानल का बोरिंग कर दिया। जिससे दास टोला में घोर पेयजल की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने उपायुक्त से ठीकेदार व जेई पर जांच कर करवाई करने की मांग किया है। ग्रामीण दुर्गा प्रसाद दास, संजय कुमार दास, चंदन कुमार दास ,रामदास ,रंगीला देवी, बेला कुमारी ,कुमारी गौरी देवी मिथुन दास नेहा, बीणा देवी,कुमारी नेहा कुमारी काजल कुमारी ,काजल देवी ,शामली देवी ,शामली दीपा कुमारी , आनंद कुमार दास, सोनू देवी, सोनू मधु कुमारी ,अर्जुन दास, भरत दास ,करण कुमार दास, मंसाराम दास ,पवन दास,कल्पना दिव्या , अभिजीत कुमार ,राजेश चंद्र दास , चंपा देवी, प्रेम कुमार दास, सहित आदि ग्रामीणों शामिल हैं। इधर पंचायत मुखिया भारो देवी एंव पुर्व मुखिया सुधांशु रजवार ने कहा कि पैलाडीह दास टोला मे चयनित स्थल पर ही चापानल की बोरिंग होना चाहिए था। यदि चयनित स्थल पर दास टोला में चापानल की बोरिंग नहीं किया गया है तो संबधित ठीकेदार व जेई पर जांचकर करवाई किया जाय। तथा दास टोला मे ही चापानल बोरिंग दिया जाय।

अंबेडकर भवन से एससी एसटी समुदाय की होगी सांस्कृति का विकासः शम्भु कुमार

बोकारो/बिभा संवाददाता। बीएसएल के दौरे पर आये भारत सरकार के माननीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री माननीय एच डी कुमारस्वामी, इस्पात राज्यमंत्री माननीय भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा एवं सेल अध्यक्ष अमरेंदू प्रकाश से बोकारो निवास में सेल एससी एवं एसटी इम्प्लाइज फेडरेशन बोकारो यूनिट का प्रतिनिधिमंडल ने शम्भु कुमार अध्यक्ष बोकारो यूनिट सह सदस्य केन्द्रीय कमिटी के नेतृत्व में मिलकर बोकारो आगमन पर बैठक किया। शम्भु कुमार ने इस्पात मंत्री से कहा कि बोकारो स्टील सिटी में बीएसएल का बहुत विद्यालय बंद पड़ा हुआ है और बीएसएल प्रबंधन उन विद्यालयो का कोई उपयोग नहीं कर रही और बीएसएल प्रबंधन भविष्य में भी उन विद्यालयो का कोई उपयोग नहीं करने वाली है। ये सभी विद्यालयो में असामाजिक तत्वों का आना जाना है और वहाँ अनैतिक कार्य होते हैं इसलिए उन बंद पड़े विद्यालयो में से अगर कोई एक फेडरेशन को अम्बेडकर भवन हेतु आबंटित कर दिया जाता है तो एससी एसटी समुदाय के कार्मचारी उसे सांस्कृति कार्यक्रम हेतू उपयोग करेगी जिससे एससी एसटी समुदाय का सांस्कृति का विकास होगा।

सीबीएसई साइंस चैलेंज में डीपीएस बोकारो का आरुष झारखंड में अव्वल

बिभा संवाददाता

बोकारो। विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा, जागरुकता एवं वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की ओर से आयोजित सीबीएसई साइंस चैलेंज 2024-25 में डीपीएस बोकारो की दसवीं कक्षा के छात्र आरुष रंजन ने पूरे झारखंड में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। 10वीं कक्षा की कैटेगरी में आरुष पूरे झारखंड से इस चैलेंज को क्वालीफाई करने वाला एकमात्र विद्यार्थी है। विज्ञान, पर्यावरण एवं सस्टेनेबिलिटी विषयवस्तु पर आधारित इस चैलेंज में देश के अलग-अलग प्रांतों से सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इनमें आरुष ने उच्चस्तरीय प्रदर्शन के साथ सफलता पाकर अपने विद्यालय व शहर के साथ-साथ पूरे राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई प्रत्येक वर्ष कक्षा 8 से 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए यह प्रतियोगिता अंतः विद्यालय एवं अंतर विद्यालय स्तर पर दो चरणों में आयोजित करता है। सीबीएसई साइंस चैलेंज में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान के चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे जाते हैं। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने आरुष की कामयाबी को विद्यालय के साथ-साथ पूरे राज्य के लिए उपलब्धि बताते हुए उसे बधाई दी। साथ ही, उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। मंगलवार को विद्यालय में आयोजित एक विशेष प्रार्थना सभा में आरुष को सम्मानित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि उसकी यह गौरवपूर्ण सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

उल्लेखनीय है कि आरुष ने हाल ही में विज्ञान के क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी प्रतियोगिता विद्यार्थी विज्ञान मंथन (वीवीएम) में भी पूरे झारखंड में पहला स्थान प्राप्त किया है। आगामी मई, 2025 में होने वाली विद्यार्थी विज्ञान मंथन की राष्ट्रीय परीक्षा के लिए वह क्वालीफाई कर चुका है। इसके अलावा, रीजनल मैथमेटिकल ओलंपियाड (आरएमओ) में भी उसने शानदार सफलता पाई।

एक निजी बीमा कंपनी में अधिकारी निरंजन कुमार एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) की कर्मी आरती रंजन के होनहार पुत्र आरुष को खगोलीय भौतिकी में काफी रुचि है। वह आगे चलकर इसी क्षेत्र में शोध कर एक खगोलीय वैज्ञानिक बनना चाहता है। एक बातचीत में उसने कहा कि अगर उसे मौका मिला तो वह इसरो और नासा जैसे संस्थानों में जाकर ब्रह्मांड के रहस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करेगा।

पुलिसकर्मियों ने दिखाया उत्साह, वालीबॉल मैच का हुआ आयोजन

बोकारो। 76वी० गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुकेश कुमार (भा०पु० से०) समादेष्टा, एस० आई०एस०एफ०- सह-झा०स०पु०-4, बोकारो द्वारा अमर शहीदो को नमन करते हुए परेड ग्राउण्ड में झंडोत्तोलन कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी साथ ही पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अफीम की खेती को रोकने हेत ु उपस्थित आम जनो एवं कर्मियों को शपथ दिलाया गया। वाहिनी के उत्कृष्ट पुलिस पदाधिकारी ,कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं रा०औ० सु०बल और झा०स०पु०-4 बोकारो के पुलिस पदाधिकारी कर्मियों का मैत्री वालीबॉल मैच का आयोजन किया गया जिसमे विजेता ,उप-विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर डी एसपी श पतरस बरवा, डी एसपी राजवल्लभ पासवान, झा०स०पु०-4/एस० आई०एस०एफ० पुलिस एसो० के सभी पदाधिकारी, पुलिस मेन्स एसो० के सभी पदाधिकारी, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के सभी पदाधिकारीगण के साथ-साथ झा०स०पु०-4, बोकारो एवं राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के सभी पुलिस पदाधिकारी / कर्मी, आस-पास के ग्रामीण एवं लगभग 500 की संख्या में स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे-बच्चियाँ उपस्थित रहे।

बोकारो चैंबर ने इस्पात मंत्री को सौंपा ज्ञापन, रखी कई मांगें

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमार स्वामी एवं राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा से बोकारो निवास में मिला।

चेंबर अध्यक्ष मनोज चौधरी ने एक ज्ञापन केंद्रीय मंत्री को सौंपते हुए मांग की कि बोकारो इस्पात संयंत्र की उत्पादन क्षमता 10 मिलियन टन तक बढ़वाई जाए। मनोज चौधरी ने बियाडा स्थिति इकाइयों के संरक्षण का भी आग्रह इस्पात मंत्री से किया। बियाडा स्थित इकाइयों को कार्यादेश में प्राथमिकता, ट्रायल ऑर्डर, बियाडा की इकाईयों के लिए टेस्टिंग लैब विकसित करने, डिलीवरी में देरी होने पर 1 महीने की छूट, आयात विकल्प वस्तुओं के लिए बियाडा की इकाइयों को ट्रायल आर्डर दिए जाने की मांग रखी।

चेंबर के संरक्षक संजय बैद ने केन्द्रीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा की बोकारो इस्पात प्रबंधन वाणिज्यिक एवं आवासीय भूखंड के लीज नविनीकरण के लिए राशि 100 गुना तक बढ़ा दी है जो अव्यावहारिक है, इसे व्यवहारिक बनाने की मांग की। इसके अलावा नये आवासीय एवं व्यवसायिक भूखंड आवंटित करने, बोकारो में उच्च शिक्षा हेतु अभियंत्रण महाविद्यालय, इस्पात आधारित उद्योग बोकारो में लगवाने, आवंटित भूखंडों पर प्रतिबंधित व्यापार से प्रतिबंध हटाने आदि की भी मांग रखी गई।

संजय बैद ने केंद्र सरकार द्वारा 2020 में घोषित अमृतसर से कोलकाता के बीच औद्योगिक क्लस्टर को बोकारो में स्थापित करने हेतु सकारात्मक पहल करने की भी मांग की। बैद ने कहा कि इन सुझावों पर अमल करने से बोकारो का औद्योगिक विकास हो सकेगा। इसके पूर्व नरेंद्र सिंह ने एक पौधा भेंट करके केंद्रीय मंत्री का अभिनंदन किया। भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने चेंबर के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वे इन विषयों पर जरूर सकारात्मक पहल करेंगे। इस अवसर पर धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो भी उपस्थित थे।

2 एकड़ में लगे अफीम की खेती को पुलिस-प्रशासन ने किया नष्ट

चतरा। प्रशासन की टीम ने अफीम माफियाओं के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। अफीम की खेती को लेकर मिली गुप्त सूचना के आधार पर सीओ विजय दास के नेतृत्व में गठित पुलिस-प्रशासन और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार शाम कार्रवाई करते हुए टंडवा के धनगडा पंचायत के बांगागढ़ा के जंगली इलाके में करीब दो एकड़ जमीन पर लगे अफीम की फसल को लाठी-डंडे से पीटकर नष्ट कर दिया है। मामले को लेकर थाना प्रभारी उमेश राम ने बताया कि पुलिस-प्रशासन के जरिये अफीम की खेती को लेकर जारी सख्ती और लगातार चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के बावजूद कुछ लोगों के जरिये अफीम की खेती की गई थी। जिसे टीम के द्वारा नष्ट किया गया है। इस अभियान में टंडवा थाना के सशस्त्र बल के आलावे वन विभाग की टीम शामिल थी।

बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने इस्पात मंत्री से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

बोकारो। इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा बोकारो इस्पात संयंत्र के दो दिवसीय दौरे के लिए पहुँचे है। इसी क्रम में बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की ओर से सेल कर्मियों का प्रतिनिधित्व करते हुए महासचिव दिलीप कुमार ने उनसे मुलाकात की और सेलकर्मियो के ज्वलंत मुद्दों को लेकर माननीय मंत्रियों को अवगत कराया। गौरतलब है कि नियोजन की मांग को लेकर बीएसएल कर्मी एम एन रजवार(विभाग-rmhp) एवं शिव चरण मांझी(विभाग-ट्रैफिक) का पार्थिव शरीर विगत 10 दिनों से बीजीएच के शवगृह में है किंतु कंपनी के क्लिष्ट नियमो का हवाला देकर अभी तक प्रबंधन द्वारा उनके आश्रितों के नियोजन लेकर कोई सकारात्मक कदम नही उठाया गया है। उनकी आवाज़ उठाते हुए महासचिव दिलीप कुमार ने माननीय मंत्रियों को इस संबंध में अवगत कराया। मंत्री महोदय ने भी मामले की गंभीरता को समझा और इस ओर कुछ ठोस कदम उठाने के संकेत दिए। वही यूनियन द्वारा कर्मियों के समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र भी सौंपा जिसमे आश्रित कर्मियों के जन्मतिथि का मुद्दा,आश्रित कर्मचारियों के प्रशिक्षण अवधि को सेवा काल में जोड़ना इसमें हजार से ज्यादा कर्मचारी प्रभावित हैं। साथ ही वेज रिवीजन के एरियर, बीएसएल में रेकग्नाइज्ड यूनियन के चुनाव एवं कमिटी कौंसिल के गठन का मुद्दा शामिल था। यूनियन के द्वारा क्वार्टर एलॉटमेंट से संबंधित परेशानियों को उठाया गया। अधिकारियों के समरूप छुट्टियों की संख्या में वृद्धि का मामला भी संज्ञान में लाया गया।

केंद्रीय इस्पात मंत्री ने सेवानिवृत्ति कर्मियों की समस्या हल करने का दिया आश्वासन : रणधीर

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय इस्पात मंत्री से राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री रणधीर सिंह ने बोकारो की सेवा निवृत्ति कर्मियों एवं आवास लाइसेंस धारी तथा फुटपाथ दुकानदारों की समस्या से अवगत कराया तथा मांग पत्र भी दिया श्री सिंह ने केंद्रीय इस्पात मंत्री ब सेल अध्यक्ष को बताया कि बोकारो प्रबंधन सेवानिवृत कर्मियों के साथ अन्याय कर रही है वर्ष 2003 में आवास लीजिंग योजना के समाप्त होने के बाद बोकारो प्रबंधन ने रिटेंशन पॉलिसी के तहत सेवा निवृत्ति कर्मियों की पूरी ग्रेच्युटी की राशि रख ली और मोटा पैनल रेंट काटकर उनके समक्ष आर्थिक तंगी खड़ा कर दिया वर्ष 2010 में बोकारो प्रबंधन ने आवास लाइसेंस योजना के तहत सेवानिवृत्त कर्मियों 120000 से लेकर 200000 तक अग्रिम राशि ली तथा आवास का किराया निर्धारित 220 किया था लेकिन धीरे-धीरे बोकारो प्रबंधन सेवानिवृत्त कर्मियों का आर्थिक दोहन करते हुए प्रत्येक 11 माह में 10% किराए में बढ़ोतरी करना प्रारंभ कर दिया सेवानिवृत्त कर्मियों के पास आर्थिक तंगी होने के कारण प्रत्येक 33 माह में आवास रेनवाल एवं बिजली बिल जमा करना कठिन हो रहा है बोकारो प्रबंधन उनके साथ मार्मिक व्यवहार करने की बजाय उनका दोहन कर रही है कई आवास लाइसेंस धारी की बिजली बोकारो प्रबंधन ने काट दिया वहीं हजारों आवास में रहने वाले अवैध लोगों के साथ बोकारो प्रबंधन के कुछ अधिकारी साथ गांठ कर मोटी रकम किराया के रूप में वसूल रही है श्री सिंह ने बताया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय ने बोकारो प्रबंधन को आदेश दिया था की ग्रेच्युटी की राशि पर सेवानिवृत्त कर्मियों को 6% ब्याज दिया जाए तथा नॉर्मल रेंट काटकर पैसा वापस कर दिया जाए लेकिन बोकारो प्रबंधन ने अभी तक सेवा निवृत्ति कर्मियों की ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान नहीं किया श्री सिंह ने कहा कि सेवा निर्मित कर्मियों की मांग है की पूर्व की भांति आवास लीजिंग योजना प्रारंभ की जाए ताकि किराया के रूप में जो राशि बोकारो प्रबंधन वसूल रही है।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने मेगा विस्तार योजना का अनावरण किया

बिभा संवाददाता

- बोकारो स्टील प्लांट की क्षमता को बढ़ाकर 7 .55 एमटीपीए करने के लिए 20,000 करोड़ का निवेश
- विस्तार और स्थिरता अभियान के तहत बोकारो स्टील प्लांट से 2,500 प्रत्यक्ष और 10,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी
- एच .डी . कुमारस्वामी ने तसरा कोयला खदान और चासनल्ला वाशरी का दौरा किया, आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

बोकारो। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार और मंगलवार को बोकारो स्टील प्लांट का दौरा किया, जहां उन्होंने उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी विस्तार योजना का अनावरण किया। 20,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, ब्राउनफील्ड विस्तार का लक्ष्य हॉट मेटल उत्पादन को मौजूदा 5.25 एम टी पी ए से बढ़ाकर 7.55 एम टी पी ए करना है, जिससे स्टील सेक्टर में भारत के आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ने की गति को मजबूती मिलेगी।

बोकारो स्टील प्लांट, जिसने 1965 में अपनी नींव रखी और 1972 में अपना पहला ब्लास्ट फर्नेस संचालन शुरू किया, की शुरुआत में क्षमता 1.7 एम टी पी ए थी। इन वर्षों में, यह बढ़कर 5.25 एम टी पी ए हो गई है और मंत्री ने कहा कि प्लांट अब एक नए 4500 क्यूबिक मीटर ब्लास्ट फर्नेस, एक थिन स्लैब कास्टिंग और डायरेक्ट रोलिंग सुविधा, एक कैल्सिनिंग प्लांट, एक स्टैम्प-चार्ज कोक ओवन बैटरी और एक सिंटर प्लांट विस्तार के साथ बड़े पैमाने पर ओवरहाल के लिए तैयार है।

परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, कुमारस्वामी ने कहा, यह विस्तार इस्पात उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2030 तक 300 एमटीपीए इस्पात उद्योग के दृष्टिकोण के अनुरूप है। पूंजी और तकनीकी प्रगति के निवेश से इस्पात क्षेत्र को मजबूती मिलेगी और भारत की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

विस्तार के मूल में रोजगार सृजन और डीकार्बोनाइजेशन उत्पादन बढ़ाने के अलावा, विस्तार योजना से 2,500 स्थायी नौकरियां और 10,000 अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

कुमारस्वामी ने डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों पर भी जोर दिया और कहा कि ₹बोकारो स्टील प्लांट 2030 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 2.67 टन प्रति टन कच्चे इस्पात से घटाकर 2.2 टन से कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। संयंत्र अपनी नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ा रहा है, जिसमें 30 मेगावाट फ्लोटिंग सौर ऊर्जा, 20 मेगावाट भूमि-आधारित सौर ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं।

कुमारस्वामी ने कहा, ये कदम ऊर्जा खपत को अनुकूलित करते हुए क्षमता उपयोग को अधिकतम करने पर हमारे फोकस को दर्शाते हैं, जिससे भारत के इस्पात उद्योग के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित होता है।

अपनी यात्रा के हिस्से के रूप में, एच.डी. कुमारस्वामी ने तसरा कोयला खदान का निरीक्षण किया, जो एक प्रमुख परियोजना है जिसका उद्देश्य आयातित कोकिंग कोयले पर भारत की निर्भरता को कम करना है। सितंबर 2025 में चालू होने के बाद, खदान 3.5 एम टी पी ए घरेलू कोकिंग कोयले का उत्पादन करेगी, जिससे इस्पात उत्पादन के लिए कच्चे माल की सुरक्षा मजबूत होगी। उन्होंने चासना वाशरी का भी दौरा किया, जिसकी स्थापित क्षमता 2 एमटीपीए है और यह कोयले में राख की मात्रा को 28% से घटाकर 17% कर देगी, जिससे इस्पात निर्माण में बेहतर दक्षता सुनिश्चित होगी।

बाबा चौहरमल मंदिर के लिए एनओसी की मांग, सांसद ने दिया आश्वासन

बिभा संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को दुसाध जागरण मंच की ओर से पलामू सांसद सह एससी-एसटी वेलफेयर पार्लियामेंट्री कमिटी के सदस्य बीडी राम का भव्य स्वागत किया गया। यह आयोजन मंच संरक्षक मनोज पासवान के आवास पर हुआ, जिसमें समाज के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने बाबा चौहरमल मंदिर के विस्तार और एनओसी प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों को उठाया। उन्होंने बताया कि बीएसएल प्रबंधन अन्य समाजों को मंदिर निर्माण के लिए एनओसी उपलब्ध कराता है, लेकिन वीर शिरोमणि बाबा चौहरमल मंदिर के लिए यह सुविधा नहीं दी जा रही। इसके अभाव में बीएसएल के नए पदाधिकारी मंदिर को अतिक्रमण मानते हुए नुकसान पहुंचाते हैं। सांसद बीडी राम ने समाज की चिंताओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वह इस मामले को स्टील मंत्री के समक्ष उठाएंगे और समस्या का समाधान सुनिश्चित करेंगे। इसके बाद सांसद ने समाज के लोगों के साथ बाबा चौहरमल मंदिर का दौरा कर पूजा-अर्चना की और मंदिर के विस्तार के लिए स्थल का निरीक्षण किया।

जिले में संचालित विकास योजनाओं की उपायुक्त ने किया समीक्षा बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में संचालित विकास योजनाओं की उपायुक्त ने कार्य प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक की। बैठक में कृषि विभाग, ग्रामीण विकास, जिला परिषद, शिक्षा, आपूर्ति, विद्युत, कल्याण, सहकारिता, आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, पेयजल एवं स्वच्छता, समाज कल्याण, नगर पंचायत समेत अन्य विभागों की योजनाओं की कार्य प्रगति की जानकारी साझा की गई।

उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत नए फॉर्म जेनरेट करने, कृषकों को खरीफ एवं रबी फसल के तहत शतप्रतिशत बीज वितरण, बिरसा फसल विस्तार योजना, कृषि ऋण माफी योजना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड जाँच की। मुरहू प्रखंड में गोदाम निर्माण को लेकर जमीन चिन्हित करने एवं लैम्प्स केंद्र का अच्छे से संचालन का निर्देश दिया।

ग्रामीण विकास विभाग के तहत अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए ससमय किस्त की राशि का भुगतान एवं ससमय निर्माण कार्य पूर्ण कराने, अंबेडकर आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आवास प्लस योजना समेत सड़कों और भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवास निर्माण पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

जिला अभियंता जिला परिषद से उनके विभाग द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्य की ससमय निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान 9 से 12 कक्षा के बच्चों को पोशाक वितरण, मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्रवृत्ति वितरण, स्कूल बैग वितरण, साइकिल वितरण योजना के तहत शतप्रतिशत बच्चों को साइकिल वितरण का निर्देश दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग को उपायुक्त ने एम्बुलेंस का सदुपयोग करने का निर्देश दिया। रनिया हेल्थ सब सेंटर एवं गोविंदपुर में बन रहे पीएचसी को जल्द चालू करने का निर्देश दिया गया। आयुष्मान के तहत नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पुर्ण करने का निर्देश दिया गया। रनिया में एमटीसी केंद्र को जल्द चालू करने को कहा गया। विद्युत विभाग समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने मुख्यमंत्री उज्ज्वल झारखंड योजना के तहत वैसे टोला जहां विद्युत नही है उन टोला को चिन्हित कर विद्युतीकरण से जोड़ने का निर्देश दिया गया। वैसे टोला जहां पोल या विद्युत पहुंचाना संभव नही है वैसे टोला में सौर्य आधारित विद्युतीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वैसे पोल जहां सड़क दुर्घटना अधिक है वैसे पोल को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया।

बाईपास सड़क निर्माण के लिए ग्राम सभा रिपोर्ट साझा करने का निर्देश संबंधित अंचल अधिकारी को दिया गया। जिससे जल्द बाईपास निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जा सके। कल्याण विभाग अंतर्गत प्री एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, लाइब्रेरी के लिए जमीन चिन्हित करने, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना का क्रियान्वयन, अल्पसंख्यक कब्रिस्तान घेराबंदी, सरना मसना हड़गड़ घेराबंदी, धुमकुड़िया भवन निर्माण, शहीद ग्राम विकास योजना, बिरसा आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

वहीं जल छाजन के तहत फरवरी माह से जिले के विभिन्न प्रखंडो में वॉटर शेड यात्रा के संचालन को लेकर भी संबंधित विभाग से जानकारी लेते हुए वॉटर शेड वैन का जिले में अच्छे से संचालन सुनिश्चित कराने एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जनता की आशा के अनुरूप उनकी समस्या का समाधान मेरी प्राथमिकता : अमित महतो

सिल्ली/बिभा संवाददाता। विधायक अमित महतो के गरिमामयी उपस्थिति में बुजुर्ग महिला मो0 जनकनंदनी ने झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के तहत सरकारी यूपीजी उच्च विद्यालय हलमाद में 11 कमरे का अतिरिक्त वर्ग कक्षा आधारशिला रखी।

इस दौरान विधायक अमित महतो ने कहा हमारा प्रयास है विधानसभा क्षेत्र में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को कक्षा की कमी ना हो और वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके, क्षेत्र में विकास के कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना मेरा लक्ष्य है इसमें आप सबों की सहयोग जरूरी है। मौके पर झामुमो नेता मानिक मुखिया माया देवी सावन सिंह मुण्डा मानिक रजवार ग्राम प्रधान चन्दभूषण सिंह मुण्डा चितरंजन महतो नारायण साव जीतू महतो उमेश बेदिया तिरलोचन परमाणिक दिलेशर करमाली लोधा बेदिया सचिदानन्द मांझी मुकेश बेदिया नरेश कालिंदी गणेश बेदिया लक्ष्मण बेदिया लक्ष्मीनारायण मुंडा, संतोष मंडल समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

अमरिकन पब्लिक स्कूल में दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह

मांडर/बिभा संवाददाता। मांडर प्रखण्ड स्थित मंगलवार को अमेरिकन पब्लिक स्कूल पुंगी मोड़ मांडर में धूम धाम से कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह में विद्यालय के निर्देशक नौशाद आलम एवं प्रधानाध्यापक जावेद अहमद विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए, उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया साथ ही विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को उनके माध्यमिक परीक्षा के लिए प्रेरित करते हुए, उनका मार्गदर्शन किये। मोके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका एवम छात्र छात्रा सहित सैकड़ों के लोग मौजूद थे।

छात्र - छात्राओं में नेतृत्व क्षमता के विकास की एक महत्वपूर्ण पहल : सिस्टर मेरी बागे

मांडर/बिभा संवाददाता। प्रखण्ड स्थित मंगलवार को संत अन्ना इंटरमीडिएट कॉलेज मांडर में बाल सभा का गठन किया गया। सब्बू प्रवीण प्रेसिडेंट, साहिल अंसरी और मुस्कान कुमारी वाइस प्रेसिडेंट बनाई गई, इसके अतिरिक्त अनुशासन विभाग के लिए आलोक उराव , पवन कुमार, अभिषेक कुमार, माही कुमारी, ज़किया प्रवीण और तूलिका कुमारी,सांस्कृतिक विभाग के लिए रोडसान कुजूर, समीर ब्रिजिया,नीतू मिंज, शीतल खलखो, प्रिन्सी शर्मा, सृष्टि मानसी कुजूर, खेल विभाग के लिए अंकित उराव, सुयश कुमार ,हर्ष अभिजीत खलखो, निकिता कुमारी, सफाई विभग के लिए उत्तम कुमार महतो, रियांचल उराव, अर्चना उराव, स्वस्थ विभाग के लिए नेहा लकड़ा, राखी कुमारी, सानिया प्रवीण,सी. एल, सी. विभाग के लिए लिसी रिया लकड़ा, तरशीला केरकेट्टा, आयुष टोप्पो, रोनाल्ड केरकेट्टा प्रेयर और न्यूज़ विभाग के लिए रमेश गोप, सुहानी कुमारी, अंजलि कुमारी आदि को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है मौके पर कॉलेज के प्रचार्या सिस्टर मेरी बागे ने कहा की इस बाल सभा का गठन का एक मात्र उद्देश्य छात्र - छात्राओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना है मौके पर वरिष्ठ शिक्षक सईद अख्तर, उमेश प्रशाद, विजय किसपोट्टा, रश्मि तिर्की, सुमन कुजूर राजेंद्र इंदवार सहित सभी शिक्षक - शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

एशियन पारा थ्रोबॉल में ऑक्सब्रिज की शिक्षिका का चयन

मांडर/बिभा संवाददाता। प्रखण्ड स्थित कन्दरी मोड़ में मंगलवार को ऑक्सब्रिज स्कूल मांडर, की शिक्षिका संजुक्ता का चयन आगामी प्रथम एशियन पारा थ्रोबॉल चैंपियनशिप के लिए किया गया है। जो कि 28 से 30 मार्च 2025 के बीच फ़नम पेन्ह, कंबोडिया में आयोजित होने वाला है। जिसकी जानकारी वर्ल्ड पारा थ्रो बॉल फेडरेशन की ओर से दी गई है।शिक्षिका की सफलता के लिए समस्त विद्यालय परिवार की ओर से शुभकामनाएं एवं बधाई व्यक्त की गई।

अंचल कार्यालय में प्रखण्ड स्तरीय कृषि विभाग की समीक्षा बैठक

चान्हो/बिभा संवाददाता। प्रखंड-सह-अंचल कार्यालय के कृषि प्रभाग में एक समीक्षा बैठक आहूत हुई, जिसमें प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, चान्हों सभी जनसेवक, चान्हों, सभी कृषक मित्र एवं BTM चान्हों सम्मिलित हुए। इस बैठक में कृषि विभाग के द्वारा संचालित सभी योजनाओं से संबंध में विस्तृत परिचर्चा की गई, साथ ही लाभुक किसानों के चयन, संगत दस्तावेजों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता और संगत विभागों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के संबंध में आवश्यक रणनीति पर चर्चा हुई। प्रखण्ड के सभी राजस्व ग्रामों के न्यूनतम 10 अगुवा किसानों का कृषक मित्रों के सहयोग से डेटाबेस तैयार करने का निर्देश प्रभारी प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी द्वारा सभी जनसेवकों को दिया गया।

विधायक ने बांसारुली व बिसरिया पंचायत में जनता दरबार लगाया

हकदार व जरूरतमंद को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलें : अमित

बिभा संवाददाता

सिल्ली। विधायक अमित महतो ने मंगलवार को सिल्ली प्रखंड के बांसारुली एंव बिसरिया पंचायत में जनता दरबार लगाया, इस दौरान जनता दरबार में अबुआ आवास योजना, विधवा पेंशन योजना, जमीनी विवाद, राशन समेत कई मामले आए। विधायक ने सभी मामलों पर स्थानीय प्रखंड सह अंचल के पदाधिकारीयों को जांच कर यथाशीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। मालूम हो कि विधायक अमित महतो सिल्ली विधानसभा क्षेत्र के सिल्ली सोनाहातु, राहे एंव अनगड़ा प्रखंड के सभी पंचायतों में लगातार जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याओं से रूबरू हो रहे है। विधायक हर जनता दरबार में कह रहे है पहले क्या हुआ उसे हमको मतलब नही लेकिन अब सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद और हकदार लोगों को ही मिले यही मेरा जनता दरबार लगाने का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर झामुमो नेता जवाहर लाल यादव नेता मो0 नौशाद आलम मो इम्तियाज़ आलम सुसेन महतो चिरंजीवी सिंह मुंडा विजय मंडल शुभम सोनार करमा महतो फखरुद्दीन राय दिनेश साहू महेश महतो इमाम अंसारी बुधु महतो बिसरिया पंचायत मुखिया जितनी देवी बांसारुली पंचायत मुखिया लालू उरांव संतोष महली प्रकाश कुशवाहा जिप सदस्य लक्ष्मी देवी सीओ अरुणीमा एक्का प्रखंड कृषि पदाधिकारी कमलाकांत महतो आदि के अलावे बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

जरिया गढ़ के ग्रामीणों ने किया कुम्भ स्नान

खूँटी। जिले के जरियागढ़ रियासत के ग्रामीणों संग राज परिवार के लाल विजय नाथ शाहदेव ने कुम्भ स्नान कर क्षेत्र के कुशलता की कामना की। वहीं उन्होंने ग्रामीणों के साथ यूपी में लगे महाकुम्भ में जाकर मौनी अमावस्या से पूर्व ही स्नान का सौभाग्य प्राप्त किया। साथ ही, नौका विहार का आनंद लिया। वहीं त्रिवेणी संगम जाकर स्नान किया। विजय नाथ शाहदेव ने बताया कि इस महाकुंभ 144 साल तक का यादगार पल का गवाह बना रहा है। और सभी ने अपने क्षेत्र गांव घर की इस महाकुंभ में माँ गंगा, जमुना और सरस्वती से प्रार्थना कर सभी के लिए कुशलता और सुखी सम्पन्नता के लिए प्रार्थना किये। इस दौरान पंडित अरूण शर्मा, रामलखन सिंह, विनोद महापात्र , बिंदेश्वर सिंह, नारायण भुईयाँ, जगरनाथ साहू आदि लोग पहुंचे थे।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बिभा संवाददाता

खूँटी। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों सहित विद्यालय परिवार मंगलवार को प्रभारी प्रधानाध्यापिका प्रतिमा देवी की अगुवाई में वनभोज के लिए कर्रा प्रखंड के डुमरगड़ी डैम व लापुंग प्रखंड के घघारी धाम का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने घघारी धाम का दर्शन कर वहाँ के मनोरम वादियों का आनन्द लिया। साथ ही डुमरगड़ी डैम पहुँचे। जहाँ डैम परिसर के बाहर स्वच्छता अभियान चलाया और कूड़ों के अम्बार को साफ सफाई किया। जहाँ अभी वर्तमान समय में पिकनिक आनेवाले लोग गंदगी फैला दिये थे। जहाँ एक ओर उस क्षेत्र के गंदगी को साफ किया तो दूसरी ओर उनसे पैसा मांगे जाने के कारण फिर उन लोगों ने वहाँ पिकनिक नहीं मनाया और दूसरी ओर चले गये। जहाँ साफ सफाई करके स्वच्छता के संदेश दिये वहीं बच्चों ने नाच-गान करके भ्रमण का आनन्द भी लिया। साथ ही, मनोरम वादियों में भोजन करके खुशियाँ जाहिर की।

बता दें कि यह सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय सरकार के द्वारा अनाथ व असहाय बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए खोला गया है। जहाँ के कई बच्चे अपने प्रतिभा से विद्यालय का ही नहीं बल्कि जिला व राज्य का भी नाम रौशन कर चुका है।

इस मौके पर प्रभारी प्रधानाचार्या प्रतिमा देवी, अब्राहम टुटी, ईभा धान , नेहा कुमारी, अर्चना कुमारी, आरती सोनी, रवि कुमार, आशीष कुमार सहित पूरा विद्यालय परिवार शामिल थे।

आरएसएस के पूर्व जिला संघचालक सनिका पाहन का अस्पताल में निधन

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले के तपकरा गाँव निवासी व आरएसएस के पूर्व जिला संघचालक सनिका पाहन का मंगलवार दूसरी बेला तोरपा स्थित रेफरल अस्पताल में देहान्त हो गया। सनिका पाहन 80 वर्ष लगभग के थे। सनिका पाहन कई माह से अस्वस्थ थे। जिन्हें कुछ दिन पहले ज्यादा तबियत खराब हो गयी थी तो उन्हें रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहाँ उनका उपचार चल रहा था। सनिका पाहन के निधन का समाचार की जानकारी मिलते ही लोगों की संवेदना जाहिर होती गयी। इस दौरान भाजपा के दिग्गज नेता व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुण्डा ने सनिका पाहन के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। वहीं उन्होंने कहा कि भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। जिन्होंने हिंदू धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए अपना योगदान समाज को निश्वार्थ पूर्वक दिया। मनोज कुमार ने बताया कि हमें जानकारी मिली तो उनका घर जाकर मुलाकात किये फिर खूँटी में ईलाज के लिए भेजे लेकिन फिर रेफरल अस्पताल में ही ईलाज चलने लगा। हालांकि अर्जुन मुण्डा के द्वारा रिम्स में भी ईलाज की व्यवस्था किया जा चुका था। वहीं संतोष जायसवाल ने बताया कि उनके ईलाज के लिए प्रयास किया गया था लेकिन फिर रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिनका अस्पताल में ही निधन हो गया। तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुण्डा ने बताया कि तपकरा शिशु मंदिर के संस्थापक रहे सनिका पाहन का निधन हम सभी को मर्माहत किया है।

जनवितरण दुकान में राशन कटौती करना उचित नहीं : अरुण संगा

खूँटी। जिले में जन वितरण प्रणाली के दुकानों में कई दुकानदारों द्वारा मनमानी कर लाभुकों के राशन की कटौती किया जाता रहा है। जो हमेशा बात उठती रहती है। लेकिन यह मामला ठीक होने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में एक जनवितरण दूकान में राशन कटौती की बात सामने आयी थी। जिसपर जिला खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी ने संज्ञान लेने की बात कही थी। वहीं तत्कालीन बीएसओ को भी इसके लिए निर्देशित किया गया था। वहीं उन्होंने शॉ काऊज करने की बात कही थी। इस प्रकार जिले में सरकार के द्वारा गरीबों के हक का राशन कटौती से लोग परेशान हैं। वहीं लाभुक का कार्ड से वंचित किये जाने का भय से कोई सामने आकर बोलना भी नहीं चाहते हैं। लोगों के अनुसार, राशन की कटौती कि जाती है पर बोलेंगे तो लाभुक का नाम कट जाएगा।

तालाब में डूबने से युवक की मौत दो वर्षीय बच्ची के सिरा से पिताजी का साया उठा

बिभा संवाददाता

खूँटी। नगर पंचायत क्षेत्र के महुवा टोली गांव के पास मुहल्ले के युवक करमा पाहन की मंगलवार को तालाब में डूबने से मौत हो गयी। महुआ टोली निवासी 27 वर्षीय करमा प्रत्येक दिन की भांति सोमवार को सुबह नहाने के लिए गाँव के बगल तालाब पर गया हुआ था। वहीं गहरे पानी में चले जाने से डूबकर उसकी मौत हो गई। उसकी जानकारी पुलिस व नगर पंचायत सुपरवाइजर को दिया गया। फिर शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला जा सका। करमा पाहन की एक 2 वर्ष की बेटी है। जिसके देहांत पर सिर से पिताजी का साया उठ गया। ग्रामीण रिस्तेदार चार्ल्स पाहन ने बताया कि प्रत्येक दिन की भांति सुबह में नहाने के लिए तालाब पर गया हुआ था। इसी क्रम में गहरे पानी में डूब गया जिसके बाद अगले बगल नहानेवाले लोगों ने प्रयास किया लेकिन उसे बचा नहीं सके। गरीब करम पाहन घर के कमानेवाले इकलौता युवक था। पिताजी भी वृद्ध हो चुके हैं। छोटा भाई पढ़ाई कर रहा है। नगर पंचायत के सुपरवाइजर राजेश कुमार ने बताया कि इसकी घटना की जानकारी मिलते ही हमलोग घटनास्थल पर पहुँचे। तब तक ग्रामीणों द्वारा शव निकाला जा चुका था। वहीं पुलिस भी घटनास्थल पर पहुँची और शव को अन्त्यपरिक्षण कराने सदर अस्पताल भेज दिया। जहाँ पार्थिव शरीर का अन्त्यपरिक्षण के पश्चात् परिजनों को सौंप दिया गया। इसके देहांत से पूरा गाँव गमगीन हो गया।

एक माह के अंदर अवैध अफीम की खेती को नष्ट करने का उपायुक्त ने दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने 30 जनवरी से अगले 1 माह तक विशेष अभियान चलाने केके लिए टास्क फोर्स को निर्देश हैं। मंगलवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त नशे की खेती व तम्बाकू गुटखा आदि मादक द्रव्य के विरुद्ध बैठक की गई। बैठक में उपायुक्त द्वारा मादक द्रव्य पदार्थों के नियंत्रण हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा अफीम की खेती के मामले में की गई एफआईआर एवं अन्य कार्रवाई की जानकारी ली गई।

जिले के सभी संबंधित अधिकारियों से उपायुक्त ने कहा कि 30 जनवरी से जिले में विशेष अभियान चलाते हुए अगले 1 माह तक में ट्रैक्टर, ग्रास कटर एवं अन्य माध्यमों से अफीम के फसलों को विनष्टीकरण निश्चित ही कर देना है। साथ ही, एफआईआर समेत अन्य कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में थाना प्रभारी व अंचल अधिकारी को आपसी समन्वय के साथ अपने संबंधित क्षेत्र में हो रही अवैध अफीम की खेती एवं मादक द्रव्य पदार्थों को चिह्नित कर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आस पास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी को लेकर निर्देशित किया गया। अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध अभियान चलाने के क्रम में वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी अंचल अधिकारी को लोगों को जागरूक करने , छापेमारी एवं अन्य कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में आवश्यक रूप से छापामारी अभियान चलाया जाए, साथ ही दोषियों के विरुद्ध त्वरित एवं विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाय। वैकल्पिक खेती हेतु लोगों को प्रेरित करें। जन प्रतिनिधियों से भी सहयोग करने का अपील किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी को वैकल्पिक खेती हेतु मिट्टी एवं क्षेत्र के अनुसार स्थानीय लोगों की रूचि को ध्यान में रखकर योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, कार्यपालक दंडाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, सभी अंचल अधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस ने किया अफीम फसल विनष्ट

खूँटी। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मंगलवार को अफीम फसल विनष्टीकरण अभियान चलाकर खेतों में लगे फसलों को ट्रेक्टर एवं डंडों से विनष्ट किया गया। जिसमें अड़की थाना अन्तर्गत ग्राम तीनतिला पंचायत के ग्राम ढूंढुपीढ़ी मे करीब 10 एकड़ एवं मारंगहादा थाना अन्तर्गत ग्राम गड़ामड़ा में ग्राम प्रधान के नेतृत्व में करीब 10 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को ग्रामीणों द्वारा विनष्ट किया गया । इसके अलावे सयको थाना अंतर्गत ग्राम- बुरजू में करीब 11 एकड़, अड़की थाना अंतर्गत ग्राम राउता,बाड़ीनिचकेल मे करीब 18 एकड़, मुरहू थाना अंतर्गत ग्राम रोडो, रूबुआ,जुर्मू में करीब 20 एकड़, मारंगहादा थाना अंतर्गत ग्राम गुटीगड़ा, संडासोम, उटुरुंग में करीब 20 एकड़ जिले में करीब 69 एकड़ में लगे अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया ।

पद्मभूषण कड़िया मुण्डा का स्वास्थ्य में होने लगा सुधार

बिभा संवाददाता

खूँटी। अस्वस्थ चल रहे लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्म भूषण कड़िया मुण्डा का स्वास्थ्य में सुधार होने लगा है। जो दिल्ली के एम्स में भर्ती हैं जहाँ उनका उपचार चल रहा है। कड़िया मुण्डा जी को निमोनिया हो गया था जिनका एम्स में ही जाँच के दौरान पता चला। वहीं झारखंड में बताया गया था कि उन्हें सोडियम की कमी है। जिसपर दवा चल रही थी। वहीं एम्स में निमोनिया का ईलाज चलने के बाद अब स्वास्थ्य में सुधार होने लगा है। वहीं जगन्नाथ मुंडा व मगन मुण्डा ने बताया कि पहले से काफी बेहतर हैं और चिकित्सकों की देखरेख में ईलाज चल रहा है। इधर, कड़िया मुण्डा जी के साथ भाजपा में कार्य किये शिवशंकर मिश्रा, शिवनन्दन सोनी, रमेश मांझी महेंद्र भगत, आदि ने कड़िया मुण्डा के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

संपादकीय

केंद्रीय बजट में मिल सकती हैं सौगात

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में भारत की आर्थिक विकास दर कुछ कमजोर रही है। प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी। इसी प्रकार द्वितीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2024) में भी सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इससे वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर घटकर 6.6 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम छमाही में आर्थिक विकास दर के कम होने के कारणों में मुख्य रूप से देश में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनाव है और आचार संहिता के लागू होने के चलते केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों एवं अन्य खर्चों में भारी भरकम कमी दृष्टिगोचर हुई है। साथ ही, देश में मानसून की स्थिति भी ठीक नहीं रही है। केंद्र सरकार ने हालांकि मुद्रा स्फीति पर अंकुश लगाने में सफलता तो अर्जित कर ली है परंतु उच्च स्तर पर बनी रही मुद्रा स्फीति के कारण कुल मिलाकर आम नागरिकों विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों की खर्च करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव जरूर पड़ा है और कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे परिवारों की श्रेणी में जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। किसी भी देश में मध्यमवर्गीय परिवारों की जितनी अधिक संख्या रहती है, उस देश की आर्थिक विकास दर ऊंचे स्तर पर बनी रहती है क्योंकि मध्यमवर्गीय परिवार ही विभिन्न प्रकार के उत्पादों (दो एवं चार पहिया वाहन, फ्रिज, एयर कंडीशनर जैसे उत्पादों एवं नए फ्लैट्स एवं भवनों आदि) को खरीदने पर अपनी आय के अधिकतम भाग का उपयोग करता है। इससे आर्थिक चक्र में तीव्रता आती है और इन उत्पादों की बाजार में मांग के बढ़ने के चलते इनके उत्पादन को विभिन्न कम्पनियों द्वारा बढ़ाया जाता है। इससे इन कम्पनियों की आय एवं लाभप्रदता में वृद्धि होती है एवं देश में रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। भारत में पिछले कुछ समय से मध्यमवर्गीय परिवारों की व्यय करने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। एक फरवरी 2025 को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन से अब यह अपेक्षा की जा रही है कि वे केंद्रीय बजट में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए विशेष रूप से आय कर में छूट की घोषणा करेंगी। देश के कई अर्थशास्त्रियों का तो यह भी कहना है कि न केवल आयकर में बल्कि कारपोरेट कर में भी कमी की घोषणा की जानी चाहिए। इनफोसिस के संस्थापक सदस्यों में शामिल मोहनदास पई का कहना है कि 15 लाख से अधिक की आय पर लागू 30 प्रतिशत की आयकर की दर को अब 18 लाख से अधिक की आय पर लागू करना चाहिए।

महाकुंभ तीर्थाटन को नया आयाम दे रही रेलवे

लेखक

रविन्द्र गोयल

(लेखक, पूर्व सदस्य, परिचालन और व्यवसाय विकास, रेलवे बोर्ड हैं।)

भारतीय रेल ने पवित्र संगम की यात्रा को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाने का महत्वपूर्ण काम किया है। पिछले एक दशक में भारत सरकार ने रेलवे के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए वित्त पोषण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले दो वर्षों में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यात्री सुविधाओं में सुधार किया गया है। इससे रेलवे स्टेशन आरामदायक, सुविधाजनक और आध्यात्मिकता के जीवंत केंद्र में बदल गया है। पहले रेलवे स्टेशन मुख्य रूप से रेलगाड़ियों के रुकने, यात्रियों के चढ़ने-उतरने और सामान ढुलाई के लिए उपयोग किए जाते थे।

महाकुंभ 2025 के अमृत महोत्सव में भारतीय रेल ने सेवा का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। न केवल यातायात की सुविधा बढ़ाने तक यह सेवा सीमित है, बल्कि तीर्थयात्रियों को एक आरामदायक और खुशहाल यात्रा का भी अनुभव प्रदान किया गया है। श्रद्धा और आस्था की पुण्य भूमि प्रयागराज तक यात्रियों को पहुंचाने में भारतीय रेल ने विश्व स्तरीय आतिथ्य सेवा में जो योगदान दिया है, वह सदा स्मरणीय रहेगा। महाकुंभ जैसे बड़े धार्मिक आयोजन में रेलवे ने अपने इंफ्रास्ट्रक्चर, सेवाओं और सुविधाओं में बड़े सुधार किए हैं। इसके लिए नए और रचनात्मक उपायों को लागू किया है, जिसमें तरह-तरह की सुविधाएं शामिल हैं। भारतीय रेल कुंभ यात्रियों के लिए नए मानक स्थापित कर रहा है, जो भविष्य में अन्य बड़े आयोजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है।

आधुनिक सुविधाओं में तीर्थ यात्रा: भारतीय रेल ने पवित्र संगम की यात्रा को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाने का महत्वपूर्ण काम किया है। पिछले एक दशक में भारत सरकार ने रेलवे के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए वित्त पोषण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पिछले दो वर्षों में 5000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से यात्री सुविधाओं में सुधार किया गया है। इससे रेलवे स्टेशन आरामदायक, सुविधाजनक और आध्यात्मिकता के जीवंत केंद्र में बदल गया है। पहले रेलवे स्टेशन मुख्य रूप से रेलगाड़ियों के रुकने, यात्रियों के चढ़ने-उतरने और सामान ढुलाई के लिए उपयोग किए जाते थे। लेकिन समय के साथ स्टेशनों में सुधार हुआ और अब ऐसा लगता है कि रेलवे स्टेशन तीर्थ यात्रियों के स्वागत के लिए प्रवेश द्वार में

बदल गए हैं। स्लीपिंग पॉड्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज और रिटायरिंग रूम की अत्याधुनिक सुविधा सुकून देनेवाले हैं जो यात्रियों को आकर्षित करते हैं। कहा जाए, तो पहले के भीड़भाड़, शोरगुल वाले माहौल से बिल्कुल अलग भारतीय रेल का यह उपहार है आम यात्रियों के लिए।

तीर्थयात्रियों के लिए कुछ और सुविधाएं : रेलवे ने यात्रियों को रास्ता ढूंढने में मदद करने के लिए कुछ नई व्यवस्था बनाई है। स्टेशन पर अलग-अलग हिस्सों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित किया गया है, ताकि यात्री आसानी से जान सकें कि उन्हें किस तरफ जाना है। टिकटों पर भी रंगों का उपयोग किया गया है, ताकि यात्रियों को यह समझने में मदद मिले कि उनकी ट्रेन कहां से चलेगी या किस प्लेटफॉर्म पर जाएगी। पांव संकेतक, जमीन पर बने होते हैं। ये यात्रियों को सही दिशा में जाने के लिए मार्गदर्शन कराने का काम करते हैं। रेलवे स्टेशन पर यह उन्नत सुविधा तीर्थयात्रा के अनुभव का आनंद बढ़ा देता है। जैसे ही कोई श्रद्धालु रेलगाड़ी से उतरता है तो उसके अनुकूल सारी सुविधाएं मिलती हैं।

ठहरने की आरामदायक सुविधा: कुंभ में रोजाना लगभग एक करोड़ तीर्थयात्रियों के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक पैमाने पर उनके लिए ठहरहने और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना आसान नहीं है। लेकिन भारतीय रेल ने इस चुनौती को स्वीकार किया। 17 नए यात्री आश्रय गृहों का निर्माण किया गया। इसके अतिरिक्त स्टेशन की क्षमता1,25,000 से अधिक यात्रियों के संभालने की है। पहले यह क्षमता मात्र 21,000 यात्रियों के लिए थी। इसके अतिरिक्त, नए प्लैटफॉर्म के निर्माण किए गए और अब बढ़कर इसकी संख्या 48 हो गई है। तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर गंतव्य सुनिश्चित हुई है। शौचालय, पेयजल सुविधा, शिशु-पोषण जोन और चिकित्सा जांच कक्ष जैसी उन्नत सुविधाएं भी यात्रियों की आवश्यकताएं पूरी कर रही हैं। राज्य सरकार ने खुसरो बाग को एक आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया है, जिसमें एक लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के ठहरने की सुविधा है। रेलवे द्वारा उपलब्ध कराए गए। इसके अलावा, निर्बाध आपूर्ति और बैकअप सिस्टम से उच्च मांग के बावजूद सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हुई है।

आरामदायक एवं सुलभ सुविधाएं: भारतीय रेल ने महाकुंभ 2025 का अनुभव सभी के लिए आरामदायक बनाने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। यात्री सुविधा केंद्र, व्हीलचेयर सेवाओं के साथ सहायता बूथ और सामान ट्रॉलियां मुहैया कराना तीर्थयात्रियों जरूरी आवश्यकताएं पूरी करते हैं। प्रयागराज जंक्शन और छिवकी जैसे प्रमुख स्टेशनों को विशेष रूप से सुगम और आरामदायक आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुसज्जित किया गया है। सरकार के 'सुगम्य भारत मिशन' के अनुरूप, भारतीय रेल ने लिफ्ट और एस्केलेटर सहित दिव्यांगजनों के अनुकूल सुविधाओं की संख्या बढ़ाई है। ये उपाय समावेशिता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि बुजुर्गों से लेकर दिव्यांगजन तक हर कोई इस पवित्र आयोजन में सुगमता से भाग ले सके।

महाकुंभ की यात्रा के लिए अद्वितीय साधन: परंपरा को आधुनिकता के साथ जोड़ने के भारतीय रेल के प्रयासों ने एक ऐसा माहौल बनाया है जो उत्थान और आरामदायक के साथ ही आधुनिक भी है। रेलवे तीर्थयात्रियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के साथ ही, महाकुंभ के अनुभव को अद्वितीय बनाने में अभिन्न भूमिका निभा रहा है। भारतीय रेल महाकुंभ के दौरान सुविधाओं के उन्नयन से धार्मिक आयोजनों में आतिथ्य के नए मानक स्थापित कर रही है, जिसमें प्रचालन के साथ ही आतिथ्य और देखभाल के साथ सद्भावना का भी संयोजन है।

हर बार सनातन की आस्था पर प्रहार क्यों?

लेखक

प्रो. मनीषा शर्मा

कुंभ भारत की सनातन संस्कृति की अद्वितीय शक्ति, आध्यात्मिकता, सहिष्णुता और एकता का प्रतीक है। यह आत्मा की शुद्धता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत अपनी सनातन संस्कृति के लिए विश्व भर में जाना जाता है। यह कुंभ आत्मा के शुद्धिकरण और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति का माध्यम है ।कुंभ सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। कुंभ मेला ' वसुधैव कुटुंबकम' की उस अवधारणा को चरितार्थ करता है जिसमें संपूर्ण विश्व को स्वयं में समाहित करने की शक्ति है। देश दुनिया से अनेक लोग अपने-अपने आस्था- विश्वास की डोर को हाथों में थाम कर, अपने रीति- रिवाज, संस्कार, आचार-व्यवहार को अपने साथ लेकर भारत भूमि पर आए हैं और यहां का दृश्य देख वे आश्चर्य और विस्मय से भर गए हैं। वे देख रहे हैं कि भारत की सनातन संस्कृति किस तरह से अपनी बांहे खोल उनका स्वागत कर रही है। वे देख रहे है यहां की सामाजिक समरसता को जहां लिंग, जाति, धर्म, पंथ, संप्रदाय ,मत, अमीर-गरीब, पूरब - पश्चिम के भेद का कोई अर्थ नहीं है। यहां अनेक को एकाकार होते हुए देखा जा सकता है।

तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ हमारी सनातन संस्कृति की आस्था और आध्यात्मिकता की जीवंत अभिव्यक्ति है परंतु ऐसे समय में भी हमारे देश का विपक्ष राजनीति करने से,सनातन की मान्यताओं का मखौल उड़ाने से बाज नहीं आ रहा है। कुंभ में भाजपा नेताओं के स्नान को डुबकी कह कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बता दिया है कि उन्हें सनातन धर्म की, उसकी परंपराओं की कितनी गहरी समझ है। वरना वे करोड़ों लोगों की आस्था को अपने शब्दों से आहत नहीं करते । उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में हजारों रुपये खर्च कर के कंपटीशन में भाजपा नेता डुबकी लगा रहे हैं और तब तक डुबकी लगाते हैं जब तक टीवी में अच्छा नहीं आ जाता। उनका मानना है कि धर्म के नाम पर गरीबों का शोषण हो रहा है । उन्होंने कहा कि क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर हो सकती है ? क्या इससे पेट भरता है? उनका यह बयान उस दिन आया जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महाकुंभ में संगम पर पवित्र स्नान किया। वस्तुतः ऐसे ही बयान कांग्रेस और उसके नेताओं ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के समय दिये थे कि राम मंदिर बनने से क्या हो जाएगा? क्या लोगों को रोजगार मिल जाएगा,मंदिर की जगह अस्पताल की देश को जरूरत है आदि? आज उन्होंने गंगा स्नान पर इस तरह का बयान दिया है। बात सिर्फ महाकुंभ या राम मंदिर की नहीं है। हमेशा से विपक्ष और विपक्ष के नेताओं ने धर्मनिरपेक्षता के नाम पर सनातन की आस्था पर प्रहार करने का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। ये लोग बताए कि क्या महाकुंभ में आने वाला हर एक व्यक्ति बीजेपी का है। हजारों वर्षों की कुंभ की परंपरा क्या बीजेपी ने शुरू की थी? क्या ये कह सकते है कि हज यात्रा करने से क्या हो जाएगा? जब बात दूसरे धर्म की धार्मिक मान्यताओं की, परंपराओं की होती है तब यह लोग कुछ नहीं कहते परन्तु जब बात सनातन की होती है तो इनके सामने देश की हर समस्या आ जाती है।इन्हें सनातन संस्कृति की हर एक मान्यता, हर एक प्रथा , प्रत्येक रीति रिवाज अंधविश्वास लगता है। ये अपने बयानों में उसका मजाक उड़ाते हैं। पिछले 15 दिनो में महाकुंभ में 14 करोड लोगों ने पवित्र स्ना न किया है ।क्या ये सभी 14 करोड लोग भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता है या योगी ,मोदी सरकार के लोग हैं । इसी के साथ करीब 62 देशों के दो लाख के करीब विदेशी अनुयायियो ने महाकुंभ में स्नान किया जिनमें कई प्रसिद्ध लोग भी है। क्या वह भी बीजेपी के हो गए । आज संपूर्ण दुनिया महाकुंभ के वैभव, सनातन की आस्था को देखकर विस्मित, नतमस्तक है ।लेकिन हमारे देश के हिंदू धर्म में ही पैदा हुए लोग महाकुंभ में पवित्र स्नान को डुबकी लगाना, अंधविश्वास कहते हैं। इन लोगों को ना देश की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान है, ना परंपरा की समझ है । लेकिन सवाल यही है कि हर बार सनातन पर ही प्रहार क्यों? क्यों हर बार सनातन की परंपरा, मूल्य, नायकों और संस्कृति को निशाना बनाकर प्रहार किया जाता है। भारत को एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में सारा विश्व जानता है राष्ट्र जिसकी एक संस्कृति, परंपरा, साहित्यिक अवधारणा आचार- विचार, व्यवहार होता है। इस संदर्भ में कुंभ महज एक मेला भर नहीं है। वह हजारों सालों से पोषित भारत की सनातन संस्कृति की वह परंपरा है जिसमें सनातन संस्कृति की आत्मा रची बसी है। अतः धर्मनिरपेक्षता का अर्थ किसी धर्म विशेष की आस्था पर प्रहार नहीं होता है। यह बात बड़े - बड़े बोल बोलने वाले और आस्था का अपमान करने वाले नेता जान लें तभी वे भी देश का और जनता का भला सोच पाएंगे।

(लेखिका, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में प्राध्यापक हैं।)

राशिफल

मेष शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी।

मिथुन व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कर्क समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

सिंह मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कन्या जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा।

तुला प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा।

वृश्चिक स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे।

धनु आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा।

मकर लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

कुंभ पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी।

मीन धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

गांवों की दशा और दिशा बदल रही स्वामित्व योजना

लेखक

डॉ. सत्यवान सौरभ

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

पंचायतीराज मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की पहल को स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ गांवों का सर्वेक्षण और मानचित्रण) कहा जाता है। इसे नौ राज्यों में कार्यक्रम के पायलट चरण (2020-2021) के सफल समापन के बाद 24 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर देश भर में पेश किया गया था। यह कार्यक्रम भूमि के टुकड़ों का मानचित्रण करने और गाँव के घरेलू मालिकों को अधिकारों का रिकॉर्ड्स प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करता है।

देश में ग्रामीण भूमि सर्वेक्षण और बंदोबस्त की समस्या प्रमुख रही है। कई राज्यों में गांवों के आबादी क्षेत्रों के नक्शे और दस्तावेजीकरण का अभाव रहा है। आधिकारिक रिकॉर्ड की अनुपस्थिति के कारण इन क्षेत्रों में संपत्ति के मालिक अपने घरों को अपग्रेड करने या अपनी संपत्ति को ऋण और अन्य वित्तीय सहायता के लिए वित्तीय संपत्ति के रूप में उपयोग करने में असमर्थ रहे हैं, जिससे उनके लिए संस्थागत ऋण प्राप्त करना मुश्किल रहा। इस तरह के दस्तावेजीकरण की कमी ने 70 से अधिक वर्षों तक ग्रामीण भारत के आर्थिक विकास में बाधा डाली। यह स्पष्ट हो गया कि आर्थिक सशक्तीकरण के लिए कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त संपत्ति रिकॉर्ड के महत्व के आलोक में एक समकालीन समाधान की आवश्यकता थी। गांवों के आबादी क्षेत्रों के सर्वेक्षण और मानचित्रण के लिए अत्याधुनिक ड्रोन तकनीक का उपयोग करने के लिए पीएम स्वामित्व योजना विकसित की गई है। इस योजना ने जल्द ही खुद को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों लाखों स्वामित्व दस्तावेज भू-मालिकों को सौंपे हैं। पंचायतीराज मंत्रालय की एक केंद्रीय क्षेत्र की पहल को स्वामित्व (ग्रामीण क्षेत्रों में सुधारित प्रौद्योगिकी के साथ गांवों का सर्वेक्षण और मानचित्रण) कहा जाता है। इसे नौ राज्यों में कार्यक्रम के पायलट चरण (2020-2021) के

सफल समापन के बाद 24 अप्रैल, 2021 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर देश भर में पेश किया गया था। यह कार्यक्रम भूमि के टुकड़ों का मानचित्रण करने और गाँव के घरेलू मालिकों को अधिकारों का रिकॉर्ड प्रदान करने के लिए ड्रोन तकनीक का उपयोग करता है। कानूनी स्वामित्व कार्ड, जिन्हें संपत्ति कार्ड या शीर्षक विलेख के रूप में भी जाना जाता है, तब संपत्ति के मालिकों को जारी किए जाते हैं, जो ग्रामीण आबादी वाले (आबादी) क्षेत्रों में संपत्ति के स्पष्ट स्वामित्व की स्थापना की दिशा में एक सुधारात्मक क़दम है।

सर्वे ऑफ इंडिया और सम्बंधित राज्य सरकारों के बीच एक समझौता ज्ञापन स्वामित्व योजना को लागू करने के लिए रूपरेखा द्वारा प्रदान की गई बहुचरणीय संपत्ति कार्ड निर्माण प्रक्रिया में पहला कदम है। सभी पैमानों पर राष्ट्रीय स्थलाकृतिक डेटाबेस तैयार करने के लिए, विभिन्न पैमानों पर स्थलाकृतिक मानचित्रण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है, जैसे उपग्रह इमेजरी, मानव रहित हवाई वाहन या ड्रोन प्लेटफॉर्म और हवाई फोटोग्राफी ड्रोन। समझौता ज्ञापन के पूरा होने के बाद, एक सतत संचालन संदर्भ प्रणाली स्थापित की जाती है। एक आभासी बेस स्टेशन जो लंबी दूरी की, अत्यधिक सटीक नेटवर्क आरटीके (रियल-टाइम किनेमेटिक) सुधार प्रदान करता है, संदर्भ स्टेशनों के इस नेटवर्क द्वारा प्रदान किया जाता है। अगला चरण यह निर्धारित करना है कि किन गांवों का सर्वेक्षण किया जाएगा और जनता को संपत्ति मानचित्रण प्रक्रिया के बारे में सूचित करना है। प्रत्येक ग्रामीण संपत्ति को चूना पत्थर (चुन्ना) से चिह्नित किया जाता है, जो गांव के आबादी क्षेत्र (आबाद क्षेत्र) को चित्रित करता है यह जांच / आपत्ति प्रक्रिया का समापन है, जिसे संघर्ष / विवाद समाधान के रूप में भी जाना जाता है। फिर सम्पत्ति पत्रक या अंतिम संपत्ति कार्ड / शीर्षक विलेख तैयार किए जाते हैं। आप इन कार्डों को खरीद सकते हैं। इस कार्यक्रम के लाभों में एक समावेशी समाज शामिल है। गांवों में कमजोर आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति संपत्ति के अधिकारों तक उनकी पहुँच के साथ सकारात्मक रूप से सहसम्बद्ध है। स्वामित्व योजना इसे संभव बनाने का प्रयास करती है। आबादी की स्पष्ट रूप से परिभाषित सीमा की कमी के कारण भूमि-संघर्ष के मामलों की संख्या बहुत अधिक है। स्थानीय स्तर पर संघर्षों के अंतर्निहित कारणों को सम्बोधित करना स्वामित्व योजना का लक्ष्य है। बेहतर ग्राम पंचायत विकास योजनाएं जो उच्च-रिजॉल्यूशन वाले डिजिटल मानचित्रों का उपयोग करती हैं, सड़कों, स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य सुविधाओं, नदियों, स्ट्रीटलाइट्स और अन्य बुनियादी ढाँचे में सुधार लाती हैं। अधिक सुलभ संसाधनों और प्रभावी वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से। लोगों को अपनी संपत्ति को संपार्श्विक के रूप में मुद्रीकृत करने में मदद करना मुख्य लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, जिन राज्यों में संपत्ति कर लगाया जाता है, वहाँ इसे सरल बनाने से निवेश को बढ़ावा मिलता है और व्यापार करना आसान हो जाता है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है। भूमि स्वामित्व से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को विकास और सशक्तिकरण के अवसरों में बदलकर, स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की कहानी बदल रही है। यह योजना, जिसमें डिजिटल संपत्ति कार्ड और परिष्कृत ड्रोन सर्वेक्षण शामिल हैं, केवल सीमाओं और नक्शों के बजाय संभावनाओं और सपनों के बारे में है। स्वामित्व सिर्फ एक सरकारी कार्यक्रम से कहीं ज्यादा बन गया है क्योंकि गांव इस बदलाव का स्वागत करते हैं; यह बढ़ी हुई आजादी, ज्यादा चतुराईपूर्ण योजना और ज़्यादा एकजुट, शक्तिशाली ग्रामीण भारत के पीछे एक प्रेरक शक्ति है। स्वामित्व योजना के परिणामस्वरूप ग्रामीण भारत बदल रहा है। भूमि स्वामित्व से जुड़ी लंबे समय से चली आ रही कठिनाइयां विकास और आत्मनिर्णय के अवसरों में बदल रही हैं। बाधाओं को दूर करने, विवादों को निपटाने और संपत्ति को आर्थिक उन्नति के लिए एक शक्तिशाली साधन में बदलने के लिए नवाचार और समावेशिता को जोड़ा जा रहा है। डिजिटल संपत्ति कार्ड और परिष्कृत ड्रोन सर्वेक्षण इस बात के दो उदाहरण हैं कि कैसे योजना सरल सीमाओं और मानचित्रों से आगे जाती है। यह अवसरों और आकांक्षाओं से भरपूर है। गांव इस बदलाव को अपना रहे हैं और स्वामित्व महज सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भरता, बेहतर योजना और अधिक एकजुट ग्रामीण भारत सभी इसके द्वारा गति प्राप्त कर रहे हैं।

बेहद अलग है जूलॉजी में कॅरियर

जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। ऐसे बहुत से लोग है, जो प्रकृति में मौजूद विभिन्न तरह के प्राणियों के बारे में गहराई से जानने की इच्छा रखते हैं। ऐसे लोग जूलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। जूलॉजी, जीव विज्ञान की एक शाखा है, जो मछली, सरीसृप, पक्षियों और स्तनधारियों सहित जानवरों का वैज्ञानिक अध्ययन है। यह संरचना, शरीर रचना, विशेषताओं, व्यवहार, वितरण, पोषण की विधि, शरीर विज्ञान, आनुवंशिकी और पशु प्रजातियों के विकास को शामिल करता है। जूलॉजी का अध्ययन करते समय आप समुद्री जीवों, चिड़ियाघर के जानवरों और जंगली और यहां तक कि घरेलू पालतू जानवरों सहित जानवरों के जीव विज्ञान और आनुवंशिकी का अध्ययन करते हैं। ऐसे में अगर आप भी इनके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं तो बतौर जूलॉजिस्ट बनकर ऐसा कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में

क्या होता है काम

एक जूलॉजिस्ट का मुख्य काम जानवरों के व्यवहार, विशिष्ट विशेषताओं और उनमें विकासवादी प्रवृत्तियों का अध्ययन करते हैं। जूलॉजिस्ट को पशु जीवविज्ञानी या वैज्ञानिक भी कहा जाता है। यह एक बेहद विस्तृत क्षेत्र है और विभिन्न क्षेत्रों से संबंध रखने वाले जूलॉजिस्ट को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। मसलन, पक्षियों के अध्ययन में विशेषज्ञता वाले जूलॉजिस्ट्स को ऑर्निथोलॉजिस्ट कहा जाता है, वहीं मछली का अध्ययन करने वाले को आइकथोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है। ठीक इसी तरह, जो जूलॉजिस्ट्स जो उभयचरों और सरीसृपों का अध्ययन करते हैं उन्हें हेरपेटोलॉजिस्ट नाम से जाना जाता है और स्तनधारियों से जुड़े लोगों को मैमलॉजिस्ट कहा जाता है। उनके कार्यक्षेत्र में जानवरों, पक्षियों, स्तनधारियों, कीड़े, मछलियों और कीड़े के पहलुओं पर रिपोर्ट तैयार करना और उन्हें विभिन्न स्थानों पर प्रबंधित करना है। जूलॉजिस्ट डीएनए पहचान सहित उच्च तकनीक के सभी प्रकार के क्षेत्र में और प्रयोगशाला में काम करते हैं, और वे जानकारी के डेटाबैंक विकसित करते हैं।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो जूलॉजी में कॅरियर बनाने के लिए आपको सबसे पहले जीव विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान में ज्ञान प्राप्त करना होगा। 12वीं के बाद बैचलर की डिग्री हासिल करने के बाद आप इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। हालांकि आप इस क्षेत्र में बैचलर की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री या डॉक्टरेट की डिग्री भी हासिल कर सकते हैं।

व्यक्तिगत कौशल

एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि जूलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों का बेहद साहसी होना जरूरी है और उनके जीवन में डर के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्हें समर्पित, स्वतंत्र और मेहनती भी होना चाहिए। उन्हें विभिन्न लोगों के साथ काम करना आना चाहिए। चूंकि वैज्ञानिक अक्सर शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं, इसलिए उनके पास प्रभावी लिखित और मौखिक संचार क्षमताएं होनी चाहिए। वह अपना अधिकांश समय जानवरों के साथ बिताते हैं, इसलिए उन्हें जोखिम भरी परिस्थितियों में काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्हें काटने, खरोंचने आदि जैसे हमलों के लिए हरदम मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए और चोटों को सहने की क्षमता होनी चाहिए। जूलॉजी के क्षेत्र में आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, जो वास्तव में आपके लिए थकाऊ हो सकता है।

संभावनाएं

बतौर जूलॉजिस्ट आप चिड़ियाघर, वाइल्डलाइफ सर्विस, बोटेनिकल गार्डन, कंसर्वेशन आर्गेनाइजेशन, नेशनल पार्क, यूनिवर्सिटी व लेबोरेटरीज आदि में काम कर सकते हैं। जहां चिड़ियाघर व म्यूजियम में वे बतौर एजुकेटर या क्यूरेटर अपना कॅरियर आगे बढ़ा सकते हैं। वहीं आप स्कूल या कॉलेज में टीचर्स या रिचर्सर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं अपना शोध पूरा कर लेने के बाद आप एक स्वतंत्र शोधकर्ता के रूप में भी आगे कार्य कर सकते हैं। इसी तरह एनिमल रिहैबिलिटेटर्स या बतौर कंसर्वेशनिस्ट भी आप अपना उज्जवल भविष्य देख सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपका वेतन शिक्षा, अनुभव, कार्य की प्रकृति व स्पेशलाइजेशन के आधार पर निर्भर करता है। रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी आमदनी हो सकती है। शुरूआती दौर में आप 10000 से 15000 रूपए महीना आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ समय के पश्चात आपकी आमदनी 25000 रूपए प्रतिमाह या इससे अधिक भी हो सकती है। अगर कुछ वर्षों के अनुभव के पश्चात आप विदेश में काम करते हैं तो आप यकीनन लाखों में कमा सकते हैं।

लेखन के क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें लिखना बहुत पसंद होता है। लेखन की कई विधाएं हैं, इन्हीं में से एक है क्रिएटिव राइटिंग। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक हैं, जिन्हें लोग उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जानते हैं। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें परेशान, घृणित, मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में अपनी रूचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं

क्या है क्रिएटिव राइटिंग

रचनात्मक लेखन वह लेखन है जिसमें एक लेखक का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, भावनाओं, कल्पनाशील विचारों और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी लेखन आदि को रचनात्मक लेखन कहा जाता है। रचनात्मक लेखन एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता हैय हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। वैसे तो क्रिएटिव राइटिंग कुछ लोगों को जन्मजात उपहार में मिलती हैं, लेकिन रचनात्मक लेखन में कोर्स करके कोई भी अपने लेखन कौशल में सुधार कर सकता है।

योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार

रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। आपकी कल्पना, अवलोकन और रचनात्मकता के साथ लिखने की क्षमता ही आपके भविष्य के मार्ग प्रशस्त करती है। हालांकि अंग्रेजी साहित्य या पत्रकारिता और संचार में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है।

में एक शैक्षिक पृष्ठभूमि आपके कॅरियर की राह को आसान बनाती है। वैसे भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम में आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इन पाठ्यक्रमों की न्यूनतम अवधि एक वर्ष है।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक क्रिएटिव राइटर को कल्पनाओं के आकाश में विचरने के साथ-साथ उसे कागज पर भी बेहतरीन तरीके से उतारने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर पढ़ने व नई चीजों को जानने की जिज्ञासा होनी चाहिए, ताकि वह अपने शब्दकोश को अधिक मजबूत बना सके। चूंकि इन दिनों लेखन के लिए कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जाने लगता है। इसलिए उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए। इसके अलावा उसके भीतर ऑब्जर्वेशन स्किल्स व कम्युनिकेशन स्किल्स भी मजबूत होने चाहिए। क्योंकि जब एक लेखक अपने या दूसरों के अनुभवों के पन्ने पर उतारता है तो उसका एक अलग ही प्रभाव देखने को मिलता है। इसके अलावा ऑब्जर्वेशन के जरिए उसके लेखन में भी विविधता को आसानी से देखा जा सकता है।

संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। कॅरियर एक्सपर्ट की मानें तो आप अपनी रूचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रा-वृत्तांत आदि लिख सकते हैं। इसके अलावा आप पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों आदि के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार, सुविधाएँ, आलोचना और समीक्षाएं लिख सकता है। इसके अलावा, रचनात्मक लेखक वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख बना सकते हैं। आप किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर अलग-अलग संस्थानों के लिए फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरूआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर आठ से दस हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ती चली जाती है।

प्रमुख संस्थान

- इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- डॉ.बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद
- कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी

एंट्री इंटरव्यू की तरह एग्जिट इंटरव्यू भी मायने रखता है

एंट्री इंटरव्यू की तरह ही किसी कंपनी का एग्जिट इंटरव्यू भी उतना ही मायने रखता है।नौकरी छोड़ने से पहले एग्जिट इंटरव्यू भले ही मात्र एचआर संबंधी औपचारिकता लगे लेकिन इसका मतलब ये नहीं हैं कि इसके लिए आप कोई तैयारी न करें। इंटरव्यू में अपने जवाबों को तैयार रखकर आप अपने लिए भविष्य में उस कंपनी के दरवाजे हमेशा खुले रख सकेंगे। आइए जानते हैं एग्जिट इंटरव्यू के लिए कुछ जरूरी टिप्सः

सकारात्मक चीजों पर फोकस

एग्जिट इंटरव्यू के संदर्भ को समझना महत्वपूर्ण है और बिना किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाए सच बोलना जरूरी है। करियर के इस मोड़ पर आपको सकारात्मक प्रभाव बनाने के लिए सहयोगियों और प्रबंधकों की तारीफ करना चाहिए।

वापसी की इच्छा जताएं

अगर आप अच्छे टर्म के साथ अपने कार्यकाल को ऑफिस में पूरा कर रहे हैं तो इसके लिए आपको वापसी के सारे रास्ते खुल रखने की कोशिश करना चाहिए। हमेशा जुड़े रहने की इच्छा जताएं और वहां के एल्यूमिनी नेटवर्क का हिस्सा बनने को कहें।

आभार व्यक्त करें

ऑर्गनाइजेशन में अपने कार्यकाल को सहज बनाने में मदद करने वालों के प्रति आभार जताना न भूलें। यह केवल मैनेजमेंट को आपके बारे में पॉजिटिवी फील देगा।

माइक्रो पर्सपेक्टिव

अगर आपको अपने किसी साथी या वरिष्ठ प्रबंधक से संबंधित कोई बात रखने की भी है तो उसे सही तरीके से रखें। कुछ अगर कहना आवश्यक भी हो तो उसे माइक्रो पर्सपेक्टिव रखें।

कंस्ट्रक्टिव फीडबैक

आपके कार्यकाल के दौरान ऐसा समय भी रहा होगा जब वहां कलह और परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। सुधारात्मक उपायों के साथ ईमानदार प्रतिक्रिया दें।

वकालत करने के लिए जानें बेसिक बातें

सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। हमारे देश में कानून का शासन है। हर चीज कानून के अनुसार चलती है। कानून के अनुसार ही प्रशासन चलता है, कानून के अनुसार ही अदालतों का सिस्टम चलता है।

अदालतों में हम देखते हैं कि कानून के अनुसार ही एक पक्ष दूसरे पक्ष को चुनौती देता है और अदालतों में कानून के जानकार इसके भिन्न पक्षों की व्याख्या भी करते हैं। इन्हीं कानून के जानकारों को हम वकील कहते हैं और वकील बनने के लिए आपको लॉ की पढ़ाई करनी पड़ती है। इस पढ़ाई का का प्रथम चरण होता है एलएलबी का, यानी बैचलर आफ लॉ! वैसे कानून की पढ़ाई सिर्फ एक प्रोफेशन भर ही नहीं है, बल्कि यह उन तमाम जरूरतमंद लोगों को सिस्टम के साथ जोड़ने में एक अति महत्वपूर्ण कड़ी है, जो तमाम कारणों से अन्याय के शिकार होते हैं। जिन्हें पता तक नहीं होता है कि उन्हें कानून की जानकारी ना होने के कारण असीमित नुकसान उठाना पड़ा है। सच कहा जाए तो हमारे देश में ला प्रोफेशनल्स की जवाबदेही, किसी भी दूसरे प्रोफेशन से अधिक हो जाती है, क्योंकि यह कानून के शासन पर भरोसा पैदा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सामान्य रूप से लॉ की पढ़ाई के लिए आपका 12वीं पास होना आवश्यक है और यह किसी भी विषय में हो सकता है। इसमें 50 परसेंट मार्क्स ही आवश्यक है और ऐसे में आपकी एज 20 साल से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके बाद आपको सीएलएटी एग्जामिनेशन देना पड़ता है, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट कहा जाता है और यह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी द्वारा ऑर्गेनाइज किया जाता है। एग्जाम में आपसे लॉजिकल रीजनिंग, लीगल, एटीट्यूड, गणित, अंग्रेजी और जनरल क्वेश्चन पूछे जाते हैं। इसके बाद 5 साल के कोर्स में आप एडमिशन ले सकते हैं।

सामान्यत : पांच साल के इन्टीग्रेटेड कोर्स के एंट्रेंस हेतु 200 अंकों के क्वेश्चन पेपर के लिए डेढ़ घंटे का टाइम दिया जाता है। इसमें इंग्लिश के 30 अंक, सामान्य ज्ञान के 50 अंक, लीगल एप्टीट्यूड के 20 अंक, लीगल रीजनिंग के 20 अंक होते हैं एवं 30 अंकों का एक एस्से भी लिखना होता है।

लॉ करने के बाद आपको इंटर्नशिप का कोर्स करना होता है और इस दौरान आपको काफी कुछ ट्रेनिंग मिलती है। इंटर्नशिप के बाद आपको किसी भी राज्य के स्टेट बार काउंसिल में इनरोलमेंट के लिए अप्लाई करना होता है और उसके बाद ऑल इंडिया बार कौंसिल का एग्जामिनेशन क्लियर करने के बाद आपको प्रैक्टिस का सर्टिफिकेट मिल जाता है और इसके बाद आप वकील बन जाते हैं।

हालाँकि, ग्रेजुएशन के बाद भी आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं और तब यह मात्र 3 साल का होता है। ग्रेजुएशन में भी आपको साधारणतया 50 परसेंट मार्क्स लाना होता है। वैसे एससी/ एसटी कटगरी स्टूडेंट्स के लिए इसमें छूट भी होती है।

लॉ की केटेगरी देखें तो मुख्यत : कॉर्पोरेट लॉ, क्रिमिनल लॉ, पेटेंट, एटर्नी, फैमिली लॉ, साइबर लॉ और बैंकिंग ला के रूप को गिनाया जा सकता है और किसी भी विषय में बाद में आप खुद को स्पेशलाइज कर सकते हैं। जैसा कि नाम के साथ ही स्पष्ट है कि पर्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेंगे।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एलएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात करें तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, द वेस्ट बेंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्युरीडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, डॉ.राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गाँधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यूं अधिकांश यूनिवर्सिटीज में यह कोर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कोर्स के स्कोप की बात करने की जरुरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेना तक में, लॉ फर्म्स के साथ-साथ न्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

सुनारिया जेल से बाहर आया राम रहीम

- राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे

सिरसा । हरियाणा के सुनारिया जेल से बाबा राम रहीम सिंह, जिन्हें एक यौन शोषण और मर्डर केस में सजा हुई है, मंगलवार को 30 दिन की परोल दी गई है। इस संदर्भ में यह अद्वितीय है कि राम रहीम को उनकी 16वीं पैरोल मिल रही है, जिसमें उन्हें सुनारिया जेल से बाहर जाने के लिए अनुमति दी गई है। जेल सुप्रिन्टेंडेंट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार राम रहीम सिरसा के डेरे में 10 दिन रहेंगे, फिर उन्हें बागपत आश्रम भेजा जाएगा जहां वे 20 दिन गुजारेंगे। यह सोचने की बात है कि पूर्व में राम रहीम को इस अनौपचारिक अवकाश के दौरान बागपत की संस्था परियोजना आश्रम में रवाना होने की इजाजत नहीं दी गई थी। इस बार यह भाजपा सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण और समाचार में लाये जाने वाले बदलाव की दिशा में हो सकता है। राम रहीम के पैरोल मिलने के बाद से सिरसा डेरे मुख्यालय में एक उत्सव जैसा माहौल है जिसमें उनके अनुयायी उत्साहित हैं। भावनात्मक एवं नैतिक विचारों के संदर्भ में दर्जनों लोग सरकारी नीतियों और कानूनों के खिलाफ यह चिंता कर रहे हैं कि राम रहीम को बार-बार पैरोल क्यों दी जा रही है। इसी संदेश को लेकर गहरा चिंतन विधायकों और समाज के विचारकों में उत्पन्न हुआ है।

कुंभ स्पेशल ट्रेन पर पथराव, गेट नहीं खुलने पर चढ़ने वाले यात्रियों ने किया हंगामा

झांसी । झांसी से प्रयागराज जा रही एक विशेष ट्रेन पर हरपालपुर स्टेशन पर तब पथराव किया गया, जब प्लेटफार्म पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने डिब्बों के दरवाजे बंद मिले। वीडियो में हमलावरों को ट्रेन पर पत्थर फेंकते और उसकी खिड़कियां तोड़ते हुए दिखाई दिए है, जबकि यात्री डर के मारे चीख रहे हैं। वीडियो में एक यात्री यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ट्रेन कल रात करीब 8 बजे झांसी स्टेशन से प्रयागराज के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन हरपालपुर पहुंची और तभी हमला हुआ। उन्होंने ट्रेन को नुकसान पहुंचाया और अंदर पत्थर फेंके। उन्होंने यात्रियों को मारने की कोशिश की। यहां महिलाएं और बच्चे भी हैं। यह विशेष ट्रेन प्रयागराज में महाकुंभ के लिए चलाई जा रही है, जिसमें देश भर से पर्यटक आ रहे हैं। ट्रेन में सवार होने वाले ज्यादातर यात्री आध्यात्मिक उत्सव में शामिल होने जा रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि कई लोग हरपालपुर (झांसी से करीब दो घंटे की दूरी पर) में ट्रेन में चढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन जब उन्होंने ट्रेन में चढ़ने की कोशिश की तब उन्हें दरवाजे बंद मिले। इसके बाद यात्री हिंसक हो गए और डिब्बों पर पत्थर फेंकना शुरु कर दिया। उन्होंने ट्रेन के दरवाजों की खिड़कियां भी तोड़ दीं, जिससे अंदर बैठे यात्रियों में दहशत फैल गई।

राजस्थान में जारी है कड़ाके की सर्दी का दौर, फरवरी में बारिश की आंशका

जयपुर । राजस्थान में अब दिन में सर्दी से थोड़ी राहत मिलने लगी है। हालांकि, रात का तापमान में अब भी कई जिलों में 5 डिग्री के पास बना हुआ है। वहीं फसलों पर जम रही ओस ने भी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों ने पाला पड़ने की भी आशंका जाहिर की है। वहीं, मौसम केंद्र ने फरवरी के पहले सप्ताह में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में 29 जनवरी से न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी होनी शुरू होगी।

29 जनवरी से सुबह-शाम की सर्दी होगी कम

राजस्थान में पिछले दो-तीन दिन से लगातार न्यूनतम तापमान गिर रहे और सुबह-शाम की सर्दी तेज हो रही है। लेकिन 29 जनवरी से कड़ाके की सर्दी से भी थोड़ी राहत मिलेगी है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक कल से उत्तर भारत पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, इससे हवाओं की दिशा में बदलाव होगा। पश्चिमी हवा चलने लगेगी, जिससे न्यूनतम तापमान में भी 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। राजस्थान में फरवरी के पहले सप्ताह (4-5 फरवरी) के आसपास के सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इस सिस्टम के असर से राजस्थान के कई हिस्सों में मेघगर्जना के साथ बारिश हो सकती है। इस सिस्टम का असर दो या तीन दिन रह सकता है।

राजौरी में तीन बहनें ठीक होकर घर लौटीं, पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर

राजौरी। राजौरी के बडाल इलाके की दर्दनाक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल था, वहीं तीन बहनों के चमत्कारिक रूप से स्वस्थ होने पर पूरे जिले में राहत और खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। राजौरी के जिला विकास आयुक्त अभिषेक शर्मा ने राजौरी के अस्पताल का दौरा कर इन बहनों से मुलाकात की और उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। बता दें कि पहले 2 बहनों के स्वस्थ होने की सूचना मिली थी इसके बाद तीसरी बहन के भी स्वस्थ होने पर तीनों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रिंसिपल जी.एम.सी. राजौरी डॉ ए.एस भाटिया ने कहा कि तीनों बहनों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनके परिवार और स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। उन्होंने इस डॉक्टरों का प्रयास बताया। बडाल घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था, लेकिन इन बहनों की स्वस्थ वापसी ने साबित कर दिया कि जीवन में उम्मीदें कभी खत्म नहीं होतीं। उन्होंने ने कहा कि हमारे डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ ने दिन रात मेहनत की है, जिसका यह नतीजा है कि सभी बीमार लोग ठीक हो रहे हैं।

संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ...पीड़ित के माता-पिता

कोलकाता। कोलकाता रेप-मर्डर केस में पीड़ित मेडिकल स्टूडेंट के माता-पिता दोषी संजय रॉय को अब फांसी की सजा देने के खिलाफ हैं। पीड़ित के माता-पिता की वकील गार्गी गोस्वामी ने कलकत्ता हाईकोर्ट को बताया कि उनका कहना है कि हमारी बेटी की जान गई, इसका मतलब नहीं कि संजय की जान जाए। सियालदह कोर्ट ने संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

दाऊद इब्राहिम से संबंध के चलते अनमोल बिश्नोई ने करवाई बाबा सिद्दीकी की हत्या

शूटर गौतम ने किया कबूल कहा- बाबा या बेटे जीशान को मारने का मिला था आदेश

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रहे बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शूटर ने कबूल किया है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची गई थी। उसने पुलिस को गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई का नाम बताया है। पुलिस ने इस मामले में 25 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कुख्यात अपराधी अनमोल बिश्नोई ने 'दाऊद इब्राहिम से कथित संबंध को लेकर एनसीपी के दबंग नेता बाबा सिद्दीकी पर हमला करने का आदेश दिया था। सिद्दीकी पर हमले के आरोपी मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने अपने इकबालिया बयान में यह बात कही। गौतम का बयान महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को हुई हत्या के सिलसिले में दायर आरोपपत्र का हिस्सा है। मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गौतम ने कहा कि उसे बाबा सिद्दीकी या जीशान सिद्दीकी को मारने के लिए कहा गया था और इसके बदले उसे 15 लाख रुपए देने का वादा किया था। उसने बताया है कि वह पुणे में कबाड़ इकट्ठा करता था और सह-आरोपी हरीश कुमार कश्यप को बेचता था। कबाड़ की दुकान संचालित करने वाले हरीश कश्यप ने उसके रहने की व्यवस्था की थी और इस दौरान उसकी जान-पहचान प्रवीण लोनकर और उसके भाई शुभम लोनकर से हुई थी।

गौतम ने बयान में कहा कि एक दिन शुभम लोनकर ने शूटर को बताया कि वह और उसका भाई बिश्नोई गिरोह के लिए काम करते हैं। जून 2024 में शुभम लोनकर (शुब्बू) ने मुझे और धर्मराज कश्यप को बताया कि अगर हम उसके कहने पर काम करेंगे तो हमें 10 से 15 लाख रुपए मिलेंगे। जब काम के बारे में पूछा तो शुभम ने बताया कि बाबा सिद्दीकी या उसके बेटे जीशान सिद्दीकी की हत्या करनी है, लेकिन उसने कोई और जानकारी नहीं दी।

मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोप-पत्र दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल की अगुवाई चलाए जाने वाले अपराध सिंडिकेट ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की थी। आरोपी ने पुलिस को अनमोल के साथ हुई बातचीत के बारे में भी बताया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत का एक अंश है, राम राम भाई लोग आप सबको लॉरेंस भाई ने भी राम राम बोलने को बोला है। क्या चल रहा है। अपने को एक काम करना है, हिम्मत रखो। बांद्रा में घर के पास रेकी करना है, उसी एरिया में घर भाड़े से ले लो। अपना काम होने के बाद एक फोर व्हीलर गाड़ी और एक फ्लैट हर एक को मिलेगा...। उससे पहले 5 लाख रुपए एडवांस दूंगा। अपने भाई का बदला लेना है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने दावा किया है कि ये बातचीत शुभम लोनकर और अनमोल के बीच स्पीकर पर हुई है और उस दौरान तीन और आरोपी भी मौजूद थे। चार्जशीट में कहा गया है कि अनमोल ने हत्या की प्लानिंग अपने सहयोगी अनुज थापन की मौत का बदला के लिए की थी।

अखिलेश करेंगे केजरीवाल के संग मंच साझा, 30 जनवरी को रोड शो में दिखेगी विपक्षी एकता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच विपक्षी दलों की एकजुटता का नया नज़ारा देखने को मिलेगा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंच साझा करने के साथ ही 30 जनवरी को रिठाला विधानसभा क्षेत्र में एक साथ रोड शो करेंगे। गौरतलब है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी का समर्थन करने का ऐलान किया है। ऐसे में अब सपा के नेता और सांसद अरविंद केजरीवाल के साथ चुनाव प्रचार करने जमीन पर उतरेंगे। खबर है कि कैराना से सांसद इकरा हसन भी आप के लिए चुनाव प्रचार में भाग लेंगी। दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को पहले ही तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) का समर्थन मिल चुका है। हालांकि आप और कांग्रेस, दोनों ही पार्टियां भारत गठबंधन का हिस्सा रही हैं, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में ये पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं। इस रोड शो के जरिए अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल अपनी एकता का प्रदर्शन कर भाजपा और कांग्रेस को चुनौती देंगे। यह कदम क्षेत्रीय दलों की ताकत को प्रदर्शित करने और आगामी चुनावों के लिए विपक्षी एकता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह रोड शो दिल्ली की सियासत में नया मोड़ ला सकता है और इसके परिणाम आगामी विधानसभा चुनावों पर प्रभाव डाल सकते हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को एक ही चरण में होंगे, जबकि मतों की गिनती 8 फरवरी को की जाएगी।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला, अगले एक साल तक नहीं बढ़ेगा अटल सेतु पुल पर टोल टैक्स

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेकर अटल सेतु पर टोल दर को अगले एक साल तक बढ़ाने पर रोक लगा दी है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में फैसला लिया गया कि अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु के टोल टैक्स को 250 रुपये की दर पर एक और वर्ष तक जारी रहेगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पहले 12 जनवरी, 2024 को करीब 22 किलोमीटर लंबे पुल का उद्घाटन किया था। यह पुल महाराष्ट्र में एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना के पूरा होने का प्रतीक है। पुल दक्षिण मुंबई के सेवरी से शुरू होकर एलीफेंटा द्वीप के उत्तर में ठाणे क्रीक को पार कर चिर्ले गांव में समाप्त होता है

यह फैसला मुंबई और एमएमआर क्षेत्र के लाखों यात्रियों के लिए सुखद खबर है। महाराष्ट्र सरकार ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों तक टोल में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी। गौरतलब है कि हाल ही में अटल सेतु पुल के जरिए मुंबई और नवी मुंबई के बीच यात्रा करना काफी किफायती हुआ है, क्योंकि नवी मुंबई नगर परिवहन (एनएमएमटी) ने किराए में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती की है। यह पुल क्षेत्र में यात्रा समय को कम करने और कनेक्टिविटी में सुधार लाने में एक अहम भूमिका निभाता है। करीब 17,840 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु' भारत का सबसे लंबा पुल है और देश में समुद्र पर बनी सबसे लंबी संरचना भी है। समुद्र पर करीब 16.5 किलोमीटर और जमीन पर 5.5 किलोमीटर की लंबाई वाला छह लेन का यह पुल मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आगामी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (इस वर्ष के अंत में चालू होने की उम्मीद) के बीच तेज संपर्क प्रदान करेगा। इस पुल का निर्माण होने ने मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा का समय कम हो गया है, साथ ही मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच संपर्क में सुधार हुआ है।

सीमा विवाद सुलझाने के बाद और करीब आए भारत और चीन

कैलाश मानसरोवर यात्रा होगी शुरू, दोनों देश सीधी उड़ान पर हुए सहमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन अब दोस्ती का हाथ बढ़ा रहे हैं। पुरानी बातें भूलकर दोनों रिश्तों की नई पटकथा लिख रहे हैं। इसका असर दिखने भी लगा है। पहले तो एलएसी पर सीमा विवाद सुलझा। दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। जहां-जहां तनाव था, वहां से डिसइंगेजमेंट हो गया। अब भारत और चीन फिर से कैलाश मानसरोवर की यात्रा शुरू करेंगे। दोनों देश सीधी उड़ान पर सहमत हो गए हैं। भारत और चीन ने सोमवार को अपने रिश्तों के पुनर्निर्माण की दिशा में यह घोषणा की। इसके तहत इस साल गर्मी के मौसम में कैलाश मानसरोवर की यात्रा फिर से शुरू हो सकती है।

2020 के बाद से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद शुरू होगी। साल 2020 में भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गलवान घाटी और पैंगोंग त्सो झील के पास झड़पें हुई थीं। इन झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। हर तरह के संबंध तोड़ दिए थे। भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान की सेवा बंद थी, लेकिन अब सब नॉर्मल होने जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यात्रा फिर से शुरू करने पर कैसे चीन मान गया?

भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधरने की सबसे अहम वजह है बातचीत। 2020 में रिश्तों में दरार पड़ने के बाद दोनों देशों ने लगातार बातचीत की। बातचीत का नतीजा है कि अब दोनों देशों के बीच रिश्ते सामान्य होते नजर आ रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर महीने पीएम मोदी और शी जिनपिंग कजान शहर में ब्रिक्स समिट में मिले थे। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इस मुलाकात में ही सीमा पर शांति और दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने पर सहमति बनी थी। इस दौरान सीमा पर तनाव कम करने, कैलाश मानसरोवर यात्रा और डायरेक्ट फ्लाइट की बहाली पर मोदी ने जिनपिंग को समझाया था। जिसके बाद भारत और चीन के बीच बातचीत हुई थी।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से बहाली और सीधी उड़ानों को शुरू होने के पीछे पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच मुलाकात है।

पीएम मोदी और जिनपिंग की उस मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी समकक्ष वांग यी की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच भारत-चीन सीमा पर सैनिकों की वापसी पर चर्चा हुई साथ ही भारत और चीन के रिश्तों को 2020 से पहले वाली स्थिति में करने पर भी बातचीत हुई थी। इतना ही नहीं, पिछले महीने एनएसए अजीत डोभाल ने बीजिंग का दौरा किया था। इन बातचीत और मुलाकातों ने भारत और चीन के बीच रिश्तों को नया मुकाम दिया। इसका असर हुआ कि अब भारत और चीन के बीच रिश्ते सुधर रहे हैं। इसका एक और उदाहरण यह भी है कि चीन अब भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बन चुका है। पहले यह तमगा अमेरिका के पास था।

दिल्ली में आप के समर्थन में प्रचार करने उतरेंगे बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा

नई दिल्ली (ईएमएस)। तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में आम आदमी पार्टी के लिए प्रचार करते दिखाई देने वाले हैं। पार्टी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है। आप के सूत्र के अनुसार, आसनसोल से टीएमसी सांसद सिन्हा 1 और 2 फरवरी को करीब तीन निर्वाचन क्षेत्रों में आप के लिए प्रचार करने वाले है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र, मुख्यमंत्री आतिशी का कालकाजी निर्वाचन क्षेत्र और मनीष सिसोदिया का जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। टीएमसी का मानना है कि अभिनेता से नेता बने, जो बिहार से हैं, दिल्ली के पूर्वांचली मतदाताओं को एकजुट कर सकते हैं। शहर में पूर्वांचली एक प्रभावशाली मतदाता हैं। सूत्र ने कहा कि एक या दो और टीएमसी नेता दिल्ली में चुनाव प्रचार में शामिल हो सकते हैं। टीएमसी ने दिल्ली चुनाव के लिए आप को समर्थन दिया था, जहां भाजपा और कांग्रेस भी मैदान में हैं, इससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। टीएमसी और आप इंडिया ब्लॉक का हिस्सा हैं, जिसकी सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पार्टी न केवल भाजपा बल्कि कांग्रेस के खिलाफ भी अभियान चलाएगी, जो विपक्षी गठबंधन के भीतर बढ़ती दरार को दिखाता है।

पुणे में जीबीएस का प्रकोप, एक मरीज की मौत, केंद्र सरकार ने टीम भेजी

पुणे (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र के पुणे में जीबीएस संक्रमण फैल रहा है। अब तक पुणे में 111 मरीज पाए गए हैं। इनमें 1 मरीज की मौत हो गई है। इसके अलावा सोलापुर और कोल्हापुर में दो-दो मरीज मिले हैं। जबकि नागपुर में 6 मरीज मिले हैं। जीबीएस रोग के बढ़ते प्रसार को देखते हुए केंद्र सरकार द्वारा भी कदम उठाए गए हैं। केंद्र सरकार ने जीबीएस बीमारी के संबंध में एक केंद्रीय टीम नियुक्त की है। यह दल महाराष्ट्र आ चुका है। बताया गया है कि केंद्र सरकार ने गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के मामलों से निपटने में राज्य की सहायता के लिए एक उच्च स्तरीय और बहु-विषयक टीम महाराष्ट्र भेजी है। जीबीएस के संदिग्ध और पुष्ट मामलों में वृद्धि को देखते हुए, राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह और सहायता देने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम पुणे भेजी गई है। पुणे में इस समय गिलियन-बैरे सिंड्रोम का प्रकोप है और नागरिकों में भय का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि

केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली, निम्हान्स, बेंगलुरु, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के सात विशेषज्ञ शामिल हैं।

पुणे स्थित एनआईवी के तीन विशेषज्ञ स्थानीय प्रशासन की सहायता कर रहे हैं।

यह टीम राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जमीनी स्थिति का आकलन करेगी तथा आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की सिफारिश करेगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर नजर रख रहा है और राज्य के साथ समन्वय करके सक्रिय कदम उठा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री ने समीक्षा की, स्वास्थ्य अधिकारियों को जारी किए निर्देश

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबीटकर और विभागीय आयुक्त डॉ. पुलकुंडवार ने राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग और पुणे महानगरपालिका के अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा की। आज तक इस रोग के 111 मामले सामने आए हैं तथा ससून अस्पताल द्वारा सोमवार को दी गई सूचना के अनुसार 10 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। मरीज मुख्य रूप से पुणे मनपा क्षेत्र के सिंहगढ़ रोड, खड़कवासला, किरकिटवाडी, नांदेड़गांव, नांदेड़ सिटी, धायरी, आंबेगांव से हैं, जबकि कुछ मरीज पिंपरी चिंचवड़ मनपा और अन्य जिलों से हैं। स्वास्थ मंत्री ने निर्देश दिया है कि इन मरीजों का उचित तरीके से पता लगाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि वे समझ सकें कि इस बीमारी का कारण क्या है। रोगियों की दैनिक संख्या और ठीक होने वाले रोगियों की संख्या को हर शाम बिना चूके अद्यतन किया जाना चाहिए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और मनपा संपर्क अधिकारी नियुक्त करें जो उन अस्पतालों से संपर्क करें जहां मरीज उपचार करा रहे हैं। बोतलबंद पानी के नमूनों का परीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा किया जाना चाहिए। इस दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि मनपा के स्वास्थ्य विभाग जार में बिकने वाले पानी का निरीक्षण करें।

170प्र. बढ़ी कांग्रेस की इनकम, बीजेपी की हुई रिकॉर्ड कमाई, ईसी ने जारी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट

पुणे (एजेंसी)। चुनाव आयोग के पास दाखिल पार्टी की हालिया वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा की सालाना कमाई 2022-23 में 2360.8 करोड़ रुपये से 83त्न बढ़कर 2023-24 में 4340.5 करोड़ रुपये हो गई है। जिसमें से 1685.6 करोड़ रुपये चुनावी बॉन्ड के माध्यम से आए। यह किसी भी पार्टी के ज़रिए घोषित बॉन्ड से अब तक की सबसे ज्यादा कमाई है। भारत के चुनाव आयोग ने डेटा उपलब्ध कराया जिससे पता चला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपाके पास 7,113.80 करोड़ रुपये की भारी नकदी और बैंक बैलेंस है। 31 मार्च 2024 तक 857.15 करोड़ रुपये के साथ भारत की दूसरी सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी कांग्रेस है।

बीजेपी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए

चुनाव आयोग को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भगवा पार्टी ने 2023-24 के दौरान 1,754.06 करोड़ रुपये खर्च किए, जब लोकसभा चुनावों की घोषणा हुई, जो 2022-23 में खर्च किए गए 1,092 करोड़ रुपये से 60 प्रतिशत अधिक है। 16 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई।

कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किये

दूसरी तरफ, सबसे पुरानी पार्टी ने 2023-24 के दौरान 619.67 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि 2022-23 में 192.56 करोड़ रुपये खर्च किए। चुनाव आयोग की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट से पता चला है कि भाजपा को 2023-24 के दौरान अब प्रतिबंधित चुनावी बांड के माध्यम से 1,685.69 करोड़ रुपये का स्वैच्छिक योगदान प्राप्त हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यह 1294.15 करोड़ रुपये था। सत्तारूढ़ दल ने वर्ष के दौरान 2,042.75 करोड़ रुपये का अन्य योगदान भी प्राप्त किया है, जबकि पिछले वर्ष 2022-23 में 648.42 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ था। चुनाव आयोग को अपनी ऑडिट रिपोर्ट में कांग्रेस ने 2023-24 के दौरान कुल 1,225.11 करोड़ रुपये का योगदान प्राप्त किया है, जिसमें अनुदान, दान और अंशदान के माध्यम से 1129.67 करोड़ रुपये शामिल हैं।

प्रदूषण के चलते मुंबई में डीजल-पेट्रोल गाड़ियां होंगी बैन? सरकार ने की कमेटी गठित

-सात सदस्यीय कमेटी तीन महीने में सौंपेगी अपने सुझाव, एक्सपर्ट्स भी होंगे शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के चलते मुंबई महानगर पालिका क्षेत्र में डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 7 सदस्यों की एक कमेटी गठित की है, जो तीन महीने में अपने सुझाव पेश करेगी। 22 जनवरी को जारी आदेश के मुताबिक रिटायर्ड आईएएस सुधीर श्रीवास्तव कमेटी को लीड करेंगे। इसमें ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, जॉइंट पुलिस कमिश्नर ट्रैफिक, महानगर गैस लिमिटेड के एमडी, पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर, सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (के अध्यक्ष और जॉइंट ट्रांसपोर्ट कमिश्नर सदस्य शामिल होंगे।

आदेश के मुताबिक कमेटी स्टडी के लिए अलग-अलग एक्सपर्ट्स को भी पैनल में शामिल कर सकती है। मुंबई महानगर में पड़ोसी ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिले के क्षेत्र भी शामिल हैं। यानी डीजल-पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध को लेकर इन इलाकों में भी स्टडी की जाएगी। कोर्ट ने बृहन्मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल करने वाली शहर की बेकरी एक साल की समय सीमा के बजाय 6 महीने में गैस या अन्य हरित ईंधन का इस्तेमाल करना शुरू करें।

कोर्ट ने कहा था कि अब से कोयले या लकड़ी पर चलने वाली बेकरी या इस तरह के व्यवसाय खोलने के लिए मंजूरी नहीं देगी। नए लाइसेंस इस शर्त का पालन करने के बाद दिए जाएंगे कि वे केवल हरित ईंधन का इस्तेमाल करें। इसके बाद राज्य सरकार ने मुंबई महानगर क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुमति देने पर स्टडी करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक्सपर्ट्स कमेटी बनाई है। कोर्ट ने बीएमसी और एमपीसीबी को निर्माण स्थलों पर प्रदूषण इंडिकेटर्स लगाने का भी निर्देश दिए हैं।

देश में धड़ल्ले से क्रेडिट कार्ड से खर्च कर रहे लोग, सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई ।

भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है, जबकि 2023 की समान अवधि में यह आंकड़ा 26 प्रतिशत के पास था। इसकी वजह ग्राहकों द्वारा अपनी खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा क्रेडिट कार्ड से अधिक खर्च करना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की रिटेल क्रेडिट ग्रोथ में सितंबर 2024 को समाप्त हुई तिमाही में हल्की नरमी देखने को मिली है। इसकी वजह लोन मांग वृद्धि की दर में सामान्य गिरावट और अधिकांश लोन उत्पादों में क्रेडिट की आपूर्ति में कमी होना है।

एक आर्थिक जानकार ने बताया कि क्रेडिट कार्ड पर खर्च में मजबूत वृद्धि उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दिखाती है। यह केवल लेनदेन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि क्रेडिट तक आसान पहुंच को भी दिखाती है। यह लेंडर्स के लिए एक मौका हो सकता है कि वे इसतरह के उपभोक्ताओं की पहचान करें जिन्हें अपने उपभोग के लिए अतिरिक्त लोन की आवश्यकता है और उन्हें बेहतर और किफायती समाधान उपलब्ध कराएं। रिपोर्ट के अनुसार, पर्सनल लोन में सालाना आधार पर दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि सितंबर 2024 में 11 प्रतिशत रही है। यह वृद्धि दर पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 32 प्रतिशत से काफी कम है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि दोपहिया वाहनों और प्रॉपर्टी के बदले लोन में भी मजबूत वृद्धि दिखाई दी है। जानकार ने सुझाव दिया, बाजार की बदलती परिस्थितियों का मतलब है कि लेंडर्स को रिटेल लोन वृद्धि के लिए टारगेटेड एप्रोच अपनाने की आवश्यकता है।

चीनी एआई स्टार्टअप से अमेरिकी शेयर बाजार में हलचल

न्यूयार्क ।

अमेरिकी शेयर बाजार में चीनी एआई स्टार्टअप डीपसीक की डीप लर्निंग तकनीक से बड़ी गिरावट आई। इसके परिणामस्वरूप नेस्डेक कम्पोजिट इंडेक्स 3 फीसदी से अधिक कम हो गया। नास्डैक में एनवीडिया कॉर्प के शेयर में 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उसका मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ डॉलर तक कम हो गया। तकनीकी कंपनियों में गिरावट के कारण एसएंडपी 500 टेक सेक्टर में 5.6 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। इसे लेकर मार्केट में निवेशकों की चिंता बढ़ी है। डीपसीक की क्षमता और कम लागत ने अमेरिकी टेक कंपनियों को चिंतित किया है। इसके अलावा, अमेरिका ने चीन को एडवांस्ड सेमीकंडक्टर तकनीक पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे इस दिशा में भी खतरा बना रहा है। हालांकि डीपसीक का उच्च प्रदर्शन और लोकप्रियता के कारण यह अमेरिकी टेक इंडस्ट्री को एक नए चुनौती दे रहा है। निवेशक अब इस स्थिति में सतर्क रहने के सुझाव पर ध्यान दें।

कुंभ को लेकर मोटी कमाई कर रही विमानन कंपनियां, किराए में 200 से 700 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने किराए को लेकर केंद्र से की मांग

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में श्रद्धालुओं को तांता लगा है, अब तक 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग कुंभ पहुंचे रहे हैं, बढ़ती भीड़ के साथ ही महाकुंभ पहुंचने के लिए फ्लाइट के किराए में भी जोरदार बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली या मुंबई से प्रयागराज जाने के लिए फ्लाइट टिकट इतना महंगा हो गया है कि इतने में आप सिंगापुर, दुबई या लंदन तक पहुंच जाएंगे। जी हां टिकट का दाम 50-60 हजार रुपये तक पहुंच गया है। महाकुंभ मेला में पवित्र स्नान के दिनों के लिए फ्लाइट टिकट में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली है। 13 जनवरी को शुरू हुए कुंभ में आने वाली 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, 3 को बसंत पंचमी और 12 फरवरी को माघ पूर्णिमा जैसी तारीखों पर दिल्ली और मुंबई से प्रयागराज जाने वाली फ्लाइट की टिकट की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। सामान्य दिनों में दिल्ली से प्रयागराज आने और जाने का किराया 10-12 हजार रुपये के बीच होता है, वहीं मुंबई से प्रयागराज का हवाई किराया भी 15000 रुपये है। लेकिन अमृत स्नान के दिन महाकुंभ के लिए दिल्ली से प्रयागराज आने और जाने का किराया 50,000 रुपये, वहीं मुंबई से प्रयागराज की फ्लाइट टिकट की कीमतें 50-60 हजार रुपये तक पहुंच गई हैं। जी हां, दिल्ली से लंदन का किराया 3 फरवरी के लिए 30 से 37 हजार रुपये के आस-पास है, जबकि दिल्ली से सिंगापुर इस तारीख को फ्लाइट टिकट 24-25 रुपये के आस-पास है। महाकुंभ के लिए फ्लाइट टिकट की कीमतों में ताबड़तोड़ बढ़ोतरी को लेकर अब मोदी सरकार से इन पर लगाम लगाने की आवाज उठी है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने रॉकेट की रफ्तार से बढ़ रहे महाकुंभ के लिए हवाई किरायों पर विराम लगाने की गुहार सरकार से लगा दी है। उन्होंने पोस्ट शेयर कर कहा है कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा और सुविधाओं का राज्य सरकार पूरा ध्यान रख ही रही है, लेकिन कुछ विमानन कंपनियां यात्रियों के बढ़ती संख्या का लाभ लेने के मकसद से हवाई किराए में बेतहाशा बढ़ोतरी कर रही हैं, जो अनुचित और अनैतिक है।

भारत में ईवी की ब्रिकी 30 से 35 प्रतिशत हो सकती, एक रिपोर्ट में खुलासा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) की हिस्सेदारी कुल बिक्री में वित्त वर्ष 30 तक बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो सकती है, जो कि 2024 में 7.4 प्रतिशत और 2019 में एक प्रतिशत से भी कम थी। इसकी जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि जीवाश्म ईंधनों से चलने वाले वाहनों की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में भी कुल वाहनों की बिक्री में अधिक रहेगी, लेकिन ईवी इसमें जबरस्त बढ़ोत्तरी करेगी।

रिपोर्ट में बताया गया कि वाहनों की कम संख्या होने के कारण भारत के पास तेजी से वृद्धि का एक अनोखा मौका है। ईवी कई लोगों की पहली कार हो सकती है। यह कुछ ऐसा ही होगा, जैसे भारत में 4जी के लिए 3जी को छोड़ा। इस वजह से कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 30 तक 30 से 35 प्रतिशत होगी। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक ड्राइव यूनिट, किसी भी ईवी का मुख्य आधार इनकी हिस्सेदारी कुल लागत में करीब 50 प्रतिशत की होती है। ओईएम अपनी बैटरी की 75 प्रतिशत जरूरतों को आउटसोर्स करते हैं, लेकिन बैकवर्ड इंटीग्रेशन के कारण वित्त वर्ष 30 तक यह घटक 50 प्रतिशत होगी।

वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट की ईवी बैटरी क्षमता प्राप्त करने के लिए करीब 500-600 अरब रुपये का पूंजीगत व्यय होने का अनुमान है।

इस दौरान चार्जिंग इंफ्रास्ट्रचर को बढ़ाने के लिए 200 अरब रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत का ईवी इंसेंटिव काफी अच्छा है। पीएम ई-ड्राइव विशिष्ट वाहन वर्गों को बढ़ावा देता है और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार को भी

भारतीय विमान रखरखाव, मरम्मत व संरक्षण राजस्व 50 फीसदी बढ़ने की उम्मीदः क्रिसिल

- राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ हो सकता है पार

मुंबई।

विमानन कंपनियों के अपने बेड़े का आकार बढ़ाने से पैदा हुई मांग के बीच भारतीय एमआरओ उद्योग को अगले वित्त वर्ष में 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने तीन एमआरओ परिचालकों पर आधारित एक अध्ययन में इस उत्थान की भविष्यवाणी की है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू विमान रखरखाव, मरम्मत और संरक्षण उद्योग का राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में 4,500 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जिसमें 2023-24 की तुलना में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होगी। एमआरओ कंपनियों को घरेलू एमआरओ कंपनियों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी और उनकी कार्यशील पूंजी का संभावित बढ़ना भी होगा। भारतीय एमआरओ कंपनियां मुख्य रूप से तीन प्रकार की सेवाएं प्रदान करती हैं - लाइन चेक, एयर फ्रेम चेक और पुनर्वितरण जांच। रिपोर्ट के अनुसार, इन सेवाओं में वृद्धि की संभावना है और नए विमानों के शामिल होने से भारतीय परिचालकों के हवाई बेड़े में वृद्धि देखने की उम्मीद है।

क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक ने बताया कि पुनर्वितरण जांच की वृद्धि के समय प्रेरित होने से सभी विमान घटकों पर जीएसटी इनपुट टैक्स कम होगा। इस सुधार से भारतीय एमआरओ कंपनियों की उदारि और व्यापकता में वृद्धि की उम्मीद है।

भारत-इंडोनेशिया के बीच व्यापार में 30 अरब डॉलर की हो सकती है वृद्धिः बाकरी

नई दिल्ली ।

इंडोनेशिया चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केएडीआईएन) के प्रमुख अनिंद्य बाकरी ने दूसरे देशों के साथ भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार की संभावनाओं के बारे में व्यापक चर्चा की। बाकरी ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार का हो सकता है बड़ा बढ़ता हुआ संबंध जिससे भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापार करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देश एक साथ मिलकर वृद्धि करेंगे और प्रभावी तरीके से विश्व की सेवा करेंगे। इस व्यापार के बड़े मौके को देखते हुए भारत और इंडोनेशिया के बीच सांस्कृतिक संबंध, व्यापार व निवेश संबंधों को गहरा करने में केंद्रित कंपनी बाकरी एंड ब्रदर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे पहले भारत और इंडोनेशिया के इस वर्ष व्यापार व निवेश पर कार्य समूह की दूसरी बैठक होगी, जिसमें दोनों देशों के व्यापार मंत्रियों के समाधान के लिए उम्मीद है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वक्ताओं ने ब्रिक्स देशों के साथ बातचीत की महत्वता को भी उजागर किया।

भारत में निवेश की घोषणाओं में 39 फीसदी की वृद्धि

वित्त वर्ष 25 के पहले 9 महीने में कुल निवेश 32 लाख करोड़

मुंबई । भारत के निवेश पारिस्थितिकी तंत्र और बाहरी वाणिज्यिक ऋण में पिछले कुछ वर्षों में कुछ बदलाव देखा जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने हाल ही में बताया है कि निवेश की घोषणाओं में वृद्धि हो रही है और निजी क्षेत्र का इसमें अहम योगदान है। वित्त वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों (अप्रैल से दिसंबर 2024) में कुल निवेश घोषणाएं 32.01 लाख करोड़ रुपये रही। यह पिछले साल की तुलना में 39 फीसदी अधिक है, क्योंकि वित्त वर्ष 24 में ये घोषणाएँ 23 लाख करोड़ रुपये थीं। इस वृद्धि से निवेश पर सकारात्मक रुझान दिख रहे हैं। निवेश घोषणाओं में निजी क्षेत्र का योगदान बढ़कर 70 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 24 में यह आंकड़ा 56 फीसदी था। इसका मतलब है कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में विश्वास मजबूत हो रहा है और कंपनियां ज्यादा निवेश करने के लिए तैयार हैं। मार्च 2024 तक भारतीय कॉर्पोरेट्स का कुल ग्रॉस ब्लॉक 106.50 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो मार्च 2020 में 73.94 लाख करोड़ रुपये था। पिछले 5 वर्षों में औसतन 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हर साल कॉर्पोरेट ग्रॉस ब्लॉक में हुआ है।

टियर 2 और टियर 3 बाजारों में 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे

भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारतीय छोटे शहरों के तेज विकास से साल 2033 तक टियर 2 और टियर 3 शहर के बाजारों में लगभग 24 मिलियन नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। इसका 75 प्रतिशत हिस्सा पुरुष और 25 प्रतिशत हिस्सा महिलाएं होंगी। विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद का अनुमान है कि भारत में पर्यटन उद्यम की जीडीपी अगले दशक में 7.1 प्रतिशत सालाना बढ़ेगी। वर्तमान में पर्यटन और आतिथ्य सेक्टर देश में रोजगार का लगभग 8 प्रतिशत योगदान करता है। रिपोर्ट के मुताबिक क्षेत्रीय खर्च 2034 तक 1.2 गुना बढ़ने की संभावना है और इससे देश में कुशल कार्यबल की मांग और अधिक बढ़ेगी। महामारी के प्रभाव के बाद अधिक कनेक्टिविटी और धार्मिक पर्यटन की लोकप्रियता के कारण टियर 2 और 3 शहर अब पर्यटन के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2028 तक, इस क्षेत्र से 59 बिलियन डॉलर का राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है और 2030 तक अस्थायी और स्थायी नौकरियां सृजित होंगी। धार्मिक पर्यटन केंद्र जैसे अयोध्या, वाराणसी, हरिद्वार और मथुरा इस वृद्धि का नेतृत्व कर रहे हैं। आगे बढ़ रहे शहरों में लखनऊ, जयपुर, कोच्चि और ऋषिकेश भी हैं। इन शहरों में नए ट्रेंड्स जैसे डेस्टिनेशन वेडिंग, एडवेंचर स्पोर्ट्स, इकोटूरिज्म और सांस्कृतिक पर्यटन भी उभर रहे हैं। इस क्षेत्र के विकास के लिए टूर गाइड, होटल स्टाफ और स्थानीय कारीगरों को अच्छे से प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गत दिवस की भारी गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ । सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसक्स 535.24 अंक करीब 0.71 फीसदी की बढ़ोतरी लेकर 76,190.46 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) भी अंत में 128.10 अंक तकरीबन 0.56 फीसदी ऊपर आकर 22,957.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी के 28 स्टॉक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, श्रीराम फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में रही। इनकी बढ़त 4.32 फीसदी तक रही जबकि सन फार्मा, हिंदाल्को, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और ग्रासिम के स्टॉक्स गिरावट के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए, जिनकी गिरावट 4.24 फीसदी तक रही।

बड़ी कंपनियों के बाजारों में मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.51 फीसदी और 1.81 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टोरल मार्केट में आज बैंकिंग शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी बैंक, पीएसबी (पब्लिक सेक्टर बैंक) और प्राइवेट बैंक इंडेक्स एक फीसदी से ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा बढ़ा, जबकि निफ्टी वित्तीय सेवाओं और वाहन इंडेक्स 1 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी एफएमसीजी आईटी फार्मा, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडेक्स गिरावट पर बंद हुए। इसमें 2.12 फीसदी तक गिरावट रही।

सेंसेक्स के शेयरों में, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। वहीं, सन फार्मास्युटिकल, लार्सन एंड टुब्रो, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एनटीपसी, पावर ग्रिड, नेस्ले इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एशियन पेंट्स के शेयरों में गिरावट रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान के टोक्यो का बाजार गिरावट पर रहा जबकि हांगकांग के बाजार में तेजी रही। सियोल और शंघाई के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोपीय बाजारों ने शुरुआती सत्र में बढ़त दर्ज की। ब्रिटेन का एफटीएसहई 100 इंडेक्स 0.55फीसदी, जर्मनी का डीएएक्स 0.44 फीसदी और पेरिस का सीएसी 40 0.33 फीसदी की बढ़त पर थे। वहीं अमेरिकी बाजार गत दिवस गिरावट के साथ बंद हुए थे। इससे पहले आज सुबह बढ़त के साथ शेयर बाजार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 370.49 अंकों की बढ़त के साथ 75,736.66 पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी50 106.10 अंकों की बढ़त के साथ 22,935.25 पर कारोबार करता दिखा।

डीपसीक के हमले से विश्व के अमीरों की संपत्ति में भारी गिरावट

-जुकरबर्ग और बेजोस को हुआ फायदा

मुंबई। चीनी एआई डेवलपर डीपसीक ने दुनिया भर के टॉप अमीरों की संपत्ति में भारी नुकसान कर दिया है। डीपसीक के हमले के कारण अमेरिका समेत अन्य देशों की शेयर मार्केट में गिरावट आई है। डीपसीक के हमले के परिणाम स्वरुप दुनिया के टॉप 500 अमीरों की संपत्ति में गिरावट आ गई है। उनकी नेटवर्थ कुल मिलाकर 108 अरब डॉलर कम हो गई है। इस हमले से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिकी शेयर मार्केट को हुआ है। अमेरिकी शेयर मार्केट में 3.1 फीसदी की गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप अमेरिकी अरबपतियों को भी भारी नुकसान हुआ है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा प्रभाव ओरेकल कॉर्प के को-फाउंडर लैरी एलिसन और एनवीडिया कॉर्प के को-फाउंडर जेन्सन हुआंग पर दिखा है। इन दोनों धनकुबेरों की संपत्ति में 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद भी कुछ टेक कंपनियों के अरबपति अपनी संपत्ति में इजाफा देख रहे हैं। इसके बावजूद यह हमला टेक सेक्टर के दिग्गजों को 94 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचा चुका है। सोमवार को हुई गिरावट के बाद मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति में बढ़ोतरी है जबकि जेफ बेजोस और बिल गेट्स भी इजाफा देख रहे हैं।

मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बिना लॉक-इन और एग्जिट चार्ज के निवेश का मौका

- निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा

नई दिल्ली ।

यूटीआई म्यूचुअल फंड ने अपना नया ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम 'यूटीआई निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स फंड - रेगुलर प्लान' लॉन्च किया है। यह फंड निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग टीआरआई को ट्रैक करता है, जो भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की कंपनियों का प्रदर्शन दर्शाता है। इसका उद्देश्य इंडेक्स की परफॉर्मेंस के अनुसार रिटर्न देना है, हालांकि ट्रैकिंग एरर के चलते कुछ अंतर हो सकता है। यह न्यू फंड ऑफर 28 जनवरी को लॉन्च हो गया और 10 फरवरी 2025 को बंद हो जाएगा। इस स्कीम की खासियत यह है कि इसमें कोई लॉक-इन पीरियड नहीं है और न ही एग्जिट लोड लगेगा। इसका मतलब है कि निवेशक कभी भी अपने पैसे निकाल सकते हैं, और इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। एनएफओ और प्लान्स में मिनिमम इन्वेस्टमेंट 1,000 रुपए है, जिसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट किया जा सकता है। फोलियो में दोबारा इन्वेस्टमेंट के लिए भी मिनिमम अमाउंट 1,000 रुपए है और 1 रुपए के मल्टीपल्स में आगे इन्वेस्ट किया जा सकता है। मैक्सिमम इन्वेस्टमेंट की कोई लिमिट नहीं है। यूनिट्स का अलॉटमेंट एप्लिकेबल स्टांप ड्यूटी और ट्रांजैक्शन चार्जेज डिडक्ट करने के बाद ही किया जाएगा। एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के ऑप्शन्स में डेली, वीकली और मंथली एसआईपी के लिए मिनिमम अमाउंट 500 रुपए है, जबकि क्वार्टरली एसआईपी के लिए 1,500 रुपए तय की गई है। दोनों ही केसेस में 1 रुपए के मल्टीपल्स में इन्वेस्टमेंट पॉसिबल है।

स्कोडा काइलैक अधिकारिक तौर पर भारत में डिलीवरी शुरू

रांची : स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी पहली सब-4-मीटर एसयूवी, काइलैक को भारत में आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह लॉन्च कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और तेजी से बढ़ते भारतीय एसयूवी बाजार में स्कोडा के लिए नए रास्ते खोलता है। यह गाड़ी भारत में स्कोडा के नए मॉडर्न सॉलिड डिजाइन लैंग्वेज का उदाहरण है, जिसमें मजबूती, कार्यक्षमता और प्रामाणिकता को प्राथमिकता दी गई है। ग्राहकों के लिए गाड़ी की टेस्ट ड्राइव और डिलीवरी आज से शुरू हो चुकी है। कंपनी डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कहा कि यह एसयूवी भारतीय बाजार में स्कोडा के विकास को नई दिशा देने के लिए पूरी तरह तैयार है। काइलैक की उपलब्धता स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए एक नए युग की शुरूआत का संकेत है। उन्होंने बताया कि यह गाड़ी सुरक्षा, बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव और अपने सेगमेंट के सबसे उन्नत फीचर्स का अद्भुत संयोजन है जो किफायती कीमत और उन्नत यूरोपीय तकनीक इसे भारतीय सड़कों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।काइलैक की लोकप्रियता इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक अहम भूमिका निभाएगी।

फेडरल बैंक का मुनाफा तीसरी तिमाही में पांच प्रतिशत घटा

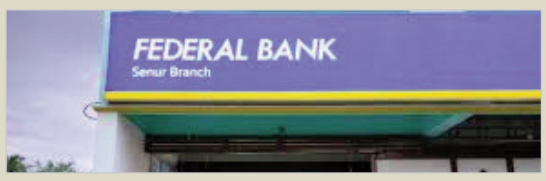

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में पांच प्रतिशत घटकर 955 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक ने 1,007 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 7,725 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,593 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज आय भी बढ़कर 6,809 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 5,730 करोड़ रुपये थी। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक का सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) सालाना आधार पर 2.29 प्रतिशत से सुधरकर 1.95 प्रतिशत हो गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए 0.64 प्रतिशत से घटकर 0.49 प्रतिशत हो गया।

अंडर-19 विश्व कप : तृषा की शतकीय पारी, भारत ने स्कॉटलैंड को 150 रन से रौंदा

तृषा अंडर 19 महिला टी20 विश्व कप में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनी

कुआलालंपुर (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज तृषा गोंगाडी ने अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप का पहला शतक जड़कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया जिससे भारत ने मंगलवार को यहां स्कॉटलैंड को 150 रन से करारी शिकस्त दी। सलामी बल्लेबाज तृषा ने 59 गेंद की नाबाद पारी में 13 चौके और चार छक्के की मदद से 110 रन की पारी खेली। उन्होंने पहले विकेट के लिए कमालिनि जी (42 गेंद में 51 रन) के साथ 147 रन की साझेदारी करने के बाद सानिका चालके (20 गेंद में नाबाद 29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन की अटूट साझेदारी की।

भारत ने ग्रुप एक के इस मैच में 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 14 ओवर में 58 रन पर आउट कर दिया। स्कॉटलैंड के लिए सलामी बल्लेबाज पिप्पा केली (12) और एम्मा वालसिंघम (12) शीर्ष स्कोरर रहीं। बायें हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला (आठ रन पर चार विकेट) की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने स्कॉटलैंड को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। वैष्णवी शर्मा ने पांच रन पर तीन विकेट लिये जबकि बल्ले से कमाल करने वाली तृषा ने छह रन देकर तीन बल्लेबाजों को चलता किया।

ग्रुप के अन्य मैच में बांग्लादेश ने अपने अभियान का अंत सुपर सिक्स चरण में वेस्टइंडीज पर 10 विकेट की जीत के साथ किया। वेस्टइंडीज को छह विकेट पर 54 रन पर रोकने के बाद बांग्लादेश ने जुएरिया फिरदौस के नाबाद 25 रन की मदद से 13 ओवर में जीत दर्ज की। इस जीत से टीम ग्रुप एक में तीसरे स्थान पर रही। ग्रुप दो में बारिश के कारण दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका का मैच शुरू हुए बिना रद्द हो गया। दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। इस मैच से एक अंक मिलने के बाद अमेरिका ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया।

दिनेश कार्तिक ने धोनी को पछाड़ा, सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बने

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक जो वर्तमान में SA20 2025 में पार्ल रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। 39 वर्षीय कार्तिक 27 जनवरी को डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 15 गेंदों पर 21 रन बनाकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपर बन गए।

कार्तिक ने अब टी20 में 361 पारियों में 7,451 रन बनाए हैं और इस तरह उन्होंने भारत के दिग्गज विकेटकीपर एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने अब तक 342 पारियों में 7,432 रन बनाए हैं। धोनी के पास आगामी आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए इस रिकॉर्ड को फिर से अपने नाम करने का मौका होगा।

कार्तिक अब टी20 में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले भारतीय विकेटकीपरों में सबसे आगे हैं, लेकिन आईपीएल में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपरों का रिकॉर्ड अभी भी धोनी के नाम है। लीग में धोनी के नाम 5,125 रन हैं और दूसरे नंबर पर कार्तिक हैं जिनके नाम 4,463 रन हैं।

एसए20 में कार्तिक की टीम पार्ल रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक अपने 8 में से 7 मैच जीते हैं और फिलहाल 28 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि पार्ल रॉयल्स हाल ही में फ्रैंचाइजी क्रिकेट में पहली ऐसी टीम भी बनी है जिसने अपने सभी ओवर केवल स्पिनरों से ही कराए।

आजकल घरेलू क्रिकेट से लय हासिल कर रहे शुभमन

बेंगलुरु (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल पिछले कुछ समय से अपनी नाम के अनुरुप बल्लेबाजी नहीं कर पा रहे हैं। इसी को लेकर शुभमन का कहना है कि वह कई बार बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर जरुरत से ज्यादा दबाव ले लेते हैं। शुभमन आजकर रणजी ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी को निखारने में लगे हैं। शुभमन ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को बेहतर स्थिति में भी पहुंचाया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन खराब रहा था। वह 5 पारियों में 18.60 के खराब औसत से 93 रन ही बना पाए थे। अपनी फार्म को लेकर शुभमन ने कहा कि मुझे लगता है कि जिस तरह से मैंने खेला, रणजी की पारी मेरे लिए बहुत संतोषजनक थी। मुझे लगता है कि हम किसी भी स्तर पर कोई भी पारी खेलें, रन बनाने, फॉर्म में वापस आने और वैसा महसूस करने में सक्षम होना बहुत महत्वपूर्ण है। जब आप उस क्षेत्र में रहते हुए अच्छा खेल रहे हों, तो उसमें बने रहना महत्वपूर्ण है वह क्षेत्र जितना संभव हो सके उतना लंबा था और जब मैं वहां बल्लेबाजी कर रहा था तो मैं यही करने की कोशिश कर रहा था।

हालांकि वह अभी भी टेस्ट क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, उनका कहना है कि बड़ा स्कोर बनाने का दबाव बहुत अधिक हो जाता है और इससे उनका ध्यान और एकाग्रता खो जाती है। उन्होंने अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की क्षमता पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी, मुझे लगता है कि लाल गेंद से मैं जो मैच खेलता हूं उनमें मुझे बहुत अच्छे 25-30 रन मिलते हैं। उन्हें बड़े स्कोर में बदलने के लिए कई बार मैं अपने ऊपर बहुत अधिक दबाव ले लेता हूं। मैं इस तरह से अपना खेल खेलते हुए बड़ा नहीं हुआ हूं। शुभमन का 32 टेस्ट और 59 पारियों के बाद टेस्ट औसत सिर्फ 35.05 है। उन्होंने अपने करियर में 5 शतक, 7 अर्धशतक और 128 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ 1,893 रन बनाए हैं। वहीं अपनी 59 में से 34 टेस्ट पारियों में वह 20 से ज्यादा रन नहीं बना पाए।

जसप्रीत बुमराह ने जीता 'सर गारफील्ड सोबर्स' अवॉर्ड, आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर रचा नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतकर नया कीर्तिमान रचा है। उन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2024 बनाकर नया कार्तिमान रच दिया। वह प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड जीतने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। बुमराह ने पिछले साल कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 2024 में सबसे ज्यादा 86 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 71 विकेट झटके। उन्होंने 2024 का आईसीसी पुरुष टेस्ट क्रिकेट ऑप द ईयर पुरस्कार भी अपने नाम किया है। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड, इंग्लैंड के दिग्गज जो रूट और युवा क्रिकेटर हैरी ब्रूक को पछाड़ा है। ये ट्रॉफी एक साल में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटर को दी जाती है। पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड का नाम दुनिया के महान क्रिकेटर्स में से एक गारफील्ड सोबर्स के नाम पर रखा गया है। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर को को गैरी सबोर्स के नाम से भी जाना जाता है। जसप्रीत बुमराह से पहले भारत के लिए राहुल द्रविड़ के अलावा सचिन

तेंदुलकर, रवि अश्विन और विराट कोहली ने प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार जीता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को विराट कोहली ने 2 बार जीता। लेकिन ये पहली बार हुआ है जब किसी भारतीय तेज गेंदबाज ने सर गारफील्ड सोबर्स पुर्सकार जीता हो। बता दें कि, सर गारफील्ड पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय राहुल द्रविड़ हैं। राहुल द्रविड़ को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2024 से नवाजा गया था। इसके बाद सचिन तेंदुलकर को सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार 2010 से सम्मानित किया गया। वहीं रवि अश्विन ने साल 2026 में सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार अपने नाम किया। जबकि विराट कोहली ने लगातार 2 साल 2017 और 2018 में ये अवॉर्ड अपने नाम किया।

रोहित , यशस्वी ओर श्रेयस अब रणजी मुकाबले नहीं खेलेंगे

मुंबई। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी के बाकि मैचों में नहीं खेलेंगे। इन तीनो को आगामी चैम्पियंस ट्रॉफी की तैयारियों को देखते हुए रणजी ट्रॉफी से रिलीज कर दिया गया है। रोहित एकदिवसीय और चैम्पियंस ट्रॉफी में उतरने वाली भारतीय टीम के कप्तान हैं। वहीं यशस्वी और अय्यर भी इस टीम का हिस्सा हैं। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक अधिकारी ने कहा कि अब ये तीनो ही भारतीय टीम से जुड़ेंगे। रोहित पिछले काफी समय से लय में नहीं हैं। मुम्बई की ओर से खेले एकमात्र रणजी मैच में भी वह उन बनाने में असफल रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी उनका बल्ला खामोश रहा था। इसेक बाद से ही वह आलोचन शिकार हुए थे। ऑस्ट्रेलिया में तीन मैचों में वह 31 रन ही बना पाए। रोहित को कुछ दिग्गज खिलाड़ियों ने टीम से बाहर किये जाने को कहा था। रोहित ऑस्ट्रेलिया में अंतिम टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये थे और उनके इस फैसले की सभी ने तारीफ की थी।

नेमार के साथ अनुबंध आपसी सहमति से समाप्त कर दिया गया : अल-हिलाल क्लब

रियो दि जिनेरियो। सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल ने कहा है कि उसकी स्ट्राइकर नेमार के साथ आपसी सहमति से अनुबंध समाप्त करने के लिए सहमति बनी है। किसी भी पक्ष ने अनुबंध समाप्त करने के विवरण की पुष्टि नहीं की। कभी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले ब्राजील के 32 वर्षीय नेमार ने क्लब के लिए केवल सात मैच खेले जिसमें उन्होंने केवल एक गोल किया और दो गोल करने में मदद की। एसीएल (पैर की चोट) चोट के कारण अक्टूबर 2023 से बाहर रहने के बावजूद बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन टीम के पूर्व खिलाड़ी नेमार को पिछले सत्र में सऊदी लीग जीतने वाली टीम में शामिल किया गया था। इस साल के फीफा क्लब विश्व कप में अल-हिलाल के हिस्सा लेने के बाद नेमार के साथ उनका करार समाप्त होने वाला था। क्लब विश्व कप 15 जून से 13 जुलाई के बीच अमेरिका में खेला जाएगा। क्लब ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया चैनलों पर प्रकाशित एक बयान में कहा कि वह नेमार के प्रति आभार व्यक्त करता है और उनकी प्रशंसा करता है। स्ट्राइकर नेमार अगस्त 2023 में पेरिस सेंट जर्मेन से सऊदी क्लब में नौ करोड़ यूरो (नौ करोड़ 40 लाख डॉलर) में शामिल हुए। यह उन कई करार मेंसे एक था जिसने अरब देश को दुनिया के नए बड़े फुटबॉल बाजारों में से एक बना दिया। लेकिन नेमार को अपने करियर की सबसे गंभीर एसीएल चोट लग गई जब वह अल-हिलाल में शामिल होने के कुछ ही महीनों बाद ब्राज़ील के लिए खेल रहे थे।

कोंस्टास नहीं हेड करेंगे श्रीलंका के खिलाफ पारी की शुरुआत : स्मिथ

गॉल। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की कप्तानी कर रहे स्टीव स्मिथ ने कहा है कि बुधवार से मेजबान श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ ट्रेविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। वहीं पहले माना जा रहा था कि युवा सैम कोंस्टास ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर उतरेंगे। स्मिथ ने कहा कि पिच की लगातार बदलती प्रकृति के कारण वह अभी तक अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों को लेकर फैसला नहीं कर पाये हैं। कोंस्टास ने बॉर्डर गावस्कर सीरीज में अपने पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे के अंतिम दो टेस्ट मैचों में चोटिल सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जगह उतरते हुए हेड ने जिस प्रकार को प्रदर्शन किया था उससे वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्थापित हो गये थे। स्मिथ ने अंतिम प्री-टेस्ट प्रशिक्षण सत्र से पहले कहा, ट्रैविस शीर्ष पर जाएगा, मुझे लगता है कि इसके अलावा यह काफी स्थिर रहेगा। मुझे नहीं लगता कि टीम में बहुत ज्यादा बदलाव होगा। चयनकर्ताओं को भारत में जो कुछ देखने को मिला, वह उन्हें पसंद आया, जब भी हेड को अवसर मिला। वह नई गेंद के पीछे गया, तेज़ी से रन बनाए और गेंदबाजों पर दबाव बनाया, इसलिए मुझे लगता है कि यहां भी यही सोच रहेगी है। अभी ये तय नहीं है कि कोंस्टास मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उतरेंगे। मध्य-क्रम की खाली जगह के लिए उनका मुकाबला नाथन मैकस्वीनी और जोश इंगलिस से हैं।

पार्ल रॉयल्स की एसएफ20 में रिकॉर्ड जीत, डरबन्स सुपर जाइंट्स बाहर

पार्ल (एजेंसी)। पार्ल रॉयल्स ने एसएफ20 लीग में डरबन्स सुपर जाइंट्स (डीएसजी) को छह विकेट से हराकर घरेलू मैदान पर सभी पांच मैच जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। यह पहली बार है जब प्रतियोगिता के लीग चरण में कोई टीम घरेलू मैदान पर अजेय रही है। डीएसजी की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई है क्योंकि पिछले सत्र की उप विजेता टीम अब प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकती।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे सुपर जाइंट्स ने 33 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे लेकिन मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 55) के नाबाद अर्धशतक और केन विलियमसन (45) के साथ उनकी 53 रन की साझेदारी की बदौलत टीम सात विकेट पर 143 रन बनाने में सफल रही। रॉयल्स की ओर से ब्योर्न फोरटुइन ने 20 जबकि क्रेन मफाका ने 22 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए।

रॉयल्स ने इसके जवाब में रूबिन हरमन की 59 रन की पारी और हुआन ड्रे-प्रिटोरियस (43) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 91 रन की साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 147 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस जीत से रॉयल्स की टीम आठ मैच में सात जीत से 28 अंक के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर बरकरार है। डीएसजी की टीम नौ मैच में सिर्फ एक जीत से आठ अंक के साथ अंतिम पायदान पर है।

आईपीएल में गलत टीम से खेले डिविलियर्स : मांजरेकर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे। डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरेकर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

श्रीलंका के खिलाफ इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेंगे : हेड

कोलंबो (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के के उप-कप्तान ट्रैविस हेड ने कहा है इस माह के अंत में श्रीलंका दौरे में उनकी टीम इस प्रकार के बदलावों के साथ उतरेगी। दोनो ही टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 29 जनवरी से गॉल शुरु होगी। इस सिरीज से पैट कमिंस के बाहर होने के कारण अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। हेड ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं इस समय किस क्रम पर बल्लेबाजी करने जा रहा हूं। हम देखेंगे कि अगले कुछ दिनों में विकेट कैसा रहता है। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे कि क्या बदलाव आते हैं। मुझे लगता है कि हमारी टीम में शामिल खिलाड़ी काफी अनुभवी है और इसमें कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जो विभिन्न भूमिकाओं और विभिन्न हालातों में ढ़ल सकते हैं, हम अलग-अलग लोगों को शामिल कर सकते हैं। ये सवाल उठ रहा है कि ऑस्ट्रेलिया को पारी की शुरुआत के लिए इस सीरीज में उस्मान ख्वाजा के साथ युवा सैम कोंस्टास को भेजना ठीक रहेगा या नहीं इसी को लेकर हेड ने कहा, हम बस इतना करने का प्रयास कर रहे हैं कि टेस्ट मैच जीतने के लिए क्या लचीलापन हो सकता है और उसी पर ध्यान देंगे। इस समय बहुत से लोग जानना है रहे है कि मैं कहां बल्लेबाजी कर सकता हूं, पर ये हालातों पर आधारित रहेगा। ये सभी खिलाड़ियों के साथ होगा। मुझे लगता है कि यह टीम काफी अनुभवी है और एक बेहतरीन स्थिति में है, जहां खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर हर जगह पर उतरने के लिए तैयार रहेंगे। हम इंतजार करेंगे और देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने जब 2022 में श्रीलंका का दौरा किया था तब हेड ने तीन पारियों में बल्ले से सिर्फ 7.66 का औसत बनाया था और उन्हें नागपुर में भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट से बाहर रखा गया था। लेकिन वह भारत में अगले तीन टेस्ट में 47 का औसत बनाने में सफल रहे जिसमें इंदौर में मैच जीतने वाली पारी भी शामिल है। अब श्रीलंका लौटने पर हेड ने कहा कि 2022 की तुलना में अब वह एक बदले हुए बल्लेबाज हैं। हेड ने कहा, मैं पिछली बार यहां और पाकिस्तान में थोड़े बदलाव से गुजरा था। मैंने थोड़ा और पारंपरिक खेलने का प्रयास किया। वह भारतीय सीरीज ऐसी थी जो एक या दूसरे तरीके से जा सकती थी। मैं अच्छा नहीं खेलता, और शायद मैं फिर कभी उपमहाद्वीप का दौरा न देखूं। या मैं वहां जाकर वही करूं जो मैं पिछले कुछ सालों से कर रहा हूं और थोड़ा अधिक आराम से खेलूं और इस बारे में चिंता न करूँ कि परिणाम क्या हो सकता है।

आईसीसी पर भड़के चैपल , मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार करा रहे

-दो-स्तरीय प्रणाली अब तक लागू हो जानी चाहिये थी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कामकाज के तरीके की कड़ी आलोचना की है। चैपल ने कहा कि आईसीसी क्रिकेट को बढ़ावा देने की जगह पर एक एक 'इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरह काम कर रही है। चैपल के अनुसार आईसीसी की इसी कमजोरी का लाभ उठारक आर्थिक रूप से मजबूत बोर्ड अपने अनुसार कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं पर इससे टेस्ट क्रिकेट को नुकसान हो रहा है। चैपल का यह भी मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए अब तक दो-स्तरीय प्रणाली लागू कर देंनी चाहिए थी पर ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अन्य अहम कदम भी उठाए जाने चाहिए थे पर आईसीसी ने अब तक ऐसा कुछ नहीं किया है।

चैपल ने कहा कि द्विस्तरीय टेस्ट प्रणाली को लेकर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाजी चैंपियन माइकल होल्डिंग ने कहा था, अपनी सभी गलतियों के बावजूद फीफा कम से कम फुटबॉल का संचालन तो ठीक से करता है पर आईसीसी ऐसा नहीं कर रहा। उन्होंने कहा कि इससे खेल में मुशिलें आ रही हैं। आईसीसी क्रिकेट का सही से संचालन नहीं करती है और जब तक उसकी सोच में बदलाव नहीं आता है तब तक आर्थिक रूप से संपन्न देश अपने स्वार्थ के लिए उसके जरिये कार्यक्रम तैयार करते रहेंगे।

चैपल ने हालांकि माना की भारत से क्रिकेट की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान होता है और आईसीसी में उसकी मजबूत उपस्थिति इस योगदान के कारण ही है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को दो भागों में विभाजित करने की जरुरत है। जिससे भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के अवसर मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के बेहतरीन कप्तानों में से एक चैपल का मानना है कि कुछ मानदंडों के साथ टीमों के लिए शीर्ष श्रेणी में आने और निचली श्रेणी में फिसलन की प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो स्तरीय टेस्ट प्रणाली काफी पहले ही लागू हो जानी चाहिए थी क्योंकि कुछ टीमें ही पांच दिवसीय प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। चैपल ने इसके साथ ही कहा कि अफगानिस्तान और आयरलैंड जैसे देशों को टेस्ट दर्जा नहीं दिया जाना चाहिए था लेकिन स्वार्थवश यह कदम उठाया गया।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु होने की घोषणा की

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की घोषणा के बाद ही 19 फरवरी से होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरु हो गयी है। प्रशंसकों को टिकटों के लिए आईसीसी की अधिकारिक वेबसाइट पर पहले पंजीकरण करना होगा। आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने कहा, 'हम आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए आधिकारिक टिकटों की बिक्री की घोषणा शुरु करने को लेकर उत्याहित हैं। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सबसे कम कीमत का टिकट 1000 पाकिस्तानी रुपए (लगभग 310 भारतीय रुपये) रखा है जबकि 'प्रीमियम सीटिंग टिकट की सबसे कम कीमत कीमत 1500 पाकिस्तान रुपए (लगभग 465 भारतीय रुपये) रहेगी। 9 मार्च को आयोजित होने वाले फाइनल का टिकट दुबई में खेले जाने वाले पहले सेमीफाइनल के समापन के बाद खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के आधार पर कर रहा है। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होंगे। पाकिस्तान चरण के लिए टिकटों की बिक्री आज शुरु हुई पर अभी तक मेजबान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) स्टेडियमों का नवीनीकरण कार्य तक पूरा नहीं करा पाया है। पाकिस्तान को 30 जनवरी को स्टेडियमों को आईसीसी को सौपना है पर कराची, लाहौर और रावलपिंडी के ये आयोजन स्थल अब तक पूरी तरह से तैयार नहीं हुए हैं। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे और उनके लिए टिकटों की ब्रिकी अभी शुरु नहीं हुई है। वहीं पीसीबी ने इस खबरों को गलत बताया है जिसमें कहा गया है कि रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम और कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में निर्माण कार्य में देरी के कारण इस स्थलों पर होने वाले मैच देश से बाहर कराये जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

समाहरणालय परिसर में निःशुल्क बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल का वितरण

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। समाहरणालय परिसर में आयोजित शिविर में उपायुक्त नैंन्सी सहाय के कर-कमलों से डी.एम.एफ.टी. मद से जिलान्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों के 60 दिव्यांगजनों को निःशुल्क बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल वितरण किया गया है। वितरण के दौरान उपायुक्त महोदया द्वारा बताया गया कि जनता दरबार में प्राप्त होने वाले आवेदन के आधार पर तृतीय चरण में आज 60 दिव्यांगजनों को बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल का वितरण किया जा रहा है। पूर्व में दो चरणों में 10-10 दिव्यांगजनों को बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल का वितरण किया गया है। जिला प्रशासन का यह प्रयास है कि दिव्यांग छात्र-छात्राओं, विभिन्न व्यवसाय से जुड़े दिव्यांगजनों एवं अन्य को उनके दैनिक कार्य के निष्पादन में सहयोग हो। वितरण के दौरान इश्तियाक अहमद, उप विकास आयुक्त, हजारीबाग, पंकज तिवारी, जिला योजना पदाधिकारी, हजारीबाग एवं शिप्रा सिन्हा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग एवं डी.एम.एफ.टी. तथा समाज कल्याण विभागीय कर्मी उपस्थित थे।

हजारीबाग कार्मल स्कूल में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। सोमवार को हजारीबाग कार्मल स्कूल में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें गौरवान्वित माता-पिता संकाय सदस्यों और विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रत्येक विद्यार्थियों के लिए विशेष अवसर प्रदान किया गया। समारोह की शुरुआत स्नातक के जुलूस से हुई इसके बाद दीप प्रौद्योगिकी किया गया और आकांक्षा और परी मेहता द्वारा सम्मान भाषण दिया गया और सदफ प्रवीण ने धन्यवाद ज्ञापन किया आपको बताते चले की स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में को अपनी एक अलग पहचान बनाई है साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रमों को बराबर अपने स्कूल में करके लोगों को और भी प्रोत्साहित करती है छात्रों को उनके शैक्षणिक सफर के समापन के अवसर पर पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिए गए साथ ही स्नातक को और उनकी उपलब्धियां पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है प्राचार्य सिस्टर सविता मेरी ऐसी ने कहा की यह प्रोग्राम उनकी कड़ी मेहनत,समर्पण और दृढ़ता का जश्न है स्नातक समारोह शैक्षणिक उत्कृष्ट का और चरित्र के विकास के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता का प्रमाण था इस आवश्यक पर स्कूल की उप्राचार्य सिस्टम सोफिया मेरी ऐसी सिस्टर अलबेला ऐसी और सिस्टर रेनू ए उपलब्ध थी और उन्होंने छात्रों को बधाई दी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत कर्यक्रम हुआ आयोजन

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत उपायुक्त से अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार सी. एम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस गर्ल्स में अध्ययनरत् 40 छात्राओं को शैक्षणिक परिभ्रमण एवं जागरूकता हेतु महिला थाना, चाईल्ड हेल्पलाईन, बाल कल्याण समिति, बाल विकास परियोजना कार्यालय, हजारीबाग सदर (शहरी), सखी-वन स्टॉप सेन्टर, शक्ति सदन का परिभ्रमण कराया गया। परिभ्रमण के दौरान उपरोक्त सभी संस्थानों के प्रधान/कर्मियों द्वारा संस्था के कार्यकलाप, महिला एवं बच्चों की सुरक्षा, देखभाल एवं उत्थान हेतु किये जा रहे जिला प्रशासन द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। बालिकाओं के शैक्षणिक परिभ्रमण के दौरान सम्बन्धित विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिका एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय से अनुभा श्वेता होरो, महिला पर्यवेक्षिका तथा राकेश कुमार सिंह, विधि -सह- परिवीक्षा पदाधिकारी उपस्थित रहे। शैक्षणिक परिभ्रमण में सम्मिलित बालिकाओं द्वारा शैक्षणिक परिभ्रमण को अत्यंत ही लाभकारी एवं ज्ञानवर्धक बताया गया।

रेल लाईन निर्माण में लगे संवेदक ने छह घरों पर चलाया बुलडोजर

चतरा/बिभा संवाददाता। दटंडवा अंचल क्षेत्र के बुकरू मौजा स्थित एक भुखंड पर बने लगभग छह घरों पर रेलवे प्रबंधन ने प्रशासन के मौजुदगी में डोजर चलाकर घरों को ध्वस्त कर दिया। इससे घरों मे निवास कर रहे लोगों को हजारो रुपये की आर्थिक क्षति होने के साथ घर में रखे समान मलवे मे दब जाने से बर्बाद हो गया। रेल लाइन निर्माण में लगे संवेदक के जरिये इस कार्रवाई से रैयतों में नाराजगी है। भुक्त भोगियों मे मसो टहली देवी, लक्ष्मण साव, भोला साव, दामोदर साव, रमन साव, रोहन साव आदि ने बताया कि हमलोग को घर तोड़े जाने की सूचना रेलवे प्रवंधन या स्थानीय प्रशासन के जरिये नहीं दी गई। लोगों ने बताया कि जमीन का मुआवजा भुगतान होने के बाद उसी पैसे से अन्यत्र घर बना कर रह रहे है। इसका फायदा उठाते हुए संवेदक ने प्रशासन की मौजूदगी में सभी के घर तोड़ दिया। भुक्त भोगियों का यह भी आरोप है कि हमलोगों को घर पर रखे सामान को निकालने तक का मौका नही दिया। लोग गिड़गिड़ाते रहे पर किसी ने भुक्तभोगियों की बात सुनने को तैयार नहीं थे। भुक्तभोगियों का आरोप है कि जिन रैयतों को घर एवं जमीन का मुआवजा मिल चुका है उनके घरों को नहीं तोड़ा गया है।

उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का हुआ आयोजन

डीसी ने सम्बंधित अधिकारी को जांचोपरांत कार्यवाही के दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नैंसी सहाय ने मंगलवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने हेतु अनुरोध किया। जनता दरबार में आये समस्याओं का अवलोकन करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में मोसमात नगीया मोसफ्फिल, थाना, गुलाम सरवार कटकमसांडी क्षेत्र के निवासी ने उपायुक्त से ऑनलाइन रसीद निर्गत करने और बरही के रहने वाले भगत कुमार सिंह ने सर्वे के रास्ते में बनी हुई नाली को मिट्टी तथा पत्थर भर दिए जाने के संबंध में निवेदन किया। राजेश्वर महतो

विष्णुगढ़ ने, धान अधिप्राप्ति केंद्र में धन जमा नहीं लेने के संबंध में, मालती कुमारी ओकनी ने अपनी जमीन का बंदोबस्ती किए जाने के संबंध में निवेदन किया। विनोद कुमार सिंदूर हजारीबाग ने दाखिल खारिज को रोके जाने के संबंध में, भातु महतो बरकट्ठा एनएच 2 में अधिकृत भूमि का मुआवजा भुगतान देने के संबंध में, मो. कौशिक आलम हरहद से अपनी जमीन को दूसरे लोगों के द्वारा गलत तरीके से बेचे जाने के संबंध में उपायुक्त से गुहार लगाया। इसके अलावे आज के जनता दरबार में मुख्य रूप से, रोजगार, जमीन संबंधी, जमीन दाखिल खारिज, जमीन हड़पने, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन आदि से सबंधित कई आवेदन आये, जिसे उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित कर निर्धारित समय सीमा के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

जनता का विकास ही मेरी प्राथमिकता है : प्रदीप प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग सदर के विधायक प्रदीप प्रसाद ने झारखंड विधानसभा के सचिव माणिक लाल हेम्ब्रम से उनकी कार्यालय में मुलाकात की। इस मुलाकात में विधायक ने क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि हजारीबाग सदर क्षेत्र में कई लंबित समस्याएं हैं, जिनका समाधान तुरंत किया जाना आवश्यक है।इस बैठक में मुख्य रूप से सड़क, बिजली, जल आपूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, और कृषि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। विधायक ने बताया कि क्षेत्र में कई सड़कें बेहद खराब स्थिति में हैं, जिससे लोगों को यातायात में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, जल आपूर्ति की समस्या भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रही है, और कई गांवों में पानी की भारी कमी है। प्रदीप प्रसाद ने सचिव से आग्रह किया कि इन समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए ताकि जनता को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की दिशा में प्रयास किए जाएं, ताकि राज्य के हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। विधायक ने विधानसभा सचिव से यह भी अनुरोध किया कि विकास योजनाओं में पारदर्शिता और जनता की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार और विधानसभा सचिवालय मिलकर इन समस्याओं का समाधान करेंगे और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए काम करेंगे। इस मुलाकात के दौरान, विधानसभा सचिव माणिक लाल हेम्ब्रम ने विधायक प्रदीप प्रसाद के द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लिया और आश्वासन दिया कि इन समस्याओं पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।

अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ने किया हजारीबाग गुरुद्वारा का दौरा

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह और प्रणेश सॉलोमन ने हजारीबाग के प्रसिद्ध गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका। इस अवसर पर दोनों ने गुरुद्वारा परिसर में सेवा, समर्पण और आध्यात्मिकता का अनुभव किया। उन्होंने गुरुद्वारा में संगत के साथ मिलकर क्षेत्र की खुशहाली और सौहार्द के लिए अरदास की। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने आयोग के दोनों प्रतिनिधियों का भव्य और आत्मीय स्वागत किया। ज्योति सिंह और प्रणेश सॉलोमन को सिरोपा एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। प्रबंधक कमेटी ने उन्हें गुरुद्वारा के इतिहास, धार्मिक परंपराओं और समुदाय के लिए की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। हजारीबाग का यह गुरुद्वारा न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि समाज सेवा और सौहार्द बढ़ाने का भी प्रतीक है। इस गुरुद्वारे में हर जाति और धर्म के लोग

आकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। ज्योति सिंह ने कहा की गुरुद्वारा न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसा स्थान है जो सभी को सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाता है। यहाँ का अनुशासन और सेवा-भाव सभी के लिए प्रेरणा है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और स्थानीय अल्पसंख्यक समुदाय के प्रमुख सदस्यों ने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष और सदस्य के साथ विस्तृत चर्चा की। इस चर्चा में क्षेत्रीय अल्पसंख्यक समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक अधिकारों से संबंधित समस्याओं को उठाया गया। प्रणेश सोलोमन ने कहा हमारा उद्देश्य राज्य में हर अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी जरूरतों और अधिकारों के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना है। गुरुद्वारा जैसी संस्थाएँ सामाजिक सेवा और भाईचारे के माध्यम से समाज में संतुलन और समरसता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।चर्चा के दौरान, अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़े प्रमुख सदस्यों ने बताया कि युवाओं को बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि झारखंड में अल्पसंख्यकों के लिए विशेष योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

विश्वविद्यालय दल उम्दा प्रदर्शन करें: कुलपति

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला खो खो प्रतियोगिता की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। विश्वविद्यालय मुख्यालय के विनोदिनी पार्क में तीन तथा विश्वविद्यालय के स्टेडियम मैदान में दो उच्च स्तरीय कोर्ट बनाए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार पूरी तैयारी पर सीधी नजर रखे हुए हैं। पुरी तैयारी छात्रकल्याण संकायअध्यक्ष डॉ विकास कुमार एवं खेल निदेशक डॉ राखो हरि की देखरेख में चल रही है। ज्ञात हो की बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, असम एवं पूर्वोत्तर के राज्यों से कुल 36 विश्वविद्यालय के महिला खो खो दल इस प्रतियोगिता में भाग लेने की पुष्टि कर दिए है।खेल अनुदेशक उत्तम कुमार एवं शुभम कुमार एक-एक कोर्ट की लंबाई चौड़ाई को तकनीकी मापदंडों के अनुसार निर्धारित करते हुए मार्किंग का काम भी प्रारंभ कर दिए है। संत कोलंबा महाविद्यालय के अशोक

कुमार सिंह इस कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। ग्राउंड्समैन रॉविंद और अशोक का मेहनत असर दिखाने लगा है।लगभग चार वर्षों के बाद परिसर में फिर से खेलकूद का माहौल बनता दिख रहा है। इसी बीच विश्वविद्यालय में उस समय हलचल मच गई जब मानव विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ गंगानाथ झा के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने कोर्ट में आकर चल रहे सफाई कार्य में स्वतः योगदान दिया। इस कर सेवा में विभाग के विधार्थी पूजा, सीमा, खुशबू, आशा, मधु, अंशु, अमला अनूप, रीमा प्रवीण, चंदन, कृष्ण कुमार, और इरफान अंसारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कुलपति पोद्दार ने आदेश दिया है कि बेहतर आयोजन के साथ यह भी सुनिश्चित करना है की विभावि दल का प्रदर्शन भी उच्च कोटि का हो।

फंदे से लटक छात्रा ने की खुदकुशी

हजारीबाग। हजारीबाग में राजा बांग्ला स्थित एक गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा कोमल कुमारी (21) ने पंखे से फंदा लगाकर मंगलवार को खुदकुशी कर ली। यह हॉस्टल हजारीबाग के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार के भाई शिवनंदन कुमार का है। उल्लेखनीय है कि अशोक कुमार पर अपनी पत्नी अनीता देवी को जलाकर मारने का आरोप है और इस मामले में शिवनंदन कुमार भी अभियुक्त हैं। कोमल कुमारी विनोबा भावे यूनिवर्सिटी में स्नातक की छात्रा थी और करीब पांच महीने पहले ही इस हॉस्टल में शिफ्ट हुई थी। उनके पिता अजीत साहू हजारीबाग के एक सत्तू मिल में कार्यरत हैं। परिवार में एक बड़ी बहन और एक भाई हैं। घटना की सूचना सबसे पहले हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं ने कोमल की बड़ी बहन को दी, जिसके बाद परिवार को सूचित किया गया। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और मामले की जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

डेंटल कॉलेज एवं मिशन होस्पिटल ने लगाया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल एवं संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में दिन मंगलवार को पेलावल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें जरूरमंद ग्रामीणों को चिकित्सकों द्वारा दांत एवं स्वास्थ्य का जांच कर उचित परामर्श दिया गया। शिविर में 41 जरूरतमंद का जांच किया गया। उपचार के साथ चिकित्सकों के द्वारा उत्तम स्वास्थ्य का परामर्श दिया गया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में बी पी ब्लड प्रेशर, ब्लड सुगर एंव आरबीएस का जांच मुफ्त हुआ। मुफ्त दवाई भी उपलब्ध कराया गया। मुफ्त मेडिकल कैंप से इलाज करवाकर मरीजों ने संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल एवं हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड

होस्पिटल का धन्यवाद व साधुवाद ज्ञापित किया। शिविर के आयोजन में स्थानीय लोगों ने सरहानीय योगदान दिया। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष एंव डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि शिविर में बुनियादी उपचार बिलकुल मुफ्त है। वर्तमान दौर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में मरीजों की परेशानीयों को कम करने के उद्देश्य से हर जगह निशुल्क शिविर लगाया जा रहा है। इस विशेष पहल से कईं जरूरतमंदों को अनुभवी चिकित्सकों से उपचार कर उत्तम स्वास्थ्य का लाभ मिल रहा है।

प्रभु श्री श्याम के शीश एवं ज्योत का भव्य स्वागत, श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड के रामगढ़ में स्थित नवनिर्मित प्रभु श्री श्याम मंदिर के लिए राजस्थान के खाटू धाम से प्रभु श्री श्याम का पवित्र शीश एवं ज्योत लाया गया।मंगलवार को प्रभु श्री श्याम का शीश एवं ज्योत हजारीबाग की पवित्र धरती पर पहुंचे, जहां सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्याम प्रेमियों ने उनका भक्तिभाव से स्वागत और अभिनंदन किया। शहर के श्याम भक्तों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज, भजन-कीर्तन, और आतिशबाजियों के साथ प्रभु श्री श्याम की आरती उतारी। जय श्री श्याम के गगनभेदी जयकारों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। हर ओर भक्ति की धारा बह रही थी और भजन की मधुर ध्वनि ने श्रद्धालुओं के हृदयों को प्रभु श्री

श्याम की भक्ति से भर दिया। भक्तों ने पंक्तिबद्ध होकर प्रभु श्री श्याम के पवित्र शीश एवं ज्योत का दर्शन किया और उनके चरणों में अपनी श्रद्धा समर्पित की। इस दौरान भक्तगणों को प्रसाद वितरण किया गया, जिसने इस आयोजन को और भी पवित्र और भव्य बना दिया।
प्रभु श्री श्याम का नवनिर्मित मंदिर झारखंड के रामगढ़ में निर्माणाधीन है। खाटू धाम से आए प्रभु श्री श्याम का शीश एवं ज्योत न केवल इस मंदिर के लिए एक आध्यात्मिक केंद्र का प्रतीक है, बल्कि क्षेत्र के लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था और विश्वास का साकार रूप भी है। इस मौके पर श्याम प्रेमियों ने प्रभु श्री श्याम के प्रति समर्पित होकर आयोजन को भव्यता प्रदान की। यह आयोजन न केवल शहरवासियों के लिए, बल्कि दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं के लिए भी आध्यात्मिक प्रेरणा का स्रोत बना।इस भव्य आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि प्रभु श्री श्याम के प्रति भक्तों की निष्ठा और प्रेम अद्वितीय है। इस प्रकार का आयोजन न केवल भक्ति और आस्था को प्रबल करता है, बल्कि समाज में आपसी सद्भाव और एकता का संदेश भी देता है।इस अवसर पर रामगढ़ के श्याम प्रेमियों को अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत व अभिनंदन किया गया तो वही रामगढ़ श्याम प्रेमियों ने प्रभु श्री श्याम नामक पट्टा से स्वागत व अभिनंदन किया। मौके पर श्याम प्रेमियों ने कहा कि प्रभु श्री श्याम के पवित्र शीश और ज्योत के दर्शन करना हमारे जीवन का सौभाग्य है। यह क्षण हमारे लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का संगम है।

झारखंड में लगातार दूसरी बार हजारीबाग रचेगा इतिहास, तोहफ़े में हजारीबाग सांसद सभी नवदंपत्तियों को भेंट करेंगे इलेक्ट्रिक स्कूटी संग गृहस्थ का सामान

101 बेटियों को मिलेगा सांसद सहित हजारों लोगों का सदा सुहागन का आशीर्वाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा सांसद सामूहिक विवाह उत्सव- 2025 के तहत 101 जोड़ियों की शादी रचाने के लिए विवाह स्थल हजारीबाग स्टेडियम (पुराना बस स्टैंड के समीप) में विवाह मंडप तैयार हो रहें हैं। विवाह स्थल हजारीबाग स्टेडियम को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है जिसमें खुद सांसद मनीष जायसवाल और उनकी पूरी टीम तत्परता से जुटी हुई है। यह सांसद सामूहिक विवाह उत्सव- 2025 कार्यक्रम आगामी 02 फरवरी 2025 (रविवार) को आयोजित होगा जहां 101 बेटियों का एकसाथ सांसद मनीष जायसवाल, उनके परिवारजन और उनके हितजनों का सदा सुहागन रहने का शुभाशीर्वाद

प्राप्त होगा। इस ऐतिहासिक क्षण का 50 हज़ार से अधिक लोग साक्षी बनेंगे। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव- 2025 कार्यक्रम को लेकर हजारीबाग स्टेडियम को दुल्हन की तरह सजाने में कोई कोर- कसर न रह जाए इसकी पल-पल की जानकारी दिल्ली विधानसभा चुनाव कैंपेन में रहने के बावजूद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ले रहे हैं और विवाह स्थल को बेहद खूबसूरत बनाने के लिए लगातार दिशा-निर्देश अपनी टीम को दे रहे हैं। विवाह स्थल हजारीबाग स्टेडियम के मुख्य द्वार पर स्वागत गेट, मुख्य द्वार से स्टेडियम तक जाने वाले रास्ते में बेहद आकर्षक साज-सज्जा के साथ पैसेज का निर्माण, विवाह स्थल पर ग्राउंड में चारों तरफ से लोहे का बैरिकेटिंग और उसके अंदर बीच में विवाह में शामिल होने वाले चर्चित म्यूजिकल फेरे के पंडित राघव पंडित और उनकी टीम के साथ रंगकर्मियों के लिए एक विशाल स्टेज, इसी परिसर में 101 आकर्षक विवाह मंडप और उसके बाहर एक मुख्य स्टेज के अलावे मैदान के चारों तरफ लोगों को बैठने के लिए पवेलियन में कालीन बिछाया जा रहा है। विवाह मंडप स्थल पर कार्पेट बिछाया जा रहा है।हजारीबाग की धरती पर सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा पहली बार 14 दिसंबर 2023 को 25 गरीब बेटियों का सामूहिक विवाह डीपीएस स्कूल प्रांगण, हजारीबाग में अपने दो जुड़वे भाई प्रशांत जायसवाल और निशांत जायसवाल के 25 वें शादी सालगिरह के मौके पर कराया गया था। यह कार्यक्रम तब आयोजित हुआ था जब मनीष जायसवाल हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक थे और उन्होंने सभी 25 जोड़ों के गृहस्थ बसाने से लेकर गृहस्थ चलाने तक का उपाय किया था। इस कार्यक्रम में भी 50 हज़ार से अधिक लोग गवाह बने थे। सांसद सामूहिक विवाह उत्सव-2025 दूसरा आयोजन होगा जो सांसद मनीष जायसवाल द्वारा आयोजित होगा और इसमें पहली बार हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के अलावे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही, बड़कागांव, मांडू और रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की बेटियां भी सम्मिलित हैं। 101 निर्धन जोड़ों का सामूहिक विवाह उत्सव संपूर्ण झारखंड में इतिहास रचेगा।सांसद सामूहिक विवाह उत्सव- 2025 में शामिल सभी 101 वर- वधुओं को सांसद मनीष जायसवाल इलेक्ट्रिक स्कूटी के साथ कुल 34 गृहस्थ में उपयोग होने वाला जरूरी सामान भी भेंट करेंगे। जिसमें टीवी, फ्रिज, अलमीरा, पंखा, सूटकेस, कंबल, वर्तन सेट, वर्तन स्टैंड, सब्जी स्टैंड, साड़ियां, सूट पिस, आर्टिफिशियल ज्वेलरी सेट, शू, श्रृंगार बॉक्स, शर्ट- पेंट, दीवार घड़ी, कलाई घड़ी, बाल्टी सेट, चूड़ी सेट, चादर, केसरोल, डिनर सेट, फल पैकेट, मिठाई पैकेट सहित अन्य सामग्री शामिल है। इस सामूहिक विवाह उत्सव को लेकर एक साथ 101 बारात हजारीबाग के सिमर रेस्ट हाउस चौक के समीप अवस्थित अपकमिंग जीडी गोयनका स्कूल से निकलेगा जो इमलीकोठी, सरदार चौक, बड़ा बाजार चौक, बंशीलाल चौक, बिरसा चौक होते हुए विवाह स्थल हजारीबाग स्टेडियम तक पहुंचेगा। इस दौरान बारात में खुद धमाल होगा। पटाखें छोड़े जाएंगे, ढोल-तासा और बैंड बाजा बजेगा, बाराती खूब झूमेंगे- नाचेंगे। बारात में नेटूआ नाच और बाघ नाच के साथ पारंपरिक तरीके से ढोल- नगाड़े का भी जबरदस्त प्रदर्शन होगा। विवाह स्थल पर अलग-अलग 101 विवाह मंडप बनाए जा रहे हैं जहां वर- वधु के बैठने की व्यवस्था होगी। यहां वरमाला और रीति रिवाज से शादी के उपरांत कन्यादान किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पोत्तनूर-बरौनी- पोत्तनूर एक्सप्रेस रद्द

धनबाद(बिभा): अपरिहार्य तकनीकी कारणवश गाड़ी संख्या 06055/06056 पोत्तनूर झबरौनी- पोत्तनूर एक्सप्रेस स्पेशल के परिचालन को निरस्त किया जाएगा। पोत्तनूर -बरौनी स्पेशल शनिवार 01.02.25 से 26.04.25 तक । बरौनी- पोत्तनूर स्पेशल मंगलवार 04.02.25 से 29.04.25 तक रद्द रहेगी।

नगर भवन सिमडेगा में रोजगार मेला का आयोजन 30 को

सिमडेगा(बिभा): ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार द्वारा बेरोजगार युवक एवं युवतियों के लिए दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। जिसका लक्ष्य गरीब बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। इस रोजगार मेले में पांचवी पास से ऊपर के सभी बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर है। जो युवक युवती आई आई टी, पॉलिटेक्निक पास, नर्सिंग पास या डिप्लोमा धारी हैं वह अवश्य ही मेले में आकर लाभ लें। रोजगार मेले में आने वाली कंपनियां हायर अप्लायंसेज, अपोलो टायर्स, अरविंद लिमिटेड, टाटा इलेक्ट्रिक, एक्साइड बैट्री ,कोरोप, टाटा मोटर्स, केपीआर मिल्स, होंडा जैसी प्रसिद्ध कंपनियां भाग लेंगी। इस मेले में कौशल विकास के तहत प्रशिक्षित किसी भी ट्रेड के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं रोजगार मेले में आते समय अपने साथ आधार कार्ड आयु प्रमाण पत्र एवं उच्चतम शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र आवश्यक रूप से साथ लेते आएं। रोजगार मेला का समय पूर्वाह्न 11:00 बजे 30 जनवरी 2025 स्थान नगर भवन सिमडेगा में आयोजित किया जाएगा।

एनडीआरएफ ने भूकंप के बचाव लेकर कार्यशाला का किया आयोजन

सिमडेगा(बिभा): एनडीआरएफ टीम की ओर से समाहरणालय सभागार में भूकंप के बचाव लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस दौरान जिले के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी गण उपस्थित रहे।एनडीआरएफ की टीम ने भूकंप के बचाव, राहत कार्यों का जानकारी प्रशासन पदाधिकारी एवं कर्मचारियों को दी। एनडीआरएफ टीम के डिप्टी कमांडर सोहेल लखानी एवं टीम कमांडर इंस्पेक्टर अमित कुमार के नेतृत्व में टीम ने भूकंप के दौरान राहत और बचाव के विभिन्न तकनीकी तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान भूकंप के दौरान होने वाले आपदाओं जैसे आगेजनी, बिल्डिंग पर फंसे पीड़ितों को कैसे रेस्क्यू करने, भूकंप के दौरान खुद को कैसे सुरक्षित बचाना साथ ही कंक्रीट के स्लैब में फंसे लोगों को बचाने और भूकंप से प्रभावित लोगों को रेस्क्यू के साथ प्राथमिक उपचार कर अस्पताल पहुंचाने आदि की जानकारी दी गई। मौके पर अपर समाहर्ता श्री ज्ञानेन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी, एलआरडीसी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला जन-संपर्क पदाधिकारी सहित सभी प्रशासनिक पदाधिकारी गण एवं कर्मी उपस्थित रहे।

जबलपुर- सिंगरौली- जबलपुर एक्सप्रेस में एक तृतीय वातानुकूलित श्रेणी कोच जोड़ा जाएगा

धनबाद(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर उनके सुगम आवागमन हेतु गाड़ी संख्या 11651/ 11652 जबलपुर-सिंगरौली- जबलपुर एक्सप्रेस में तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का एक कोच को जोड़ा जाएगा। 29.01.25 से जबलपुर से खुलने वाली गाड़ी संख्या 11651 जबलपुर- सिंगरौली एक्सप्रेस। 30.01.25 से सिंगरौली से खुलने वाली गाड़ी संख्या 11652 सिंगरौली- जबलपुर एक्सप्रेस

उपायुक्त की अध्यक्षता में पीसी-पीएनडीटी एक्ट- 1994 से संबंधित जिला सलाहकार समिति की बैठक का किया गया आयोजन

लिंग परीक्षण से संबंधित समेकित जांच रिपोर्ट जिला कार्यालय को उपलब्ध कराए : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में मंगलवार को पीसी-पीएनडीटी एक्ट-1994 से संबंधित जिला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय में किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गयी कि पीसी-पीएनडीटी एक्ट के माध्यम से शिशु लिंग अनुपात में कमी को रोकने में मदद मिलती है और महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान होता है। बैठक में उपायुक्त विशाल सागर द्वारा जानकारी दिया गया कि वर्तमान में देवघर जिला में

कुल 38 अल्ट्रासाउंड केंद्र हैं। सभी निबंधित अल्ट्रासाउंड केंद्रों में जिला स्तर पर गठित टीम के द्वारा औचक निरीक्षण कर जांच किया जा रहा है कि इस संस्थानों में भ्रूण हत्या, जन्म पूर्व लिंग परीक्षण और अन्य किसी भी माधयम से बेटियों की हत्या आदि का कार्य तो नकहि किह जा रहा है। अगर उपरोक्त मामलों में कोई भी संस्थान संलिप्त पाए जाते हैं तो उक्त संस्थान के लाइसेंस को रद्द करते हुए जिला स्तर से विधिसम्मत कार्यवाई की जाएगी।

उपायुक्त सह जिलादण्डाधिकारी विशाल सागर द्वारा पीसी-पीएनडीटी एक्ट 1994 से संबंधित सलाहकार समिति की बैठक के माध्यम से सभी संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि वैसे अल्ट्रासाउंड केंद्र जिनके द्वारा पीसी-पीएनडीटी वेबसाइट गरिमा झारखंड पर 10 से कम गर्भवती महिलाओं का ऑनलाइन फॉर्म-एफ का संधारण किया गया हो का समिति के अधिकारियों द्वारा जांच कराते हुए विस्तृत प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराया जाय ताकि सबंधित विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जा सके। आगे उन्होंने कहा कि जिले दिनांक-24.01.2025 से दिनांक-31.01.2025 तक सेव द गर्ल चाइल्ड सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों के स्कूल, कॉलेज में पीसी-पीएनडीटी एक्ट की विस्तृत जानकारी के साथ साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के संबंध में जागरूकता का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त द्वारा समिति सभी सदस्यों को निदेशित करते हुए कहा कि सभी एक दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सेव द गर्ल चाइल्ड कैंपेन का व्यपाक प्रचार प्रसार कराया जाय ताकि अधिक से अधिक लोगो को जागरूक किया जा सके।

बैठक में उपरोक्त के अलावा सिविल सर्जन देवघर डॉ० युगल किशोर चौधरी, जीपी श्री बालेश्वर मंडल, संबंधित विभाग के अधिकारी, चिकित्सकों की टीम व सदस्य आदि उपस्थित थें।

क्या है पीसी-पीएनडीटी एक्ट

गभार्धान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी-पीएनडीटी) अधिनियम, 1994 भारत में कन्या भ्रुण हत्या और गिरते लिंगानुपात को रोकने के लिए भारत की संसद द्वारा पारित एक संघीय कानून है। इस अधिनियम से प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक (पीसी-पीएनडीटी एक्ट- 1994) के तहत जन्म से पूर्व शिशु के लिंग की जांच पर पाबंदी है। ऐसे में अल्ट्रासाउंड या अल्ट्रासोनोग्राफी कराने वाले जोड़े या करने वाले डाक्टर, लैब कर्मी को तीन से पांच साल सजा और 10 से 50 हजार जुमार्ने की सजा का प्रावधान है।

धनबाद मंडल संसदीय समिति की बैठक में रेल विकास और यात्री सुविधाओं पर हुई व्यापक चर्चा

बिभा संवाददाता

हाजीपुर: धनबाद मंडल की मंडल संसदीय समिति की बैठक का आयोजन धनबाद मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया । इस बैठक में धनबाद मंडल क्षेत्राधिकार के सांसदगण उपस्थित थे । बैठक की अध्यक्षता सांसद विष्णु दयाल राम द्वारा किया गया ।

सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी तथा सांसद कालीचरण सिंह बैठक में उपस्थित हुए । साथ ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, सांसद ढुलू महतो, सांसद मनीष जायसवाल, सांसद डॉ. राजेश मिश्र, सांसद डॉ. सरफराज अहमद, सांसद आदित्य प्रसाद, सांसद प्रदीप कुमार वर्मा, सांसद दीपक प्रकाश तथा सांसद महुआ माजी के प्रतिनिधि आज की बैठक में उपस्थित थे । सांसदगण द्वारा जनहित से जुड़े मुद्दे एवं रेल के सर्वांगीण विकास तथा यात्री सुविधाओं में और वृद्धि एवं उसे सुदृढ़ करने के संबंध में बहुमूल्य सुझाव दिये गए । सांसदगण द्वारा आधारभूत संरचनाओं के विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर बल दिया गया । साथ ही बैठक में भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा सहित मुख्यालय एवं मंडल के अधिकारीगण उपस्थित थे।

इसके पूर्व बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने सांसदगण एवं सांसद प्रतिनिधियों का स्वागत किया । महाप्रबंधक ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि धनबाद मंडल द्वारा यात्री सुविधा की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि धनबाद मंडल भारतीय रेल में माल लदान में महत्वपूर्ण स्थान रखता है एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी धनबाद मंडल द्वारा माल लदान एवं इससे प्राप्त आय में भारतीय रेल के सभी मंडलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल हुआ है । महाप्रबंधक ने सांसदों को अवगत कराया कि इस वर्ष में यात्री सुविधा के क्षेत्र में कार्य करते हुए 03 स्टेशनों पर उपरगामी पुल का निर्माण, 05 स्टेशनों के प्लेटफार्म का विस्तार का कार्य पूरा किया गया है। इसी तरह 08 स्टेशनों पर दिव्यांग शैचालय की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है । धनबाद स्टेशन पर रेल कोच रेस्टुरेंट भी खोला गया । अनारक्षित टिकट आसानी से प्राप्त हो सके इसके लिए रेणुकूट, चोपन तथा बरकाकाना में दो-दो एटीवीएम का प्रावधान किया गया । यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष साप्ताहिक ट्रेन कायंबटूर के लिए तथा जम्मूतवी एवं नासिक रोड के लिए द्विसाप्ताहिक ट्रेन का परिचालन किया गया । न्यू गिरीडीह से रांची के लिए इंटरसिटी का परिचालन प्रारंभ किया गया जिसका मार्ग विस्तार अब मधुपुर तक कर दिया गया है । अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रारंभिक चरण में 15 स्टेशनों का चयन किया गया है जिसका कार्य विभिन्न चरणों में है । एक स्टेशन एक उत्पाद के तहत 26 स्टेशनों पर स्टॉल/ट्रॉली लगाए गए हैं जिससे क्षेत्र के हस्तशिल्पियों एवं स्थानीय उत्पाद को उत्सावर्धन तथा उत्पाद को एक बेहतर बाजार मिल रहा है । सांसदों ने अपने क्षेत्र में ट्रेनों के ठहराव, नई रेल परियोजनओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी मांगी, जिससे महाप्रबंधका द्वारा सांसद को अवगत कराया गया ।

महाप्रबन्धक ने सांसदों से प्राप्त बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुझाव हमें भविष्य में रेल विकास कार्यों की रूप-रेखा तय करने में काफी सहायक सिद्ध होगा ।

लोहरदगा में सड़क पर मौत बनकर दौड़ी पिकअप, 2 की मौत, दो घायल

बिभा संवाददाता

लोहरदगा : जिले में मंगलवार को एक पिकअप वैन मौत बनकर सड़क पर दौड़ी। इस घटना में 2 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहली घटना एसपी कोठी के पास हुई। यहां अनियंत्रित पिकअप ने एक स्कूटी सवार महिला को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। इसके बाद पिकअप तेजी से भागने लगा।

इसी क्रम में समाहरणालय मोड़ के पास उस पिकअप ने एक मोटरसाइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, इस घटना के दौरान व्यक्ति का बाइक पिकअप के अगले हिस्से में फंस गया।

इसी बीच पिकअप चालक गाड़ी को तेज रफ्तार में कचहरी मोड़ होते हुए पतरा टोली से शंख नदी की ओर भागने लगा।इसी बीच इस पिकअप ने कई अन्य वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसमें एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत हो गयी। जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति ने सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसके बाद शंख नदी के पास पिकअप में आग लग गयी। फिर ड्राइवर और उसमें सवार 3 लोगों को स्थानीय लोगों ने पकड़ कर पुलिस को हवाले कर दिया।

नशे के सौदागरों को जमशेदपुर पुलिस ने दी तीखी चोट

जमशेदपुर : जमशेदपुर की परसुडीह पुलिस ने नशे के सौदागरों को आज एक बार फिर से तीखी चोट दी है। पुलिस ने एक ड्रग्स तस्कर को दबोचा है। उसके पास से 262.70 ग्राम इर यानी ब्राउन शुगर जब्त किये गये हैं। जब्त ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत बाजार में करीब 30 लाख रुपये आंकी गयी है। गिरफ्तार तस्कर का नाम मो आबिद खान बताया गया। वह कीताडीह का रहने वाला है। इस बात का खुलासा आज जमशेदपुर के पुलिस कप्तान किशोर कौशल ने किया। एसएसपी ने मीडिया को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि एक शख्स ब्राउन शुगर की खेप लेकर पहुंचने वाला है। शहर के युवा इसके कस्टमर हैं। मिली इंफॉर्मेशन पर रख के निर्देश पर एक टीम गठित की गयी। गठित टीम ने रेलवे स्टेशन के पास चेकिंग अभियान चलाया। इसी दरम्यान एक शख्स को कीताडीह की ओर से आते देखा गया। पुलिस पर नजर पड़ते ही वह सकपकाया और भागने लगा। पुलिस ने उसे खदेड़कर दबोच लिया। तालाशी लेने पर उसके पास से 262.70 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त किया गया। एसएसपी ने बताया कि आबिद के खिलाफ परसुडीह, सुंदरनगर और जुगसलाई थाना में कुल 12 संगीन मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट जैसे मामले शामिल हैं। आबिद पूर्व में एनडीपीएस एक्ट के मामले में परिवार समेत जेल जा चुका है। बीते 20 दिसंबर 2024 को ही वह जेल से बाहर आया और फिर से नशे का धंधा करने लगा। फिलहाल आबिद को जेल भेज दिया गया है।

टाटा स्टील ने उत्कर्ष ओडिशा कॉन्क्लेव में ओडिशा के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया

बिभा संवाददाता

भुवनेश्वर: टाटा स्टील ने आज भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित दो दिवसीय भव्य आयोजन उत्कर्ष ओडिशा 2025 कॉन्क्लेव में अपने निवेश और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए ओडिशा के विकास में एक महत्वपूर्ण साझेदार बनने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराया।

टाटा स्टील ने 'उत्कर्ष ओडिशा - मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2025' में एक समर्पित पवेलियन स्थापित किया है, जिसमें नवाचार, सस्टेनेबिलिटी और सामाजिक-आर्थिक विकास में इसके अग्रणी पहलों को प्रदर्शित किया गया है। इस पवेलियन में एडवांस मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन इंडस्ट्री के लिए गोपालपुर इंडस्ट्रियल पार्क में बुनियादी अवसंरचना के विकास, सुबर्णरेखा पोर्ट की विशेषताएं और विस्तार योजनाओं, और 'मेक इन इंडिया' दृष्टिकोण में कंपनी के योगदान को प्रमुखता से दिखाया गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने भी अपने योगदान की कहानी इस पवेलियन में प्रदर्शित की है।

टाटा स्टील के सीईओ और प्रबंध निदेशक, टी वी नरेंद्रन ने कहा, पिछले एक दशक में टाटा स्टील ने ओडिशा में लगभग 10 बिलियन डॉलर का निवेश किया है, जो हमारे दीर्घकालिक दृष्टिकोण और राज्य की अपार संभावनाओं को दशार्ता है। हमने कलिंगानगर में एक अत्याधुनिक स्टील प्लांट स्थापित करने के साथ-साथ नीलाचल इस्पात और भूषण स्टील जैसी परिसंपत्तियों का अधिग्रहण कर उन्हें पुनर्जीवित किया, जिससे राज्य में हमारी कुल क्षमता 11 मिलियन टन तक पहुंच गई है। अगले दशक में हम 10 मिलियन टन और क्षमता जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। ओडिशा की खनिज संपदा, विशाल तटीय क्षेत्र, कुशल कार्यबल और प्रगतिशील सरकार ने इसे टाटा स्टील के लिए भारत में सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बना दिया है।

इस मेगा इवेंट में टाटा स्टील की भागीदारी उस समय हो रही है जब कंपनी अपने कलिंगानगर प्लांट के दूसरे चरण के विस्तारीकरण को गति दे रही है। जाजपुर जिले में स्थित कलिंगानगर प्लांट, जिसे 2015-16 में 3 एमटीपीए की प्रारंभिक क्षमता के साथ चालू किया गया था, अब अपनी क्षमता को 8 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए 27,000 करोड़ के निवेश से विस्तार कर रहा है। इस विस्तारीकरण से लगभग 8,000 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है और यह टाटा स्टील को भारतीय ऑटोमोटिव बाजार के लिए एडवांस्ड हाई स्ट्रेंथ स्टील्स के निर्माण में सक्षम बनाएगा, जिससे आयात पर देश की निर्भरता काफी हद तक कम होगी।

टाटा स्टील के हालिया निवेशों में 2022 में नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड प्लांट का अधिग्रहण और पुनः संचालन शामिल है। इसके अतिरिक्त, 2018 में अधिग्रहीत ढेंकनाल जिले में स्थित मेरामंडली प्लांट भी कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग पोर्टफोलियो का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पहले भूषण स्टील के नाम से प्रसिद्ध यह प्लांट वर्तमान में 5.6 एमटीपीए का उत्पादन करता है। टाटा स्टील वर्तमान में अपने कलिंगानगर प्लांट, मेरामंडली प्लांट और एनआईएनएल इकाई के अगले चरण के विस्तारीकरण पर काम कर रही है।

टाटा स्टील का गोपालपुर, गंजाम में स्थित इंडस्ट्रियल पार्क नए उद्योगों को आकर्षित करने में तेजी से प्रगति कर रहा है। यह पार्क मुख्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र, जैसे ग्रीन हाइड्रोजन और सोलर सेल एवं मॉड्यूल निर्माण में लगभग 32,000 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित कर चुका है। टाटा स्टील का ओर, माइन एंड क्वेरीज डिवीजन खनन क्षेत्र में नवाचार और सस्टेनेबिलिटी को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

टाटा स्टील अपने संचालन क्षेत्रों के समुदायों को योगदान देने के महत्व को समझती है। टाटा स्टील फाउंडेशन ने ओडिशा के 30 में से 27 जिलों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका विकास पर केंद्रित कई पहल शुरू की हैं। केवल वित्त वर्ष 2024 में ही इन कार्यक्रमों ने आसपास के क्षेत्रों में 2.38 मिलियन लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। कंपनी खेलों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, जिसमें भुवनेश्वर स्थित ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई-परफॉर्मेंस सेंटर और 9,100 से अधिक बच्चों और युवाओं तक पहुंचने वाले ग्रासरूट कार्यक्रम शामिल हैं। टाटा आर्चरी अकादमी और टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन के साथ मिलकर, टाटा स्टील विभिन्न खेलों में उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षण प्रदान कर युवा प्रतिभाओं को सशक्त बना रही है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाने में सक्षम होंगे।

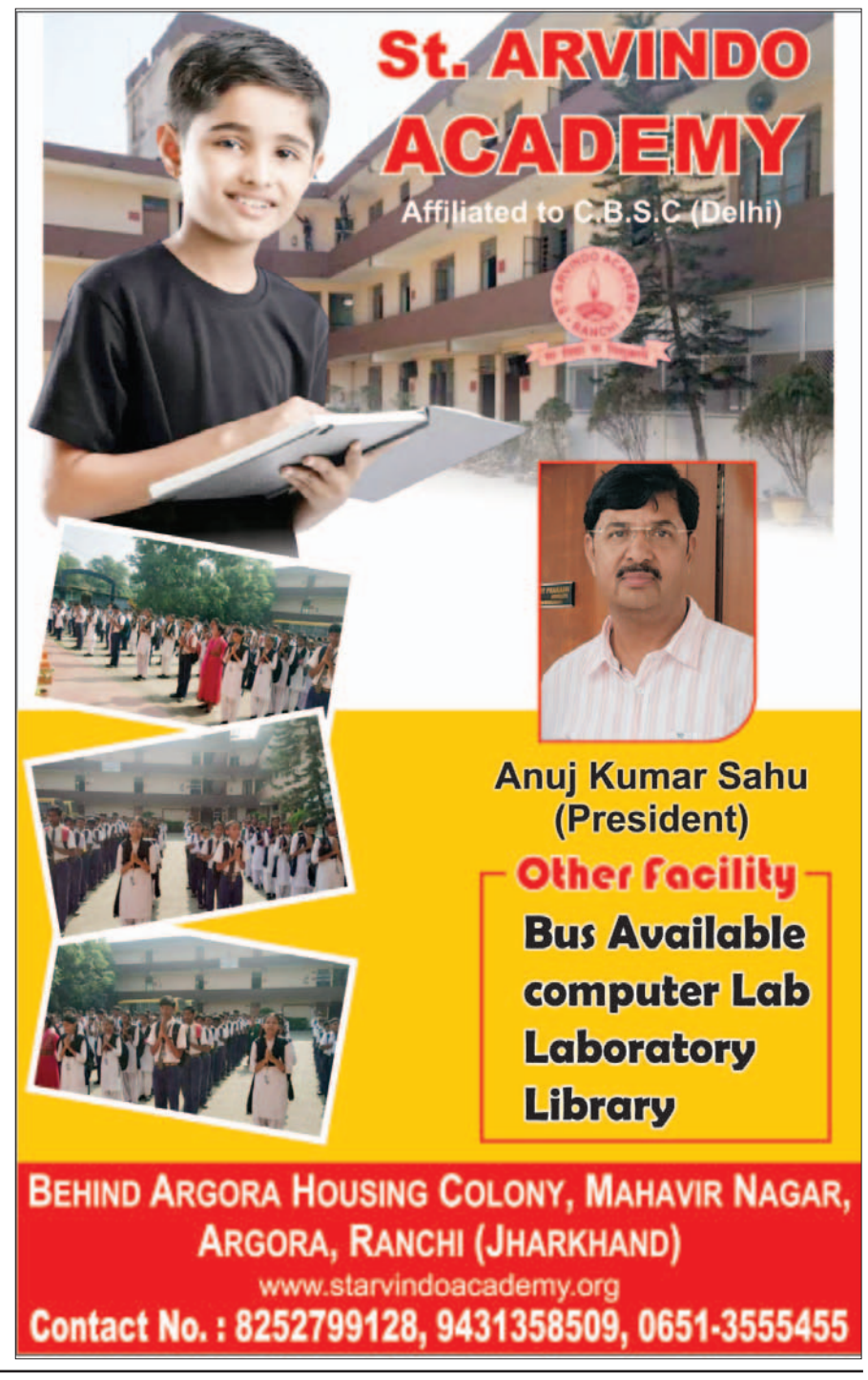

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com